डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति लेमाह की प्रकाशित, भोपाल 2 03.2022 से 2 03.2022 वर्ष-19 अंक-12 मूल्य ₹ 0.00

सहरिया विशेष प्रोजेक्ट

मध्यप्रदेश में गरीबों के कल्याण के लिये नहीं छोड़ेंगे कोई कोर-कसर - मुख्यमंत्री

श्योपुर, मध्यप्रदेश में गरीबों के सम्मान और कल्याण के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जायेगी। गरीबों के हित में सरकार लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में श्योपुर जिले के जनजातीय विकासखण्ड कराहल में प्रधानमंत्री आवास योजना में 'सहरिया विशेष प्रोजेक्ट' का शुभारंभ किया गया है। इस प्रोजेक्ट में सहरिया समाज के 19 हज़ार 166 हितग्राहियों को 260 करोड़ रुपये के आवास स्वीकृत हुए हैं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने श्योपुर जिले के कराहल में सहरिया विशेष प्रोजेक्ट के शुभारंभ और 150 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान श्योपुर जिले में सहरिया विशेष प्रोजेक्ट के शुभारंभ कार्यक्रम में हितग्राहियों को हितलाभ वितरित करते हुये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना में 'सहरिया विशेष प्रोजेक्ट' अद्भुत योजना है। आज सहरिया समाज के गरीब परिवारों के लिये आनन्द, प्रसन्नता और खुशी का दिन है। उन्होंने कहा कि 19 हजार 166 आवास बन जाने से सहरिया परिवारों की ज़िंदगी बदल जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार गरीब, किसान और माताओं-बहनों की सरकार है, जब तक इन सभी का उत्थान नहीं हो जाता, तब तक मैं शांत नहीं बैठूंगा।

श्री चौहान ने कहा कि सरकार ने संकल्प लिया है कि हर गरीब को पक्का मकान दिया जाये। इसके लिये बजट में प्रावधान भी किया गया है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में बनने वाले आवासों के लिये सीमेंट एवं अन्य सामग्री की व्यवस्था एक साथ की जाये, जिससे हितग्राही को कम दरों पर सामग्री मिल सके और उन्हें भटकना भी न पड़े। इस संबंध में उन्होंने जिला कलेक्टर को व्यवस्था करने के निर्देश भी दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो स्व-सहायता समूह ईंट निर्माण कर रहे हैं, उनसे ईंट खरीदी जाये, जिससे समूहों को भी लाभ मिले। इस कार्य में गड़बड़ी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राशन आपके ग्राम योजना में लगने वाले वाहनों की व्यवस्था कर युवाओं को रोज़गार से जोड़ा जा रहा है। योजना में गांव-गांव जाकर राशन वितरण की जवाबदारी भी जनजातीय युवाओं को सौंपी गयी है। उन्होंने कहा कि राशन प्राप्त करने से वंचित परिवारों को पात्रता सूची में जोड़ने की कार्यवाही की जाएगी।

श्री चौहान ने कहा कि गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री खाद्यान्न योजना में 5 किलो और मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना में 5 किलो राशन एक रुपये प्रति किलो में दिया जा रहा है। राज्य सरकार किसी भी गरीब को भूखा सोने नहीं देगी।

केंद्रीय कृषि एवं किसान-कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि मुख्यमंत्री ने श्योपुर जिले को 400 करोड़ रुपये की सौगातें दी हैं। उन्होंने कहा कि श्योपुर जिले के लिए सौभाग्य का दिन है, यहां जनजातीय भाइयों को 19 हजार 166 आवास निर्माण की सौगात दी गई है। इस विशेष प्रोजेक्ट पर 260 करोड़ रुपये व्यय किये जायेंगे। यह राशि आवास हितग्राहियों के खाते में सीधी भेजी जायेगी।

स्व-सहायता समूह के जरिये महिला उत्थान

मुख्यमंत्री ने कहा कि समूह की महिलाएं साबुन, डिटर्जेन्ट, अमरूद का उत्पादन, जड़ी-बूटियां और मसालों का उत्पादन कर अच्छा लाभ कमा रही हैं। उन्होंने जरूरतमंद माता-बहनों को भी समूहों से जोड़कर उनके आर्थिक और सामाजिक उत्थान की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि फुटपाथ पर दुकान चलाने वालों को पथ विक्रेता योजना में आर्थिक मदद की जा रही है। साथ ही ऐसे जनजातीय युवा, जो शारीरिक रूप से सुदृढ़ और फुर्तीले हैं, उनके लिये पुलिस आरक्षक भर्ती में विशेष अंक का प्रावधान करने का विचार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री की घोषणाएं

- श्योपुर जिले में स्वीकृत मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिये बजट में प्रावधान किया गया है। कराहल और ढोढर में कॉलेज निर्माण के लिए राशि उपलब्ध कराई जायेगी।
- विजयपुर क्षेत्र के चेटीखेड़ा डैम के निर्माण की स्वीकृति एक माह के अन्दर जारी कर दी जायेगी।
- गसवानी के 14 वन ग्रामों को राजस्व ग्राम बनाने की कार्यवाही की जायेगी।
- मुख्यमंत्री कन्या विवाह और तीर्थ-दर्शन योजना पुनः शुरू की जायेगी।

मध्यप्रदेश में

नवम्बर माह में होगी इन्वेस्टर्स समिट-2022

भोपाल, इन्वेस्टर्स समिट 2022 में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने के लिए प्रतिष्ठित कार्पोरेट्स बिजनेस हाऊसेस और अलग-अलग सेक्टर्स की शीर्ष कम्पनियों को आमंत्रित किया जाए। फार्मा एण्ड मेडिकल डिवाइसेस, टेक्सटाइल एण्ड गारमेंट मेन्युफैक्चरिंग, एग्री एण्ड फूड प्रोसेसिंग, वायो-टेक्नोलॉजी, स्टार्ट-अप्स, इंजीनियरिंग ऑटोमोबाइल एण्ड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, लॉजिस्टिक्स एण्ड वेयरहाउसिंग सहित निवेश के नवीन क्षेत्रों में इकाइयों की स्थापना के लिए निरंतर प्रयास किए जाएं। इसके लिए सभी संबंधित विभाग सक्रिय भूमिका निभाएं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में आयोजित बैठक में आगामी नवम्बर माह में हो रही इन्वेस्टर्स समिट-2022 की तैयारियों की वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुये कहीं। यह समिट इंदौर में होगी।

इन्वेस्टर्स समिट के पहले होंगे रोड शो

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व वर्षों में हुई इन्वेस्टर्स समिट के फलस्वरूप प्रदेश में निवेश बढ़ा है। युवाओं को रोज़गार भी मिला है। आगामी समिट के पहले होने वाले नई दिल्ली और मुम्बई के रोड शो में वे स्वयं जाएंगे। श्री चौहान ने देश के अन्य प्रमुख नगरों में मंत्री श्री राजवर्धन सिंह और श्री ओमप्रकाश सखलेचा द्वारा भी रोड शो में भागीदारी का आग्रह किया। श्री चौहान अंतर्राष्ट्रीय रोड शो के लिए मई माह में दावोस और जर्मनी की यात्रा को भी अंतिम रूप दे सकते हैं। बैठक में बताया गया कि विभिन्न देशों के भारत स्थित राजूदत भी इन्वेस्टर्स समिट में आमंत्रित किए जाएंगे। प्रमुख सचिव श्री संजय कुमार शुक्ला ने देश के प्रमुख स्थानों जैसे कोयम्बटूर, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई एवं अहमदाबाद में अप्रैल से जुलाई माह के मध्य प्रस्तावित रोड शो के लिए निर्धारित कार्यक्रम की जानकारी दी।

खास खबर

उच्च माध्यमिक और माध्यमिक शिक्षकों के नियुक्ति पत्र जारी

भोपाल, स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) और सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने बताया कि शिक्षा विभाग ने उच्च माध्यमिक शिक्षक और माध्यमिक शिक्षक के नियुक्ति पत्र जारी कर दिए है। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण में उच्च माध्यमिक शिक्षकों के लिए प्रतीक्षा सूची से प्रवर्गवार पात्र 853 अभ्यर्थियों और माध्यमिक शिक्षकों के लिए प्रतीक्षा सूची से प्रवर्गवार पात्र 923 अभ्यर्थियों के नियुक्ति आदेश जारी किए गए हैं। माध्यमिक शिक्षकों के नियुक्ति आदेश संभागीय संयुक्त संचालक के स्तर से जारी किए गए हैं।

अंदर के पृष्ठों पर

- **खेल चर्चा-** प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी-** देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में-** प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह-** देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण

रोज़गार दिवस की तैयारी

युवाओं के रोज़गार के लिये सभी जिलों में प्रयास बढ़ाए जाएं

भोपाल, युवाओं के लिए रोज़गार सबसे बड़ी जरूरत है। स्व-रोज़गार योजनाओं से जरुरतमंद युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में जोड़ने के लिए प्रत्येक माह रोज़गार दिवस मनाया जा रहा है। इस माह राज्य स्तरीय कार्यक्रम 29 मार्च को होगा। हर महीने राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक बुलाकर समीक्षा का कार्य भी चलेगा, जिससे स्व-रोजगार योजनाओं के क्रियान्वयन में कमी न रहे। आगामी 24 मार्च को राज्य स्तरीय समिति की बैठक में इस वित्त वर्ष के लक्ष्यों की पूर्ति की विस्तार से समीक्षा की जाएगी। ये निर्देश मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने रोज़गार दिवस की तैयारियों की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में दिए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि वित्त वर्ष के अंत में स्व-रोज़गार योजनाओं की जिलावार समीक्षा की जाए। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में वर्तमान वित्त वर्ष के लक्ष्य की प्राप्ति के साथ आगामी वित्त वर्ष के एक लाख हितग्राहियों को लाभान्वित करने लक्ष्य के निर्धारण के परिप्रेक्ष्य में अच्छे परिणामों के लिए वित्तीय वर्ष के प्रारंभ से ही अधिकतम प्रयास किए जाएं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, ग्रामोद्योग विभाग और राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के संयुक्त प्रयासों से इस माह के रोज़गार दिवस के लिए जरूरी तैयारियां की जा रही हैं।

श्री चौहान ने कहा कि गत 25 फरवरी को शहडोल में हुए राज्य स्तरीय रोज़गार दिवस के फलस्वरूप प्रदेश के इंदौर जिले में 36 हजार, जबलपुर जिले में 23 हजार, सतना जिले में 21 हजार और ग्वालियर एवं सागर जिले में 20-20 हजार युवाओं को स्व-रोज़गार का लाभ मिला है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सिंगरौली और अलीराजपुर जैसे जिलों में भी मुद्रा योजना सहित अन्य योजनाओं में हितग्राहियों को लाभान्वित करने के प्रयास तेज किए जाएं। गत माह के रोज़गार दिवस से लेकर इस माह में अब तक तीन सप्ताह की अवधि में एक लाख हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा चुका है। इसके पहले 12 जनवरी को हुए रोज़गार दिवस के फलस्वरूप सवा 5 लाख युवाओं को रोज़गार उपलब्ध कराया गया। इस तरह करीब दो माह की अवधि में 11 लाख से अधिक लोगों को रोज़गार से जोड़ने में सफलता मिली है।

मध्यप्रदेश को कानून व्यवस्था में बनाना है आदर्श राज्य - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में कानून व्यवस्था के संबंध में आयोजित वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कानून व्यवस्था के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा करते हुये कहा है कि प्रदेश में किसी भी तरह के सांप्रदायिक तनाव एवं हिंसा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस अपने खुफिया तंत्र को सक्रिय और सुदृढ़ करते हुए शांति समितियों के माध्यम से जनसामान्य के निरंतर संपर्क में रहे। शांति समितियों की बैठक थाना तथा जिलास्तर के साथ-साथ मोहल्ला स्तर पर भी आयोजित हो। प्रदेश में अन्य देशों से आए अवैध प्रवासियों की पहचान के लिए अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने आगामी माहों में आने वाले त्यौहारों के लिए विशेष सर्तकता बरतने और सोशल मीडिया पर नजर रखने के निर्देश देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर आ रही भ्रामक जानकारियों का तत्काल खंडन किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाएं, बच्चे, दलित, गरीब सहित सभी स्वयं को सुरक्षित महसूस करें, ऐसी व्यवस्था आवश्यक है। कानून व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रदेश में महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराधों में त्वरित कार्यवाही की गई है। प्रदेश को कानून व्यवस्था में आदर्श राज्य बनाना है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

12 मार्च

सीबीएसई ने दसवीं और बारहवीं बोर्ड की टर्म-2 परीक्षा की तारीख की जारी

● केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा दसवीं और बारहवीं बोर्ड की टर्म-2 परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। बोर्ड ने बताया कि कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षाएं 26 अप्रैल से शुरू होंगी, जो 24 मई तक चलेंगी, वहीं कक्षा बारहवीं की बोर्ड परीक्षाएं 26 अप्रैल से 15 जून तक आयोजित की जायेंगी। ये सभी परीक्षाएं ऑफलाइन माध्यम से आयोजित होंगी। सीबीएसई ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान लंबे समय तक स्कूल बंद रहने के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई अवरुद्ध रही है, इसलिए हर पेपर के बीच काफी अंतर दिया गया है ताकि विद्यार्थी के संबंधित विषय के अभ्यास के लिए पर्याप्त समय मिल सके। परीक्षा की डेटशीट तैयार करते समय जेईई-मेन्स सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं का भी ध्यान रखा गया है। उल्लेखनीय है कि सीबीएसई ने 2021-22 सत्र की बोर्ड परीक्षा को दो टर्म में विभाजित किया है। टर्म-1 की परीक्षाएं हो चुकी हैं।

● सऊदी अरब की राजधानी रियाद में एक तेल शोधन संयंत्र पर ड्रोन से हमला किया गया। इस हमले के बाद रिफाइनरी में आग लग गई। हालांकि इस हादसे में किसी के भी हताहत होने या तेल आपूर्ति को नुकसान नहीं हुआ है। सऊदी अरब की ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि ड्रोन हमला कहां से किया गया और किसने किया इसकी जानकारी नहीं मिली है। माना जा रहा है कि इस हमले के पीछे हूती विद्रोही गुट है। हूती विद्रोहियों ने पहले भी सऊदी अरब के तेल प्रतिष्ठानों पर हमले किए हैं।

13 मार्च

केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में पढ़ाने के लिए पीएचडी की अनिवार्यता खत्म

● केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में पढ़ाने के लिए अब पीएचडी की डिग्री होना आवश्यक नहीं होगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में पढ़ाने के लिए पीएचडी डिग्री की अनिवार्यता को खत्म कर दिया है। आयोग के इस फैसले से उन तमाम उम्मीदवारों को मौका मिल सकेगा, जो शिक्षण के क्षेत्र में बेहतर अनुभव रखते हैं लेकिन पीएचडी डिग्री नहीं होने के कारण विश्वविद्यालयों में अध्यापन नहीं कर सकते थे। यूजीसी कई नए और विशेष पदों को सृजित करने की भी योजना बना रहा है। इन पदों पर नियुक्ति के लिए पीएचडी की आवश्यकता नहीं होगी। इसके अलावा यूजीसी की योजना एक ऐसा पोर्टल शुरू करने की भी है, जिसके जरिए शिक्षकों की भर्ती का हिसाब-किताब रखा जा सके। इससे शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया में देरी नहीं होगी।

● केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहा कि ऑटोमोबाइल कंपनियां छह महीने के भीतर फ्लेक्स फ्यूल वाहनों का विर्निमाण शुरू करेंगी। श्री गडकरी ने एक ग्लोबल बिजनेस समिट को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि सरकार सार्वजनिक परिवहन को शत प्रतिशत स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों से चलाने की योजना पर काम कर रही है। ऑटोमोबाइल कंपनियों ने वादा किया कि वे फ्लेक्स फ्यूल इंजन का विनिर्माण शुरू करेंगे, जो एक से अधिक ईंधन से चल सकते हैं। फ्लेक्स फ्यूल गैसोलीन, मेथेनॉल या इथेनॉल के मिश्रण से तैयार एक वैकल्पिक ईंधन है।

14 मार्च

नीट-पीजी का कट ऑफ 15 प्रतिशत तक घटेगा

● राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) पीजी-2021 के लिए सभी श्रेणियों में कट ऑफ का 15 प्रतिशत कम कर दिया है। यह फैसला नीट पीजी की रिक्त सीटों को भरने के लिए लिया गया है। चिकित्सा परामर्श समिति (एमसीसी) के सदस्य सचिव डॉ. वी. श्रीनिवास ने एनबीई के कार्यकारी निदेशक को पत्र लिखकर कहा कि उचित चर्चा और विचार-विमर्श के बाद स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी श्रेणियों में कट ऑफ का 15 प्रतिशत कम करने का निर्णय लिया है। इस फैसले के बाद सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के नीट पीजी-2021 को कट ऑफ 35 पर्सेंटाइल, दिव्यांग (सामान्य) वर्ग का कट ऑफ 30 पर्सेंटाइल और आरक्षित वर्ग का कट ऑफ 25 पर्सेंटाइल तक कम हो सकता है। उल्लेखनीय है कि नीट पीजी-2021 में दो दौर की काउंसलिंग के बावजूद 6 हजार से ज्यादा सीटें खाली रह गई हैं।

● केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा दसवीं की टर्म-1 परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए हैं। सीबीएसई ने कक्षा दसवीं की टर्म-1 की मार्कशीट संबंधित स्कूलों को भेजी है। सीबीएसई ने कहा कि स्कूलों को भेजी गई मार्कशीट में केवल थ्योरी के मार्क्स हैं। प्रैक्टिकल या इंटरनल असेसमेंट के मार्क्स स्कूलों के पास है। अब स्कूल थ्योरी और प्रैक्टिकल के मार्क्स के साथ मार्कशीट तैयार करेंगे। सीबीएसई ने कहा कि विद्यार्थी अपने स्कूलों से मार्कशीट प्राप्त कर सकते हैं।

15 मार्च

जेईई मेन्स 2022 की परीक्षा तिथियों में बदलाव

● नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मेन्स 2022 की तिथियों में बड़ा बदलाव किया है। एनटीए ने बताया कि जेईई मेन की पहले चरण की परीक्षाएं 16 से 21 अप्रैल तक आयोजित होनी थी, जो अब 21, 24, 25, 29 अप्रैल तथा एक और चार मई को आयोजित की जायेंगी। एनटीए ने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं की तारीखों के जेईई मेन की पहले चरण की परीक्षाओं के साथ टकराव के कारण पहले चरण की परीक्षाओं की तिथियों में बदलाव की मांग छात्रों द्वारा की जा रही थी। विद्यार्थियों की मांग को देखते हुए जेईई मेन पहले चरण की परीक्षाएं पुनःनिर्धारित की गई है। उल्लेखनीय है कि जेईई मेन्स 2022 के लिए आवदेन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और 31 मार्च 2022 तक चलेगी।

● ईरान ने परमाणु समझौते को लेकर बड़ा दावा किया है। ईरान ने कहा कि उसके परमाणु कार्यक्रम पर जल्द समझौता हो सकता है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सईद खतिब्जादेह ने बताया कि अगर वियना में हुई वार्ता में ईरान द्वारा रखी गई शर्तों को अमेरिका स्वीकार करता है, तो परमाणु समझौता जल्द संभव है। उल्लेखनीय है कि ईरान का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब वियना में परमाणु समझौता 2015 को पुनर्जीवित करने के लिए चल रही वार्ता के विफल होने की संभावना बढ़ गई है। ईरान ने वर्ष 2015 में अमेरिका सहित विश्व की छह शक्तियों के साथ परमाणु समझौता किया था। वर्ष 2018 में अमेरिका इस समझौते से हट गया था।

16 मार्च

ब्रिटेन ने हटाए सभी यात्रा प्रतिबंध

● ब्रिटेन में कोविड-19 संबंधी सभी यात्रा प्रतिबंध समाप्त कर दिए गए हैं। ब्रिटेन के परिवहन मंत्री ग्रांट शैप्स ने कहा कि देश में कोरोना मामलों में तेजी से आ रही गिरावट को देखते हुए यात्री संबंधी प्रतिबंध समाप्त किए जा रहे हैं। अब पहले की तरह लोग यात्रा कर सकेंगे। अब लोगों को पैसेंजर लोकेटर फॉर्म भी नहीं भरना होगा। यात्रियों को इस फॉर्म में बताना होता था कि वे ब्रिटेन में कहां रहेंगे और उन्होंने टीकाकरण कराया है या नहीं। ग्रांट शैप्स ने कहा कि अब ब्रिटेन आने वाले यात्रियों को यात्रा ब्यौरा और अनिवार्य आरटीपीसीआर जांच नहीं करानी होगी। विश्व के ज्यादातर देशों में जहां कोरोना संबंधी प्रतिबंध समाप्त हो रहे है, वहीं चीन में एक बार फिर कोरोना संक्रमण बढ़ने से प्रतिबंध कड़े किए जा रहे हैं।

● भारत में डिजिटल करेंसी लाने की सरकार की कोई योजना नहीं है। यह जानकारी केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में दी। श्री चौधरी ने कहा कि भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) क्रिप्टो करेंसी नहीं लाएगा। उन्होंने कहा कि देश में पारंपारिक पेपर करेंसी ही लीगल टेंडर है, जिसे आरबीआई जारी करता है। सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) भारतीय करेंसी का डिजिटल वर्जन है। आरबीआई फिलहाल सीबीडीसी लाने की दिशा में चरणबद्ध तरीके का काम कर रहा है।

17 मार्च

भारत ने 156 देशों के लिये बहाल किया ई-वीजा

● भारत ने 156 देशों के नागरिकों को दिये गये सभी वैध पांच वर्षीय ई-पर्यटक वीजा और सभी देशों के नागरिकों के लिये नियमित कागजी वीजा को तत्काल प्रभाव से बहाल कर दिया है। सरकार ने कोविड महामारी के कारण दो वर्ष पहले ई-वीजा और नियमित कागजी वीजा को निलंबित किया था। विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि सरकार ने 156 देशों के नागरिकों के लिये ई-वीजा तथा सभी देशों के नियमित वीजा को बहाल किया है। इसके अलावा अमेरिका और जापान के नागरिकों को जारी किये गये सभी वैध लंबी अवधि (10 वर्ष) के नियमित पर्यटक वीजा को भी बहाल किया गया है। अधिकारी ने बताया कि पात्र देशों के नागरिकों को समय-समय पर लगाये गये प्रतिबंधों के अधीन पांच वर्ष की वैधता तक नया नियमित पर्यटक वीजा भी जारी किया जायेगा।

● भारत, अमेरिका, यूरोपीय संघ और दक्षिण अफ्रीका में कोविड-19 वैक्सीन के लिये बौधिक संपदा अधिकार या पेटेंट से छूट के संबंध में सहमति बन गई है। इसे विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के चारों सदस्यों के बीच अस्थाई समझौता करार दिया गया है। इसे आधिकारिक रूप दिये जाने से पहले सभी पक्षों के औपचारिक अनुमोदन की जरूरत होगी। पेटेंट से छूट तीन वर्ष के लिये होगी या पांच वर्ष के लिये इस पर अंतिम निर्णय लिया जाना बाकी है। उल्लेखनीय है कि किसी भी समझौते को अंगीकार करने के लिये जरूरी है कि डब्ल्यूटीओ के 164 सदस्य उसे स्वीकार करें।

18 मार्च

यूजीसी ने पीएचडी दाखिले के लिये नियमों में किया बदलाव

● विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने पीएचडी पाठ्यक्रम में दाखिले से संबंधित नियमों में बदलाव किया है। यूजीसी ने मिनमम स्टैंड्डर्स एंड प्रोसिजर फॉर अवॉर्ड ऑफ पीएचडी डिग्री रेगुलेशंस-2016 में संशोधन करते हुये प्रस्ताव किया है कि राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) या जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) उत्तीर्ण उम्मीदवारों के लिये पीएचडी की 60 प्रतिशत सीटों को आरक्षित रखा जायेगा। अभी तक के नियमों के अनुसार पीएचडी दाखिले के लिये संस्थानों द्वारा प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाता है। हालांकि कई संस्थानों में यूजीसी नेट/जेआरएफ उत्तीर्ण उम्मीदवारों को बिना प्रवेश परीक्षा दाखिला दिया जाता है। इसके अलावा यूजीसी ने बताया कि अब चार वर्षीय स्नातक कोर्स करने वाले उम्मीदवार सीधे पीएचडी में दाखिले के लिये आवेदन कर सकेंगे।

● भारत ने अपनी आर्कटिक नीति जारी कर दी है। इस नीति का उद्देश्य संसाधन संपन्न क्षेत्र के साथ देश की साझेदारी को गहरा करना है। इस नीति को 'भारत और आर्कटिक सतत विकास के लिये साझेदारी का निर्माण' शीर्षक दिया गया है। इस नीति में छह स्तंभ- वैज्ञानिक अनुसंधान और सहयोग को मजबूत करना, जलवायु और पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक और मानव विकास, परिवहन और सम्पर्क, शासन और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग तथा आर्कटिक क्षेत्र में राष्ट्रीय क्षमता निर्माण शामिल है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

APPOINTMENTS

KANYA KUBJ SHAIKSHANIK AVAM PARMARTHIK NYAS
K. K. VIGYAN AVAM VYAVSAIK ADHYAYAN MAHAVIDHAYALAYA INDORE(M.P.)
Recognized by-M.P. Higher Education Bhopal, AICTE Delhi, Affiliated to D.A.V.V. Indore
Block A, Plot No 37, Sec - E Sch. No. 54 opposite Hotel Marriot and Apollo Hospital, Ph.0731-4031896, 9770055599 Email - kkcollegeindore@gmail.com

REQUIRES

Principal | Professor | Associate Professor | Assistant Professor | Librarian | Sports Officer

Under College Code 28

For Commerce | Management | Computer Science | Hindi | English | Physical Education | Library Science

Eligibility as Per AICTE | UGC Norms

Interested Candidates apply within 10 Days with their CV, Credentials, Passport size Photograph through kkcollegeindore@gmail.com or walk in College Campus between 10 am to 2 pm.

Director

neelsun

R-46800/2022

साप्ताहिक
रोज़गार और निर्माण
में विज्ञापन के लिए दरें

टैरिफ

क्रमांक	ब्लैक एंड व्हाइट रेट प्रति वर्ग सेमी (sq Per cm)	रंगीन रेट प्रति वर्ग सेमी (sq Per cm)
1. डीएवीपी (DAVP) रेट	17.76	24.86
2. कॉन्ट्रैक्ट रेट	70.00	98.00
3. कमर्शियल रेट	80.00	112.00

फुल पेज का आकार

चौड़ाई	-	25 सेंटीमीटर
लंबाई	-	37 सेंटीमीटर
कुल वर्ग सेंटीमीटर	-	925 वर्ग सेंटीमीटर

संपर्क करें :
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
ई मेल : madhyam.rojgar@gmail.com Website : www.mpmadhyam.in

नोट : 1. 5% जीएसटी (GST) शुल्क अलग से देय होगा।
2. 4.5x5 सेमी (cm) से कम का विज्ञापन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वर्ष 39, अंक 12 21.03.2022 से 27.03.2022

रोज़गार और निर्माण

www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - राघवेन्द्र कुमार सिंह
- सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
- कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
- प्रभारी अधिकारी - नरेन्द्र कुमार बनवट (प्रसार एवं विज्ञापन)
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- आकल्पन - हेमंत वायंगणकर, आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

पर्यटन क्षेत्र में निवेश बढ़ाएं युवाओं को रोज़गार दिलवाएं

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र को समृद्ध बनाने के लिये प्रस्तावित विकास योजनाओं को मूर्त रूप देने के लिये प्रयास बढ़ाए जाएं। वर्तमान विकसित पर्यटन स्थलों के साथ ही नवीन पर्यटन स्थलों में आवश्यक अधोसंरचना निर्माण के लिये तेजी से कार्य किया जाये। पर्यटन क्षेत्र में निवेश वृद्धि के प्रयास हों। युवाओं को रोज़गार के अधिक अवसर मिलें, इस दृष्टि से भी पर्यटन विकास गतिविधियों का संचालन किया जाये। प्रदेश की पर्यटन संभावनाओं का दोहन प्रदेश की जनता के लिये लाभकारी रहेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान भोपाल स्थित मंत्रालय में मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के संचालक मंडल की बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व के स्थानों पर विभिन्न उत्सवों के माध्यम से पर्यटन विकास की संभावनाओं को साकार करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि खजुराहो उत्सव और अन्य कार्यक्रमों से अधिक संख्या में आमजन को जोड़े जाने के लिये कार्यक्रमों के स्वरूप को निर्धारित करने के भी निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में निवेश की अच्छी संभावनायें हैं। उन्होंने हेरिटेज परिसंपत्तियों में से आवंटित परिसंपत्तियों से रोज़गार सृजन बढ़ाने के निर्देश दिये। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 79 पर्यटन परियोजनाओं के लिये 104 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है। कुल 1517 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है, जिसके फलस्वरूप 22 हजार से अधिक व्यक्तियों को रोज़गार मिल रहा है। 1 हजार हेक्टेयर से अधिक भूमिबैंक भी तैयार किया गया है। 5 हेरिटेज संपत्तियां आवंटित की जा चुकी हैं। इनमें खजुराहो स्थित राजगढ़ पैलेस और रीवा स्थित गोविंदगढ़ पैलेस भी शामिल हैं। निजी क्षेत्र के सहयोग से मिड-वे ट्रीट, हाइ-वे ट्रीट सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। इनसे करीब 3 हजार लोगों को रोज़गार मिल रहा है। प्रदेश में 75 मार्ग सुविधा केंद्र विकसित किये गये हैं। पर्यटन क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देते हुये 15 रोड शो भी किये गये। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में फिल्मों की शूटिंग से युवा कलाकारों को अभिनय और फिल्म निर्माण से जुड़े अन्य कार्यों को करने का अवसर मिलता है और रोज़गार के अवसरों में वृद्धि होती है। इसे प्रोत्साहित किया जाये। मध्यप्रदेश में फिल्म पर्यटन नीति-2020 में गतिविधियों का संचालन हो रहा है। अब तक प्रदेश में करीब 200 फिल्म, धारावाहिक और वेब सीरज की शूटिंग हो चुकी हैं। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 6 फिल्म समारोह में मध्यप्रदेश की भागीदारी रही है। फिल्म परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश के पर्यटन स्थलों के प्रचार-प्रसार में भी सहयोग मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश में हनुवंतिया और अन्य स्थानों पर जलक्रीड़ा पर्यटन गतिविधियां बढ़ाने के निर्देश दिये। साहसिक गतिविधियों के लिये लगभग 50 कैम्प आयोजित किये गये। 20 हजार से अधिक पर्यटकों को कैम्पिंग और साहसिक गतिविधियों से जोड़ा गया है। पावर बोर्ड संचालन और लाइफ सेविंग के प्रशिक्षण का लाभ भी युवाओं को दिया जा रहा है। जल पर्यटन गतिविधियों के लिये आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर लाइसेंस जारी किये गये हैं। उल्लेखनीय है यूनेस्को ने हिस्टोरिक अर्बन लैंडस्केप रिकमंडेशन में ग्वालियर और ओरछा का चयन किया है। प्रदेश के 27 राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यप्राणी अभ्यारणों के ईको सेंसेटिव जोन्स के जोनल मास्टर प्लान का कार्य चल रहा है। यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में ओरछा, मांडू, सतपुड़ा नेशनल पार्क और भेड़ाघाट को शामिल करने की पहल की गयी है। ओंकारेश्वर और सलकनपुर में पीपीपी मॉडल से रोप-वे संचालन, ग्वालियर में म्यूजियम ऑफ म्यूजिक, भोपाल में सिटी म्यूजियम और भीमबैठका में प्री-हिस्टोरिक पार्क के लिये भी प्रयास प्रगति पर है। पन्ना में डायमंड म्यूजियम और जबलपुर में खनन मंत्रालय के सहयोग से जियोलॉजिकल म्यूजियम संचालित किया जा रहा है।

संतान से ज्यादा पोते-पोतियां होते हैं प्यारे

अक्सर हम यह लोगों को कहते सुनते हैं कि दादी-नानी को मूल से ज्यादा सूद प्यारा होता है। यहां मूल से तात्पर्य दादी-नानी की संतान और सूद से तात्पर्य दादी-नानी के पोते-पोतियों से है। हाल ही में हुये अध्ययन से वैज्ञानिकों ने भी इस बात पर मुहर लगा दी है। नये अध्ययन से पता चला है कि दादी अपनी संतान की तुलना में पोते-पोतियों से अधिक भावनात्मक रूप से जुड़ी हो सकती है। अध्ययन के दौरान अमेरिकी वैज्ञानिकों ने प्रतिभागी दादियों के दिमाग को उस वक्त स्कैन किया जब वे अपने पोते-पोतियों की तस्वीरों को देख रही थी। शोधकर्ताओं ने पाया कि तस्वीरों को देखते हुये दादी के मस्तिष्क के भावनात्मक सहानुभूति से संबंधित क्षेत्र सक्रिय हो गये। भावनात्मक सहानुभूति तब होती है, जब हम किसी अन्य व्यक्ति के समान भावना महसूस करते हैं। जैसे कि सामने वाले को अगर दर्द हो तो उससे हम भी खुद को असहज और संकट में महसूस करें। इसके विपरीत जब प्रतिभागियों ने पोते-पोतियों के बजाय बेटे और बेटी की तस्वीर देखी तो उनके मस्तिष्क का संज्ञानात्मक सहानुभूति से जुड़े मस्तिष्क क्षेत्र सक्रिय हुये। संज्ञानात्मक सहानुभूति तब होती है, जब आप किसी दूसरे की भावनाओं को समझ सकते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप बिल्कुल वही महसूस कर रहे हैं, जो सामने वाला कर रहा है। यह संभव है कि नानी उन्हीं भावनाओं को अनुभव करने में सक्षम होती है, जो उनके पोते या पोती अनुभव कर रहे हैं। प्रमुख अध्ययनकर्ता एवं एमोरी यूनिवर्सिटी में ऐन्थ्रोपोलॉजी (मानव शास्त्र) के प्रोफेसर जेम्स रिलिंग ने कहा, डाटा में वास्तव में भावनात्मक सहानुभूति से जुड़े मस्तिष्क के क्षेत्रों में सक्रियता देखी गई है। यह अध्ययन, दादी-नानी के मस्तिष्क के कार्य की जांच करने वाला पहला अध्ययन है।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

विश्व जल दिवस 22 मार्च

जल आपदा से बचाएगी जल साक्षरता

जल के बिना जीवन संभव नहीं है, यह हम बचपन से सुनते आ रहे हैं। वहीं हम देख सकते हैं कि हर साल गर्मियों में पीने के पानी की वजह से देश-दुनिया की बड़ी आबादी संघर्ष करती है। ये बात सच है कि धरती की सतह पर 70 फीसदी हिस्से में पानी भरा हुआ है, लेकिन ये समुद्री पानी है, जो खारा है। दुनिया में मीठा पानी केवल 3 फीसदी है और ये इतना सुलभ नहीं है। दुनिया में करोड़ों लोगों को पीने का साफ पानी उपलब्ध नहीं है। साल 2014 में दुनिया के 500 बड़े शहरों में हुई एक रिपोर्ट में पाया गया है कि हर चार में से एक नगरपालिका 'पानी की कमी' की समस्या का सामना कर रही है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 'पानी की कमी' तब होती है, जब पानी की सालाना सप्लाई प्रति व्यक्ति 1700 क्युबिक मीटर से कम हो जाती है। संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञों के आकलन के अनुसार साल 2030 तक वैश्विक स्तर पर पीने के पानी की मांग सप्लाई से 40 फीसदी अधिक हो जाएगी। हमारा शरीर भी 70 प्रतिशत जल से ही बना है। लगभग सभी धर्मों ने जल को बहुत महत्व दिया है। यानी धार्मिक मान्यताओं से लेकर वास्तविक जीवन तक में जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं है।

जल दिवस को मनाने का उद्देश्य

लोगों को स्वच्छ जल के प्रति जागरूक करने के लिए विश्व जल दिवस 22 मार्च को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य विश्व के सभी विकसित देशों में स्वच्छ एवं सुरक्षित जल की उपलब्धता सुनिश्चित करवाना है साथ ही यह जल संरक्षण के महत्व पर भी ध्यान केंद्रित करता है। ब्राजील में रियो डी जेनेरियो में वर्ष 1992 में पर्यावरण और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलनन की अनुसूची 21 में आधिकारिक रूप से जोड़ा गया था। कार्यक्रम में विश्व जल दिवस मनाने की पहल की गई तथा वर्ष 1993 में संयुक्त राष्ट्र ने अपनी सामान्य सभा के द्वारा निर्णय लेकर इस दिन को वार्षिक कार्यक्रम के रूप में मनाने का निर्णय लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों के बीच में जल संरक्षण, साफ पीने योग्य जल का महत्व आदि बताना था। 2010 के जुलाई महीने में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा प्रस्ताव पारित कर दुनिया के हरेक व्यक्ति को पानी का अधिकार दिया गया हो, जिसके तहत हरेक व्यक्ति को पर्याप्त मात्रा में पानी मिलना चाहिए। यह अभियान यूएन अनुशंसा को लागू करने के साथ ही वैश्विक जल संरक्षण के वास्तविक क्रियाकलापों को प्रोत्साहन देने के लिए सदस्य राष्ट्र सहित संयुक्त राष्ट्र द्वारा मनाया जाता है। इस अभियान को प्रति वर्ष यूएन एजेंसी की एक इकाई के द्वारा विशेष तौर से बढ़ावा दिया जाता है, जिसमें लोगों को जल मुद्दों के बारे में सुनने व समझाने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ ही विश्व जल दिवस के लिए अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों का समायोजन शामिल है। इस कार्यक्रम की शुरुआत से ही विश्व जल दिवस पर वैश्विक संदेश फैलाने के लिए थीम (विषय) का चुनाव करने के साथ ही विश्व जल दिवस को मनाने के लिए यूएन उत्तरदायी होता है।

इस साल की थीम भूजल से संबंधित

हर वर्ष विश्व जल दिवस के लिए एक थीम तय की जाती है। इस बार की थीम है ग्राउंडवाटर : मेकिंग द इनविजुअल, विजुअल यानी न दिखने वाले भूजल को देखें। यह कितना कीमती है और हम इस महत्वपूर्ण संसाधन की सुरक्षा कैसे कर सकते

हैं, ताकि आगे आने वाली पीढ़ियों को भी साफ पानी मिल सके। पानी ही जीवन का आधार है, जिससे कोई इनकार नहीं कर सकता है। जिस तरह से अब प्राकृतिक संसाधनों का दोहन हो रहा है उससे साफ है कि भविष्य में संकट और गहरा सकता है। क्लाइमेट चेंज और बढ़ती जनसंख्या तथा जल स्रोतों के अत्यधिक दोहन की वजह से भूजल का स्तर लगातार कम होता जा रहा है। ऐसे में जरूरी है कि हम पानी की वैल्यू को समझें और इसे बरबाद होने से बचाएं।

साफ पानी से समृद्ध ब्राजील

पूरे विश्व में साफ पानी का धनी देश ब्राजील को माना जाता है। विश्व का लगभग 12-14 प्रतिशत पानी ब्राजील में उपलब्ध है। विश्व में पानी की उपलब्धता को लेकर भारत का आठवां स्थान है। कई महानगरों में जिस तरह से जल स्तर कम हो रहा है उससे भविष्य में संकट और गहरा हो सकता है। गौर करने वाली बात ये है कि धरती का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी से भरा हुआ है, लेकिन इसमें से सिर्फ तीन फीसदी हिस्सा ही पीने योग्य है।

आज भी तालाब खरे हैं लिखने वाले अनुपम

'आज भी खरे हैं तालाब', 'राजस्थान की रजत बूंदें' जैसी जल संरक्षण पर प्रसिद्ध किताब लिखने वाले अनुपम मिश्र का जन्म 1948 में सरला मिश्र और प्रसिद्ध हिंदी कवि भवानी प्रसाद मिश्र के यहां महाराष्ट्र के वर्धा में हुआ था। मूलतः मध्यप्रदेश के होशंगाबाद के रहने वाले अनुपम लेखक, संपादक, छायाकार और गांधीवादी पर्यावरणविद् थे। पर्यावरण-संरक्षण के प्रति जनचेतना जगाने और सरकारों का ध्यानाकर्षित करने की दिशा में वह तब से काम कर रहे थे, जब देश में पर्यावरण रक्षा का कोई विभाग नहीं खुला था। उनकी कोशिश से सूखाग्रस्त अलवर में जल संरक्षण का काम शुरू हुआ जिसे दुनिया ने देखा और सराहा। सूख चुकी अरवरी नदी के पुनर्जीवन में उनकी कोशिश काबिले तारीफ रही है। इसी तरह उत्तराखण्ड और राजस्थान के लापोड़िया में परंपरागत जल स्रोतों के पुनर्जीवन की दिशा में उन्होंने महत्वपूर्ण काम किया है।

जल पुरुष को मिल चुका है पानी का नोबल पुरस्कार

जल पुरुष के नाम से मशहूर राजेन्द्र सिंह का जन्म 6 अगस्त, 1959 को, उत्तरप्रदेश के बागपत जिले के डौला गांव में हुआ था। वर्ष 1981 में उनके विवाह के डेढ़ साल बाद ही वे घर का सारा सामान बेचकर मिले कुल तेईस हजार रुपये लेकर पानी के लिए संघर्ष करने निकल गए। अपने एनजीओ तरुण भारत संघ की स्थापना के बाद इसके माध्यम से सबसे पहले राजस्थान में 1980 के दशक में जल संकट को दूर करने के लिए उन्होंने काम करना शुरू किया। बारिश के पानी को धरती के भीतर पहुंचाने की प्राचीन भारतीय पद्धति को ही आधुनिक तरीके से अपनाया। इसमें छोटे-छोटे तालाबों का निर्माण किया जाता है, जो बारिश के पानी से भर जाते हैं और फिर इस पानी को धरती धीरे-धीरे सोख लेती है। शुरुआत में राजेन्द्र सिंह इस कार्य में अपनी संस्था के लोगों के साथ अकेले काम कर रहे थे, लेकिन धीरे-धीरे उनके इस काम में गांव के गांव जुड़ते गए। राजस्थान की मरू भूमि पर हरियाली की क्रांति लाने वाले राजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में खत्म हो चुकी तालाब निर्माण यानी जोहड़ की परंपरा पुनर्जीवित हुई और 6 हजार से अधिक तालाबों का निर्माण किया गया। एशिया के नोबल पुरस्कार रेमन मैग्सेसे से सम्मानित हो चुके राजेन्द्र सिंह को स्टॉकहोम वॉटर प्राइज से भी सम्मानित किया जा चुका है, इसे पानी का नोबल पुरस्कार भी कहा जाता है। 2008 में राजेन्द्र सिंह को गार्डियन ने विश्व के उन 50 लोगों में शामिल किया था, जो धरती को बचा सकते हैं।

जल दूत, जल सेवक बनाने की जरूरत

आजादी के समय देश में जितनी जमीन पर अकाल की आपदा आती थी, उससे कई गुना ज्यादा जमीन पर अकाल अब देश में आता है। इसी तरह आजादी के समय जितनी जमीन पर बाढ़ आती थी, उससे कई गुना ज्यादा जमीन पर अब बाढ़ आती है। अकाल-बाढ़ का संकट बढ़ रहा है, इसे देखकर भी अगर हम आपदा को न समझ सकें तो समझ लीजिए कि हम ऐसे सोए हुए हैं कि अब हम जागना ही नहीं चाहते हैं। कोरोना जैसा अन्य वायरस भारत में जन्म न ले तो हमें अपने जल को शुद्ध रखने के लिए प्रदूषण मुक्त रखने की जरूरत है। इस बार जल दिवस पर हमें यह संकल्प लेना है कि पूरे देश में जल साक्षरता का अभियान चलाया जाए। जो लोग जल संरक्षण को समझते हैं, जल साक्षरता के लिए समाज को खड़ा कर चेतना जगा सकते हैं, जो लोग जल के लिए संघर्ष या सत्याग्रह कर सकते हैं, जल संरक्षण के लिए कार्य कर सकते हैं, उन्हें ऐसा अभियान चलाना चाहिए जो प्रदूषण बढ़ाने वाले लोगों, उद्योगों के खिलाफ कानून की मदद से संघर्ष कर सके। ऐसे लोगों को जल योद्धा की तरह काम करना चाहिए। जिला स्तर की शासकीय योजना, समाज जो करना चाहता है उन्हें समझाकर जल संरक्षण की गति को तेज करने के लिए जल प्रेमियों का बड़ा दल हर जिले में बनना चाहिए। ब्लॉक स्तर पर जल दूत, ग्राम स्तर पर जल सेवक बनना चाहिए। शासकीय इंजीनियरों को जल की समझ के लिए जल कर्मी का प्रशिक्षण देना चाहिए। जल दूत, जल सेवक, जल योद्धा के साथ मिलकर राज्य और समाज मिलकर काम करें, तभी जल दिवस मनाना सार्थक होगा। जल संरक्षण के लिए अभी कार्य नहीं करेंगे तो जल आपदा से नहीं मुक्त हो सकेंगे।

पर्यावरणविद् अनुपम मिश्र ने भी कहा था कि, 'सीखो उन पुरखों से जिन्होंने पानी के साथ कभी मनमानी नहीं की'। यानी जल संकट से घबराने की नहीं, बल्कि जल संरक्षण के लिए हर व्यक्ति को अपने स्तर पर प्रयास करने की आवश्यकता है। हमारी जीवन शैली ने भी पानी का उपयोग बढ़ाया है जिसे दैनिक जीवन में थोड़े प्रयास से कम किया जा सकता है। संक्षेप में, जल दिवस को सार्थक करने और इस विकट स्थिति में बदलाव के लिए सरकार और समाज दोनों को साथ मिलकर पूरी गंभीरता से गहन काम करना होगा।

सर्जना चतुर्वेदी

(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इन्दौर

सहायक संचालक संवर्ग (सामाजिक न्याय) परीक्षा-2021
परीक्षा दिनांक : 23.01.2022 (रविवार)

परीक्षा परिणाम

विज्ञप्ति क्रमांक-11996/07/2022/अनु.-10 **इन्दौर, दिनांक : 08.03.2022**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इन्दौर विज्ञापन क्रमांक-02/2021/08.02.2021 ऑनलाइन आवेदन अंतिम तिथि 13.12.2021 (01) सूचना पत्र क्रमांक-01/02/2021, दिनांक 28.10.2021 परीक्षा स्थगन की सूचना के संबंध में। (02) विज्ञप्ति क्रमांक-777/प.नि./2021, दिनांक 30.12.2021 परीक्षा योजना के संबंध में, के अंतर्गत दिनांक 23.01.2022 को जिला मुख्यालय इंदौर के केन्द्रों पर 01 सत्र में दोपहर 12:00 बजे से 03:00 बजे तक आयोजित की गई थी।

02. उपरोक्तानुसार जारी विज्ञापन एवं शुद्धि पत्रों के माध्यम से विज्ञापित पदों की श्रेणीवार कुल संख्या निम्नानुसार है :-

श्रेणीवार विज्ञापित पद

श्रेणी	कुल विज्ञापित पद	दिव्यांगजन (PH)
अनारक्षित (UR)	6	श्रवणबाधित (HH) - 1
अनुसूचित जाति (SC)	3	
अनुसूचित जनजाति (ST)	3	
अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	5	
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS)	2	
कुल	**19**	**1**

03. सामान्य प्रशासन विभाग, मध्यप्रदेश शासन के पत्र क्रमांक-एफ 7/46/2020/आ.प्र./एक दिनांक 15.12.2020 के परिपालन में अनारक्षित श्रेणी के पदों को 40 प्रतिशत मान्य करते हुए एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण के प्रतिशत को यथावत रखते हुए इस परीक्षा का परिणाम घोषित किया जा रहा है। उपरोक्तानुसार 03 गुना+समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से साक्षात्कार हेतु अर्ह कुल-79 अभ्यर्थियों की श्रेणीवार विविरण निम्नानुसार है :-

श्रेणी	कुल पद	03 गुना + समान अंक	दिव्यांगजन
अनारक्षित (UR)	9	31	श्र.बा. (HH) = 3
अनुसूचित जाति (SC)	3	10	
अनुसूचित जनजाति (ST)	3	11	
अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	5	20	
आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS)	2	07	
कुल	**22**	**79**	**कुल - 3**

4. सहायक संचालक संवर्ग (सामाजिक न्याय) परीक्षा-2021 के साक्षात्कार हेतु प्रावधिक रूप से अर्ह पाए गए अभ्यर्थियों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :-

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION
ASSISTANT DIRECTOR (SOCIAL JUSTICE) EXAMINATION 2021
ROLL NUMBER WISE LIST OF CANDIDATES QUALIFIED FOR INTERVIEW
(PROVISIONAL)

S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.	S.NO.	ROLL NO.
1.	100003	21.	100800	41.	101634	61.	102647
2.	100025	22.	100809	42.	101658	62.	102652
3.	100048	23.	100818	43.	101689	63.	102690
4.	100058	24.	100851	44.	101714	64.	102698
5.	100083	25.	100934	45.	101735	65.	102708
6.	100098	26.	100959	46.	101808	66.	102715
7.	100109	27.	101059	47.	101823	67.	102740
8.	100141	28.	101234	48.	101829	68.	102766
9.	100156	29.	101240	49.	101854	69.	102855
10.	100176	30.	101265	50.	101927	70.	102910
11.	100221	31.	101297	51.	102022	71.	102964
12.	100273	32.	101330	52.	102111	72.	103064
13.	100357	33.	101387	53.	102187	73.	103222
14.	100363	34.	101438	54.	102199	74.	103235
15.	100440	35.	101467	55.	102344	75.	103274
16.	100491	36.	101499	56.	102368	76.	103326
17.	100561	37.	101604	57.	102372	77.	103344
18.	100739	38.	101613	58.	102399	78.	103445
19.	100773	39.	101616	59.	102543	79.	103465
20.	100783	40.	101629	60.	102595		

अभिलेख प्रेषित करने हेतु निर्देश -

01. उपरोक्त परीक्षा के लिए भरे गए ऑनलाइन आवेदन पत्र की छायाप्रति।
02. उपस्थिति पत्रक-1 मूल प्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
03. व्यक्तिगत विवरण-01 मूल प्रति व 5-छायाप्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
04. अनुप्रमाणन-फॉर्म 03 मूल प्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
05. शासकीय सेवक हेतु अभिवचन पत्र-01 मूल प्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
06. घोषणा पत्र (किसी भी चयन/परीक्षा में विवर्जित होने संबंधी-01 मूल प्रति) (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
07. अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को क्रीमीलेयर श्रेणी के अंतर्गत न आने संबंधी प्रस्तुत किए जाने वाला घोषणा पत्र-01 मूल प्रति (आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध)।
08. हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा की अंकसूची।
09. स्नातक प्रत्येक वर्ष की अंकसूचियों एवं उपाधि (प्रोविजनल उपाधि भी मान्य)।
10. मूल निवासी/स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र की प्रति (प्रमाण पत्र में गोल सील, जावक क्रमांक, दिनांक का उल्लेख आवश्यक है।)
11. आरक्षित श्रेणी होने की स्थिति में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदक सक्षम अधिकारी द्वारा जारी मध्यप्रदेश शासन का जाति प्रमाण पत्र। विवाहित महिलाओं के मामले में स्वयं के नाम के साथ पिता के नाम का जाति प्रमाण पत्र। (जाति प्रमाण पत्र में जारी करने का दिनांक, गोल सील एवं प्रकरण क्रमांक का उल्लेख होना आवश्यक है। अन्य राज्य के जारी जाति प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे।) (केन्द्र शासन की सेवाओं हेतु मान्य जाति प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे। मध्यप्रदेश शासन की सेवाओं हेतु निर्धारित प्रारूप में जाति प्रमाण पत्र मान्य होंगे।)
12. ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी की पात्रता रखने वाले आवेदक ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी का वैध प्रमाण पत्र।
13. मध्यप्रदेश राज्य के रोज़गार कार्यालय का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र।
14. महिला आवेदकों हेतु विवाहोपरांत/उपनाम परिवर्तन की स्थिति में शपथ प्रत्र की प्रति।
15. दिव्यांगजन होने की स्थिति में दिव्यांगता विषयक मेडिकल बोर्ड का वैधता प्रमाण पत्र जिसमें दिव्यांगता के प्रकार एवं दिव्यांगता के प्रतिशत का स्पष्ट उल्लेख हो। (इस प्रमाण पत्र की वैधता अवधि समाप्त न हुई हो।)
16. भूतपूर्व सैनिक होने की स्थिति में भूतपूर्व सैनिक होने का प्रमाण पत्र की प्रति।
17. शासकीय सेवक होने की स्थिति में विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रति। (अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त न हुआ हो तो विभाग को अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु प्रस्तुत पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि संलग्न करें।)
18. अन्य कोई प्रमाण पत्र (यदि हो, जिसका ऑनलाइन आवेदन पत्र में उल्लेख हो की छायाप्रति।)

05. उपरोक्तानुसार क्रम में प्रमाण पत्रों की प्रमाणित/स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न कर दिनांक 07.04.2022 तक आयोग कार्यालय भेजना सुनिश्चित करें। जिन अभ्यर्थियों के अभिलेख अंतिम तिथि तक प्राप्त नहीं होंगे उनके विषय में यह माना जाएगा कि वे साक्षात्कार में भाग नहीं लेना चाह रहे हैं, उनकी उम्मीदवारी निरस्त कर आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। अभ्यर्थी द्वारा आवेदन पत्र में दी गई समस्त जानकारियों की आयोग कार्यालय द्वारा सूक्ष्म जांच करने के उपरांत सही पाए जाने पर ही अभ्यर्थी को साक्षात्कार की पात्रता होगी। साक्षात्कार की तिथि पृथक से घोषित की जाएगी।

महत्वपूर्ण टीप :-

1. सूची में दर्शाए गए परीक्षा परिणाम पूर्णतः प्रावधिक है। यदि अभ्यर्थी सहायक संचालक संवर्ग (सामाजिक न्याय) परीक्षा-2021 के लिए अधिसूचित नियमों एवं शर्तों को पूर्ण नहीं करते हैं तो साक्षात्कार हेतु उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जाएगी।
02. आरक्षित वर्ग के वे अभ्यर्थी जिनके प्राप्तांक अनारक्षित वर्ग के प्राप्तांक के बराबर या अधिक हैं, उन्हें अनारक्षित वर्ग में लघुसूचीकृत किया गया है।
03. महिला आरक्षण में आरक्षित वर्ग की वे महिला अभ्यर्थी जिनके प्राप्तांक अनारक्षित वर्ग के प्राप्तांक के बराबर या अधिक हैं, उन्हें अनारक्षित वर्ग में लघुसूचीकृत किया गया है।
04. सहायक संचालक संवर्ग (सामाजिक न्याय) परीक्षा-2021 के साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी। साक्षात्कार की विस्तृत जानकारी आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर जारी कर दी जाएगी।
05. न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
06. ऑनलाइन आवेदन पत्र में त्रुटिपूर्ण, अपूर्ण, असत्य जानकारी देने अथवा आयोग द्वारा जारी विज्ञापन में चाही गई वांछित औपचारिकताएं पूर्ण न करने के परिणाम स्वरूप चयन में किसी भी स्तर पर आवेदक की उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी।
07. साक्षात्कार हेतु प्रावधिक रूप अर्ह प्रत्याशियों की सूची आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर उपलब्ध है। यह स्पष्ट किया जाता है कि मुद्रण त्रुटियों के लिये आयोग जिम्मेदार नहीं होगा।
08. लिखित परीक्षा परिणाम प्रकाशित होने के बाद भी यदि कोई भी तकनीकी त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि संज्ञान में आती है तो आयोग के पास परीक्षा परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित है।
09. उपरोक्तानुसार जारी प्रावधिक लिखित परीक्षा परिणाम का अंतिम चयन परिणाम माननीय उच्च न्यायालय में लंवित याचिका क्रमांक WP-2581/2019, WP-542/2021 तथा संबंधित अन्य याचिकाओं के अंतिम न्यायालयीन निर्णय के अध्यधीन रहेगा।
10. आवेदकों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने अभिलेख दिनांक 07.04.2022 निम्न पते पर भेजना सुनिश्चित करें :-

प्रति,

सचिव,
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग,
रेसीडेंसी एरिया,
इंदौर (म.प्र.)-452001
लिफाफे पर सहायक संचालक संवर्ग (सामाजिक न्याय) परीक्षा-2021 के साक्षात्कार हेतु अभिलेख अवश्य लिखें।

जी-23734/46769/2022 **उप परीक्षा नियंत्रक**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग हरदा
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 20/व.ले.लि./2021-22 **हरदा, दिनांक : 08.03.2022**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)
1.	2022_PWDRB_189112	हरदा	बी.टी. रिनीवल कार्य	हरदा कायागांव नहालखेड़ा मार्ग पर बी.टी. रिनीवल कार्य।	चतुर्थ आमंत्रण	रु. 54.41 लाख
2.	2022_PWDRB_189114	हरदा	बी.टी. रिनीवल कार्य	चारूवा डेडगांव दामोदरपुरा मार्ग पर बी.टी. रिनीवल कार्य।	चतुर्थ आमंत्रण	रु. 61.91 लाख
3.	2022_PWDRB_189115	हरदा	बी.टी. रिनीवल कार्य	हरदा मगरधा मार्ग पर बी.टी. रिनीवल कार्य।	चतुर्थ आमंत्रण	रु. 221.80 लाख
4.	2022_PWDRB_189116	हरदा	बी.टी. रिनीवल कार्य	खुदिया गोरगढ़ी मार्ग पर बी.टी. रिनीवल कार्य।	चतुर्थ आमंत्रण	रु. 80.13 लाख
5.	2022_PWDRB_189118	हरदा	बी.टी. रिनीवल कार्य	रोलगांव मगरधा मार्ग पर बी.टी. रिनीवल कार्य।	चतुर्थ आमंत्रण	रु. 85.35 लाख
6.	2022_PWDRB_189119	हरदा	बी.टी. रिनीवल कार्य	खिरकिया चारूवा आवलिया मार्ग पर बी.टी. रिनीवल कार्य।	तृतीय आमंत्रण	रु. 28.26 लाख
7.	2022_PWDRB_189120	हरदा	मार्ग निर्माण कार्य	ग्राम बेसवा रातातलाई मांगरूल लिंक रोड जोड़ते हुये रातातलाई से पचौला तक मार्ग निर्माण कार्य लंबाई 5.20 कि.मी.	तृतीय आमंत्रण	रु. 318.66 लाख
8.	2022_PWDRB_189121	हरदा	मार्ग निर्माण कार्य	कोलीपुरा टप्पर से कुजरगांव मार्ग का निर्माण कार्य लं. 3.36 कि.मी.	द्वितीय आमंत्रण	रु. 264.96 लाख

उपरोक्त निविदा वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से क्रय किये जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि दिनांक 28.03.2022 सायं 17:30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-23803/46770/2022 **लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग हरदा**

कार्यालय प्राचार्य शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पचोर
जिला राजगढ़ (ब्यावरा), मध्यप्रदेश - 465683

क्रमांक/शापोमप/स्था./2022/279 **पचोर, दिनांक : 14.03.2022**

अतिथि व्याख्याता के चयन हेतु विज्ञप्ति

सत्र 2021-22 महाविद्यालय में अतिथि विद्वानों के आवेदन पत्र प्रति पीरियड रु. 400/- देय (प्रतिदिन अधिकतम 03 पीरियड) दर से **दिनांक 28.03.2022 शाम 5 बजे तक** आमंत्रित है। आवेदन पत्र सादे कागज पर नाम, पिता का नाम, जन्मतिथि, मूल निवासी, पत्र व्यवहार का पता, शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव व अन्य जानकारियां अंकित कर आवेदन किया जा सकता है। नियुक्ति में आरक्षण शासन के नियमानुसार रहेगा। इच्छुक उम्मीदवार दिनांक 30.03.2022 दोपहर 12:30 बजे साक्षात्कार हेतु स्वयं के व्यय पर (साक्षात्कार हेतु किसी भी श्रेणी के उम्मीदवार को यात्रा भत्ते की पात्रता नहीं होगी) अपने मूल दस्तावेजों एवं एक-एक छायाप्रतियों के साथ उपस्थित होंवे। अनुभव एवं उच्च अर्हता प्राप्त उम्मीदवार को चयन में वरीयता दी जावेगी।

क्र.	पदनाम व विषय	रिक्त पद	शैक्षणिक योग्यता
1.	इलेक्ट्रिकल इंजी. (गेस्ट फेकल्टी)	01 पद (अनारक्षित महिला)	इंजीनियरिंग/टेक्नोलॉजी की उपयुक्त शाखा में प्रथम श्रेणी स्नातक डिग्री

उपरोक्त नियुक्ति पूर्णतः अस्थाई आधार पर है तथा शासन द्वारा उपरोक्त पदों पर नियुक्ति करने पर किसी भी समय बिना पूर्व सूचना के समाप्त की जा सकती है। चयन में प्राचार्य का निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होगा। विज्ञापन संस्था सूचना पटल एवं विभाग के वेबसाइट **www.mptechedu.org** पर देखा जा सकता है।

प्राचार्य

जी-23853/46775/2022 **शा. पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, पचोर जि. राजगढ़ (ब्या.) म.प्र.**

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग
सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 15/मु.अ.(सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2021-22 **भोपाल, दिनांक : 08.03.2022**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है :-

क्र.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु
1.	2022_PWDRB_189056_1	छतरपुर	पुल कार्य	छतरपुर जिले के बारीगढ़-गहवरा-गौरीहार मार्ग के कि.मी. 15 में केल नदी पर पहुंच मार्ग सहित उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य।	तृतीय	740.99	केवल ऑनलाइन
2.	2022_PWDRB_189057_1	रतलाम	पुल कार्य	रतलाम जिले के अंतर्गत रघुनाथगढ़ डोडियाना मार्ग में मलेनी नदी पर पहुंचमार्ग सहित उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य।	चतुर्थ	648.33	केवल ऑनलाइन
				योग		**1389.32**	

उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 29.03.2022, (17:30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता

जी-23802/46771/2022 **लो.नि.वि. सेतु निर्माण परिक्षेत्र, भोपाल**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड टीकमगढ़ (म.प्र.)
निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य की निविदाएं ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर टीकमगढ़ जिले के विभिन्न विकासखण्डों के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन के अंतर्गत पेयजल व्यवस्था किये जाने हेतु निम्नानुसार कार्यों की निविदायें आमंत्रित हैं -

निविदा क्रमांक दिनांक	सिस्टम क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा की कुल लागत रु. (लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण की समयावधि
68/2021-22	2022_PHED_190136_1	टीकमगढ़ जिले के पलेरा विकासखण्ड के ग्राम बम्होरी कलां में जल जीवन के अंतर्गत पाइप लाइन, घरेलू कनेक्शन एवं विद्युत संयोजन कार्य।	383.63	383360/-	15000/-	06 माह वर्षाकाल छोड़कर
69/2021-22	2022_PHED_190138_1	टीकमगढ़ जिले के जतारा विकासखण्ड के ग्राम मुहारा खास एवं विक्रमपुरा में जल जीवन के अंतर्गत पाइप लाइन, घरेलू कनेक्शन एवं विद्युत संयोजन कार्य।	233.93	233930/-	15000/-	06 माह वर्षाकाल छोड़कर
70/2021-22	2022_PHED_190139_1	टीकमगढ़ जिले के विकासखण्ड पलेरा के ग्राम दिनउ, थर, जवाहरपुरा में जल जीवन के अंतर्गत पाइप लाइन, घरेलू कनेक्शन एवं विद्युत संयोजन कार्य।	222.68	222680/-	15000/-	06 माह वर्षाकाल छोड़कर
71/2021-22	2022_PHED_190140_1	टीकमगढ़ जिले के विकासखण्ड पलेरा के ग्राम रामनगर बुजुर्ग, नुना में जल जीवन के अंतर्गत पाइप लाइन, घरेलू कनेक्शन एवं विद्युत संयोजन कार्य।	341.30	341300/-	15000/-	06 माह वर्षाकाल छोड़कर

निविदा से संबंधित समस्त दस्तावेज मय धरोहर राशि के **दिनांक 25.03.2022 सायं 5:30 बजे तक** ऑनलाइन ही अपलोड किये जावेंगे। ऑफलाइन प्राप्त दस्तावेजों या एफ.डी.आर. वाले निविदा प्रपत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा। समस्त विवरण **http://mptenders.gov.in** वेबसाइट पर अथवा अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन ही क्रय किये जा सकते हैं एवं निविदा दरें ऑनलाइन ही प्रस्तुत करनी होंगी। समस्त प्रक्रिया 'की डेट्स' अनुसार करनी होगी। भविष्य में निविदा आमंत्रण सूचना में किये जाने वाले संशोधन ऑनलाइन वेबसाइट पर ही प्रदर्शित होंगे। समाचार पत्रों में प्रकाशनार्थ प्रेषित नहीं किये जावेंगे।

कार्यपालन यंत्री

जी-23776/46765/2022 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड टीकमगढ़ (म.प्र.)**

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री, लोक निर्माण विभाग
परियोजना क्रियान्वयन इकाई, साउथ सिविल लाइन जबलपुर

NIT No. 08/2022/centralized Tender/G/APD/JBP/ **Dated : 08.03.2022**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती हैं :-

स. क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1.	2022_PWPIU_190085_1	जिला चिकित्सालय विक्टोरिया जबलपुर का 275 बिस्तरीय से 500 बिस्तरीय अस्पताल में उन्नयन निर्माण कार्य की निविदा (प्रथम आमंत्रण)।	जबलपुर	3770.44	1885220/-	50000/-	18 माह

1. निविदा से संबंधित विड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन **दिनांक 11.03.2022 समय 09:00 से दिनांक 25.03.2022 समय 18:00 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेवसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री

जी-23828/46773/2022 **लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू. जबलपुर**

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग परियोजना क्रियान्वयन इकाई
सिंगरौली (म.प्र.)

E-mail : piusingrauli@gmail.com, Phone : 07805-297421

एनआईटी नं.-7/2022/केन्द्रीयकृत निविदा/एपीडी/पी.आई.यू./386 **रीवा, दिनांक : 07.03.2022**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती हैं :

स. क्र.	टेंडर पोर्टल नं.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1.	2022_PWPIU_189190_1	देवसर में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के लिए 50 सीट वाले आदिवासी सीनीयर बालक छात्रावास भवन निर्माण वाटर सप्लाई सेनेटरी फिटिंग एवं विद्युतीकरण कार्य का (प्रथम आमंत्रण)	सिंगरौली	317.25	317250/-	15000/-	10 माह
		योग		**317.25**	**317250/-**	**15000/-**	

1. निविदा से संबंधित विड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन **दिनांक 10.03.2022 समय 09:00 से दिनांक 24.03.2022 समय 18:00 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेवसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री

जी-23850/46772/2022 **लोक निर्माण विभाग (पी.आई.यू.) सिंगरौली (म.प्र.)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड, रायसेन

दूरभाष क्र. 07482-222095, फैक्स क्र. : 07482-223388

ई-मेल : eephrai@nic.in

क्रमांक/1095/लेखा./कां.यं./लो.स्वा.यां./खण्ड/रायसेन 2022 **दिनांक : 04.03.2022**

निविदा आमंत्रण सूचना

रायसेन जिले के विभिन्न ग्रामों में नलजल योजना के माध्यम से ग्रामों में शत् प्रतिशत क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन (FHTC) प्रदाय कार्य हेतु निम्नलिखित तालिका अनुसार ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती हैं।
उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण **http://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा फार्म ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 21.03.2022 शाम 17:30** है एवं संशोधन केवल वेबसाइट पर देखे जा सकेंगे।

क्र.	ऑनलाइन टेण्डर आई.डी. क्रमांक	निविदा क्रमांक	विकासखण्ड	ग्राम का नाम	कार्य की अनु. लागत राशि रु.
01.	2022_PHED_188273_1	82	गैरतगंज	1. बिलवानी	4425562/-
02.	2022_PHED_188276_1	83	बेगमगंज	1. गोपालपुर 2. कोकलपुर 3. चंदौरिया 4. सुमेर	22202149/-
03.	2022_PHED_188278_1	84	बेगमगंज	1. वीरपुर 2. बिजौर 3. पाडाझिर 4. तुलसीपार	27527929/-
04.	2022_PHED_188279_1	85	बेगमगंज	1. मेहदीखजूरिया 2. उमरहारी 3. घोघरी 4. जसरथी 5. घानाकलां	22716292/-
05.	2022_PHED_188280_1	86	बेगमगंज	1. पंदरभटा 2. गुलवाड़ा 3. नईगढ़िया	23025559/-
06.	2022_PHED_188281_1	87	बेगमगंज	1. कोठीखोह 2. मोईया 3. सुनवाहा	20756092/-

सदस्य सचिव
जिला जल एवं स्वच्छता मिशन एवं

जी-23740/46768/2022 **कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, रायसेन**

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय अनूपपुर (म.प्र.)

चंदास नदी के किनारे, ग्राम- परसवार, जिला- अनूपपुर
Email : prinpoly.anp@mp.gov.in

क्र./शापोअ/शैक्ष./2022/1058 अनूपपुर, दिनांक : 09.03.2022

गेस्ट फैकल्टी नियुक्ति हेतु विज्ञापन

शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय अनूपपुर म.प्र. में विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिये विद्यार्थियों के शिक्षण सत्र 2021-22 के उपसत्र **जनवरी 2022 से जून 2022** के पठन-पाठन की समुचित व्यवस्था हेतु निम्नलिखित व्याख्याता पदों के विरुद्ध मेहमान प्रवक्ता पैनल बनाने की आवश्यकता है। इच्छुक उम्मीदवार अपने मूल दस्तावेजों सहित स्वयं की सत्यापित दस्तावेजों की फोटोकॉपी के एक सेट के साथ साक्षात्कार के लिये प्रातः 11:00 बजे दी गई तिथि में पॉलीटेक्निक महाविद्यालय अनूपपुर में उपस्थित होवें :

क्र.	ब्रांच	पदों की संख्या	निर्धारित शैक्षणिक अर्हता	श्रेणी	साक्षात्कार की तिथि
01	इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड टेलीकम्युनिकेशन इंजी.	01	इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड टेलीकम्युनिकेशन इंजी. स्नातक (प्रथम श्रेणी में)	SC	21.03.2022
	योग	01			

1. संस्था में अध्यापन कार्य की आवश्यकतानुसार शाखा विशेष के अभ्यार्थियों का चयन किया जायेगा।
2. मेहमान प्रवक्ता की रिक्तियों की संख्या में कमी या वृद्धि संस्था के आवश्यकतानुसार की जा सकती है।
3. आवेदक सादे कागज पर आवेदन पत्र में आवेदित पद का नाम, अपना नाम, पिता का नाम, जाति, जन्म तिथि, पत्र व्यवहार का पता दूरभाष क्रमांक, शैक्षणिक योग्यता, पॉलीटेक्निक या इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में पढ़ाने का अनुभव आदि का उल्लेख करें तथा आवेदन के साथ शैक्षणिक योग्यता/जाति प्रमाण पत्र/अनुभव प्रमाण पत्र की सत्यापित छायप्रतियां संलग्न करें।
4. मेहमान प्रवक्ता को शिक्षकीय कार्य हेतु प्रति कालखण्ड हेतु 400/- (चार सौ रुपये मात्र) मानदेय एवं अधिकतम तीन कालखण्ड प्रतिदिन प्रदाय किया जावेगा।
5. साक्षात्कार हेतु अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं है।
6. साक्षात्कार हेतु अभ्यर्थियों को अलग से कोई सूचना नहीं दी जावेगी।
7. वर्तमान नियुक्तियां पूर्णतः अस्थाई रहेंगी व किसी भी अन्य व्यवस्था के होने पर निरस्त मानी जावेंगी एवं प्राचार्य का निर्णय अंतिम एवं बंधनकारी होगा।

नोट : अभ्यर्थियों द्वारा साक्षात्कार हेतु पूर्णतः भरे हूए **फार्म 11:00 बजे से 01:00 बजे तक** स्वीकार किए जायेंगे। उसके उपरांत फार्म स्वीकार नहीं किए जावेंगे। जिसके जिम्मेदार अभ्यर्थी स्वयं होंगे।

प्राचार्य
जी-23888/46779/2022 शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, अनूपपुर (म.प्र.)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड सरदारपुर जिला धार (म.प्र.)

दूरभाष : 07296-245865, ई-मेल : eephedsardha@mp.gov.in
नि.सू.क्रं. 25/2021-22 सरदारपुर, दिनांक : 10.03.2022

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

निम्न कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदाएं ई-टेंडर प्रक्रिया के अंतर्गत आमंत्रित किये जाने हेतु विभागीय इंटरनेट साइट पोर्टल **https//www.mptenders.gov.in/** जल जीवन मिशन अंतर्गत खंड सरदारपुर के अंतर्गत विभिन्न विकासखण्डों की रेट्रोफिटिंग आधारित नलजल योजना की ड्राईंग डिजाईन अनुसार आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी मय सम्पवेल एवं पंपहाउस आर.सी.सी. सेनेटरी कुआ, स्टील स्ट्रक्चर पर एच.डी.पी.ई. 5 मीटर ऊंचाई टैंक सहित निर्माण एवं मुख्य पाइप लाइन, जल वितरण नलिकाएं पाइप लाइन, घरेलू नल कनेक्शन, 11 केवी इलेक्ट्रिक पॉवर लाइन एक्सटेंशन कनेक्शन समस्त सामग्री एवं मजदूरी सहित कार्य हेतु निर्धारित प्रक्रिया संपादित की गई है :-

सिस्टम टेण्डर क्रमांक	कार्य का विवरण	निविदा लागत (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	ठेकेदारों की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि
2022_PHED_189767_1	बाग	118.08	1,18,080/-	125000/-	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत प्रणाली अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन	4 माह वर्षाकाल में पूर्ण कर 90 दिनों का सफल परीक्षण करने का कार्य।
2022_PHED_189768_1	मनावर	131.15	1,31,150/-	12500/-		6 माह वर्षाकाल में पूर्ण कर 90 दिनों का सफल परीक्षण करने का कार्य।
2022_PHED_189770_1	बाग	176.02	1,76,020/-	12500/-		6 माह वर्षाकाल में पूर्ण कर 90 दिनों का सफल परीक्षण करने का कार्य।

ऑनलाइन निविदा फार्म क्रय करने की **अंतिम तिथि** : **24.03.2022** **17:30 बजे**
ऑनलाइन निविदा दर डालने की अंतिम तिथि : 24.03.2022 17:30 बजे
ऑनलाइन निविदा दर खोलने की तिथि : 26.03.2022 11:00 बजे

नोट :- निविदा प्रपत्र सिर्फ उपरोक्त इंटरनेट साइट पर ऑनलाइन पर केश कार्ड, ए.टी.एम. कम डेविट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग अकाउण्ट एवं आय.टी.जेड. केश कार्ड के माध्यम से क्रय किये जा सकते हैं।
विस्तृत निविदायें एवं अन्य विवरण उपरोक्त लिखित पोर्टल पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री (प्रोक्योरमेंट)
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड
जी-23870/46776/2022 सरदारपुर जिला - धार (म.प्र.)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्डवा

क्र. 945/निविदा/लोस्वायांवि/2022 खण्डवा, दिनांक : 08.03.2022

निविदा सूचना क्रमांक-24/2021-22

जल जीवन मिशन अंतर्गत खण्डवा जिले के ग्रामों में स्थापित नलजल योजनाओं के पुनर्नवीनीकरण कार्य के क्रियान्वयन हेतु पाइप लाइन जोड़ना, बिछाना परीक्षण कार्य, आरसीसी उच्चस्तरीय टंकी, सम्पवेल निर्माण कार्य, मोटर पम्प स्थापना, घरेलू नल कनेक्शन प्रदाय एवं विद्युत कार्य मय 03 माह परीक्षण अवधि हेतु ऑनलाइन निविदाएं- टेण्डर आई.डी. क्रमांक 2021_PHED_189032_1 से 2021_PHED_189032_24 (24 समूह) में आमंत्रित की जाती है, जिनमें निविदा दर डालने की **अंतिम तिथि दिनांक 23.03.2022 समय दोपहर 17:30 बजे तक** निर्धारित है। समस्त कार्यों की कुल अनुमानित लागत रु. 3249.41 लाख है। धरोहर राशि एवं अन्य विस्तृत विवरण ई-टेण्डर पोर्टल **www.mptenders.gov.in/nicegp/app** पर देखी जा सकती है। निविदाओं में भविष्य में किये जाने वाले समस्त संशोधन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर ही प्रकाशित किये जायेंगे।

कार्यपालन यंत्री एवं सदस्य सचिव
जिला जल एवं स्वच्छता मिशन,
जी-23756/46764/2022 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड खण्डवा

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग- भोपाल

द्वितीय तल सतपुड़ा भवन, भोपाल
नि.आ.सू. क्रमांक/14/एन.एच.एम./सं.भो./2021-22/481 भोपाल, दिनांक : 09.03.2022

निविदा आमंत्रण सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत भोपाल संभाग की ओर से निम्नलिखित जिलों में विभिन्न विकासखण्डों में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं सिविल अस्पताल भवनों के निर्माण/उन्नयन कार्यों हेतु निविदा पोर्टल ऑनलाइन (निविदा ई-टेंडरिंग के माध्यम) से टेण्डर सरल क्रमांक 1 से 4 तक तीन लिफाफा पद्धति एवं सरल क्रमांक 5 से 8 दो लिफाफा पद्धति से प्रपत्र 'अ' फार्म में परसेंटेज बेसिस दरों पर आमंत्रित की जाती है, विवरण निम्नानुसार है :

क्र.	निविदा क्रमांक 2022_DHS	जिला का नाम	विकासखण्ड का नाम	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/सिविल अस्पताल की संख्या	अनु. लागत राशि रु. (लाख में)	समय सीमा वर्षाकाल सहित
1.	188351	सीहोर	बुदनी	01	164.92	12 माह
2.	188352	हरदा	खिरकिया	01	164.92	12 माह
3.	188353	रायसेन	सांची	01	125.84	12 माह
4.	188355	रायसेन	बेगमगंज	01	150.45	06 माह
5.	188356	विदिशा	ग्यारसपुर	01	44.04	04 माह
6.	188358	विदिशा	कुरवाई	01	44.04	04 माह
7.	188360	राजगढ़	नरसिंहगढ़	01	26.55	04 माह
8.	188390	भोपाल	बैरसिया	01	44.77	01 माह

उक्त निविदा प्रपत्र **दिनांक 11.03.2022 प्रातः 10:30 से 25.03.2022 समय 17:30 बजे तक** ऑनलाइन क्रय किये जा सकते हैं एवं निविदा की विस्तृत सूचना व अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन यंत्री
जी-23871/46777/2022 राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, संभाग- भोपाल

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग भोपाल (म.प्र.)

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 12/2022/का.य. भोपाल, दिनांक : 09.03.2022
निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।
क्र. एवं कार्य का नाम : 1. सीहोर जिले में मालीखेड़ी पहुंच मार्ग पर लोकल नाले पर पुल का निर्माण कार्य।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	टीप
2022_PWDRB_189159_1	सीहोर	पुल कार्य	प्रथम	70.21	मूल एफ.डी.आर. का भुगतान ऑनलाइन होगा एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाइन जमा होंगे।
2. बुधनी आर.ओ.बी. क्रमांक 237 पर विशेष मरम्मत का कार्य।					
2022_PWDRB_189270_1	सीहोर	पुल कार्य	छठवां	38.12	मूल एफ.डी.आर. का भुगतान ऑनलाइन होगा एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाइन जमा होंगे।
				108.33	

उपरोक्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेंट) ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 29.03.2022 (17:30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।
मूल एफ.डी.आर. का भुगतान केवल ऑनलाइन होगा एवं अन्य दस्तावेज ऑनलाइन जमा होंगे। भौतिक रूप से किसी भी प्रकार के दस्तावेज कार्यालय में जमा नहीं किये जायेंगे।

कार्यपालन यंत्री
जी-23907/46778/2022 लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण, संभाग- भोपाल

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग नीमच (म.प्र.)

E-mail : eepwdneemuch@mp.nic.in, Phone : (07423) 223061

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 11/2021-22/ नीमच दिनांक : 14.03.2022
निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।
क्रमांक एवं कार्य का नाम :- 1. मनासा गोरवन मुख्य जिला मार्ग के कि.मी. 5/6 में विद्यमान वन-रे ह्यूम पाइप पुलिया का विशेष मरम्मत कार्य।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्रमांक	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	ईएमडी की राशि	समयावधि
2022_PWDRB_190399_1	नीमच	रोड मरम्मत कार्य	प्रथम	4.09	8180/-	03 माह वर्षाकाल सहित
2. मनासा अरनियामाली बोरदियाकलां मार्ग के कि.मी. 5/10 (ग्रामा जालीनेर) लम्बाई 56 मीटर का विशेष मरम्मत कार्य।						
2022_PWDRB_190400_1	नीमच	रोड मरम्मत कार्य	प्रथम	4.46	8920/-	03 माह वर्षाकाल सहित
3. पेच रिपेयर वर्क ऑन वेरियरा रोड इन सेक्शन रामपुरा, कुकडेश्वर सब डिविजन मनासा जिला नीमच।						
2022_PWDRB_190401_1	नीमच	पेच वर्क	प्रथम	19.85	24240/-	03 माह वर्षाकाल सहित
4. नलवा कुण्डला रोड से ढाणी तक मार्ग (विद्युतीकरण कार्य सहित) निर्माण कार्य।						
2022_PWDRB_189328_1	नीमच	प्लान रोड	तृतीय	342.96	342960/-	12 माह वर्षाकाल सहित
			Total	371.36		

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 29.03.2022 सायं 17:30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। भौतिक रूप से एनवलप एवं अन्य दस्तावेज स्वीकार्य नहीं होंगे।

कार्यपालन यंत्री
जी-23934/46780/2022 लोक निर्माण विभाग, संभाग- नीमच

कार्यालय अधिष्ठाता
नेताजी सुभाष चन्द्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर

क्रमांक/स्था./राज./22/2382 जबलपुर, दिनांक : 11.03.2022

विज्ञापन

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस चिकित्सा महाविद्यालय जबलपुर में संचालित BASLP पाठ्यक्रम के अंतर्गत रिक्त पदों की पूर्ति हेतु 03 माह की संविदा आधार पर पदस्थ किये जाने हेतु संस्था द्वारा **दिनांक 23.03.2022 को दोपहर 12:00 बजे** ईएनटी विभाग में वॉक-इन-इन्टरव्यू आयोजित किया जायेगा।
रिक्तियां निम्नानुसार हैं :

स.क्र.	पद का नाम	श्रेणी	पदों की संख्या	कुल योग
1	Associate Professor - Speech Pathology & Audiology	अनारक्षित	01	01
2	Assistant Professor - Speech Language Pathology	अनारक्षित	01	01
3	Assistant Professor - Audiology	अनारक्षित	01	01
4	Speech Language Pathologist Grade-II	अनारक्षित	01	01
	योग		**04**	**04**

स.क्र.	पद का नाम	एकमुश्त	न्यूनतम अर्हता
1	Associate Professor - Speech Language Pathology & Audiology	60,000/-	a). M.Sc. (Sp & Hg) b). 8 Yrs. of teaching Experience at graduate/Post graduate Level. (As a Assistant Professor) c). Min of five Publications with Cumulative impact factor of 05. d). Valid RCI registration Desirable: a). Ph.D. (In core areas*) b). Experience of running under graduate training Programs.
2	Assistant Professor - Speech Language Pathology	35,000/-	Essentials - a). M.Sc. (Sp & Hg)/MASLP or its equivalent/ M.Sc. (Speech Language Pathology) b). 2 years of teaching/clinical/research experience Desirable: a). Ph.D. (In core Areas*) b). Publications.
3	Assistant Professor - Audiology	35,000/-	Essentials - a). M.Sc. (Sp & Hg)/MASLP or its equivalent/ M.Sc. (Speech Language Pathology) b). 2 years of teaching/clinical/research experience Desiraable: a). Ph.D. (In core Areas*) b). Publications.
4	Speech Language Pathologist Grade-II	27,000/-	a). B.Sc. (Sp & Hg)/BASLP or its equivalent b). Valid RCI registration.

पदों की संख्या अधिक/कम की जा सकती है।
1. अभ्यार्थी का आरसीआई पंजीयन होना अनिवार्य है।
2. साक्षात्कार निर्धारित तिथि में परिवर्तन होने की दशा में जानकारी चिकित्सा महाविद्यालय जबलपुर की वेबसाइट में उपलब्ध कराई जावेगी।
3. पदों पर आरक्षण राज्य शासन द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों के अनुसार रहेगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अधिष्ठाता
स्वाशासी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस (स्वशासी समिति)
चिकित्सा महाविद्यालय जबलपुर

जी-23947/46782/2022

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई
अनूपपुर (म.प्र.)

एनआईटी नं. - 07/2022/केन्द्रीकृत निविदा आमंत्रण/एपीडी/पी.आई.यू./386 रीवा, दिनांक : 07.03.2022
निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती हैं :

स. क्र.	पोर्टल टेंडर आई.डी.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित
1.	2022_ PWPIU_ 189090_1	जिला अनूपपुर अंतर्गत स्वीकृत शासकीय कन्या उ.मा.वि. बम्हनी (नवीन भवन) के निर्माण कार्य मय वाटर सप्लाई विद्युतीकरण (प्रथम आमंत्रण)	अनूपपुर	347.26	347260/-	15000/-	10 माह वर्षाकाल सहित	
2.	2022_ PWPIU_ 189092_1	जिला अनूपपुर अंतर्गत स्वीकृत शासकीय बालक उ.मा.वि. बेनीबारी (नवीन भवन) के निर्माण कार्य मय वाटर सप्लाई विद्युतीकरण (प्रथम आमंत्रण)	अनूपपुर	373.08	373080/-	15000/-	10 माह वर्षाकाल सहित	
3.	2022_ PWPIU_ 189093_1	जिला अनूपपुर अंतर्गत स्वीकृत शासकीय उ.मा.वि. जमुना कॉलरी (नवीन भवन) के निर्माण कार्य मय वाटर सप्लाई विद्युतीकरण (प्रथम आमंत्रण)	अनूपपुर	371.47	371470/-	15000/-	10 माह वर्षाकाल सहित	

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन **दिनांक 10.03.2022 समय 09:00 AM से दिनांक 24.03.2022 समय 06:00 PM तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री
जी-23816/46774/2022 लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू., अनूपपुर (म.प्र.)

कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक
लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई, भोपाल
निर्माण भवन, प्लाट नं-27-28, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

एनआईटी नं.- 45/2021/निविदा/सा/एपीडी/ भोपाल, दिनांक : 10.03.2022
निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रित की जाती हैं :
सरल क्रमांक एवं कार्य का नाम : 1. जिला बैतूल/राजगढ़/देवास/शाजापुर/विदिशा में नवनिर्मित भवनों में गोदरेज कंपनी के फर्नीचर क्रय करने का कार्य।

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रुपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2022_PWPIU_ 189743_1	बैतुल	180.67	180670/-	12500/-	45 दिवस वर्षाकाल सहित

2. पीआईयू-2 लोक निर्माण विभाग भोपाल जिला भोपाल के अंतर्गत विभिन्न स्वीकृत सिविल/विद्युत कार्य हेतु जोनल निविदा।

2021_PWPIU_ 174438_3	भोपाल	110.00	110000/-	12500/-	12 माह वर्षाकाल सहित

3. हमीदिया अस्पताल परिसर भोपाल में नर्सिंग महाविद्यालय सह छात्रावास भवन में गोदरेज फर्नीचर की आपूर्ति एवं स्थापना (एमपी)।

2022_PWPIU_ 190188_1	भोपाल	482.91	482910/-	15000/-	02 माह वर्षाकाल सहित

4. नेताजी सुभाष चन्द्र बोस शासकीय महाविद्यालय ब्यावरा जिला राजगढ़ में 06 अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य द्वितीय आमंत्रण।

2021_PWPIU_ 174998_2	राजगढ़	326.35	326350/-	15000/-	12 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/केशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन **दिनांक 10.03.2022 समय 10.30 से दिनांक 25.03.2022 समय 5:30 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जाएंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

अतिरिक्त परियोजना संचालक (मुख्य अभियंता)
जी-23945/46781/2022 लो.नि.वि. पी.आई.यू. भोपाल

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.
निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 126, 127/2021-22/एस.ए.सी./कां.यं./लो.स्वा.यां.वि./ राजगढ़, दिनांक : 02.03.2022
निम्न कार्यों हेतु निविदा ऑनलाइन वेबसाइट **https://mptenders.gov.in/nicgep/app** पर आमंत्रित की गई हैं। जल जीवन मिशन के अंतर्गत राजगढ़ जिले के विकासखण्ड नरसिंहगढ़ के निम्नलिखित ग्रामों में नवीन कार्य जिसमें पाइप लाइन, टंकी, सम्पवेल, नल कनेक्शन, विद्युत कार्य की निविदा निम्नानुसार आमंत्रित है।
कार्य का नाम : राजगढ़ जिले के विकासखण्ड नरसिंहगढ़ के ग्राम इकलेरा में जल जीवन मिशन के अंतर्गत रेट्रोफिटिंग एवं नवीन पाइप लाइन, टंकी, सम्पवेल नल कनेक्शन विद्युत कार्य मजदूरी सहित सम्पूर्ण कार्य।

निविदा क्र./दिनांक	सिस्टम क्रमांक	विकासखण्ड	निविदा की कुल लागत रु. लाख में	धरोहर राशि रु. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि	रिमार्क
126/21-22 दिनांक 28.02.2022	2022_ PHED_ 187504	नरसिंहगढ़	253.70	253700/-	15000/-	06 माह (वर्षाकाल सहित)	

कार्य का नाम : राजगढ़ जिले के विकासखण्ड नरसिंहगढ़ के ग्राम पीलूखेडी, बिलहरी, निपानियावेला में जल जीवन मिशन के अंतर्गत रेट्रोफिटिंग एवं नवीन पाइप लाइन, टंकी, सम्पवेल नल कनेक्शन विद्युत कार्य मजदूरी सहित सम्पूर्ण कार्य।

127/21-22 दिनांक 28.02.2022	2022_ PHED_ 187512	नरसिंहगढ़	269.80	269800/-	15000/-	06 माह (वर्षाकाल सहित)

ऑनलाइन निविदा क्रय करने की **अंतिम तिथि - 21.03.2022**
ऑनलाइन निविदा दर खोलने की अंतिम तिथि - 23.03.2022

कार्यपालन यंत्री
जी-23744/46767/2022 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड राजगढ़ (ब्यावरा) म.प्र.

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ई-मेल : ceproc.encwrd.bpl@nic.in, फोन : 0755-2767635, फैक्स : 0755-2552406
निविदा सूचना क्रमांक-883/2021-22/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ भोपाल, दिनांक : 04.03.2022
निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 29.03.2022 को 17:30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।
निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2022_WRD_ 188452	विशेष मरम्मत मद के अंतर्गत तिघरा जलाशय में पानी के नीचे पोइंटिंग, ग्राउटिंग बटरेस आदि का निर्माण कार्य।	ग्वालियर	1712.52

जी-23739/46766/2022 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड, मंदसौर

महू-नीमच रोड, शासकीय महाविद्यालय के पास, मंदसौर, दूरभाष क्रमांक : 07422-256284, फैक्स : 07422-255215, E-mail : eephedmas@mp.nic.in

NIT No. 51/2021-22

क्रमांक 833/व.ले.लि./का.यं./2022 मंदसौर, दिनांक : 14.03.2022

निम्नलिखित कार्य आमंत्रण सूचना वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर प्रदर्शित की गई है।

टेंडर का विस्तृत विवरण निम्नानुसार है :-

टेंडर आई.डी. क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रुपयों में)	1. अर्नेस्ट मनी (रुपये में) 2. आमंत्रण क्र.	समयावधि (वर्षाकाल सहित)	निविदा क्रय की अंतिम तिथि
2022_PHED_190280_1	Design and Construction of retrofitting work of water supply schemes under Jal Jivan Mission at Villages **1. Dhunwakhedi, 2. Dhaba, 3. Borda, 4. Sameli of Bhanpura Distt. Mandsaur** based on underground sources including construction of R.C.C. sump well, R.C.C. over head tank, providing and installation of pumps at under ground sources and sump, providing, laying & jointing of pumpingmain and distribution pipe lines, household tap connection and electric power connections including cost of all material & labour alongwith 90 days successful trial run of entire schemes as per detailed scope of work. as per BOQ.	2,62,95,273/-	1) 262953/- 2) प्रथम आमंत्रण	180 दिवस	**28.03.2022 17.30 तक**
2022_PHED_190711_1	Design and Construction of retrofitting work of water supply schemes under Jal Jivan Mission at Villages **1. Chouki, 2. Badodiya, 3. Kothadi tank, 4. Manpuriya of Bhanpura Block Distt. Mandsaur** based on underground sources including construction of R.C.C. sump well, R.C.C. over head tank, providing and installation of pumps at under ground sources and sump, providing, laying & jointing of pumpingmain and distribution pipe lines, household tap connection and electric power connections including cost of all material & labour alongwith 90 days successful trial run of entire schemes as per detailed scope of work. as per BOQ.	1,53,98,294/-	1) 153983/- 2) प्रथम आमंत्रण	180 दिवस	28.03.2022 17.30 तक
2022_PHED_190730_1	Design and Construction of retrofitting work of water supply schemes under Jal Jivan Mission at Villages **1. Gariya Khedi, 2. Borkhedi Redka, 3. Barkhedi Mitthu of Garoth Block Distt. Mandsaur** based on underground sources including construction of R.C.C. sump well, R.C.C. over head tank, providing and installation of pumps at under ground sources and sump, providing, laying & jointing of pumpingmain and distribution pipe lines, household tap connections and electric power connections including cost of all material & labour alongwith 90 days successful trial run of entire schemes as per detailed scope of work. as per BOQ.	1,50,74,175/-	1) 150742/- 2) प्रथम आमंत्रण	180 दिवस	28.03.2022 17.30 तक
2022_PHED_190740_1	Design and Construction of retrofitting work of water supply schemes under Jal Jivan Mission at Villages **1. Chandkhedi Bujurg, 2. Makdawan, 3. Jamuniya of Garoth Block Disst. Mandsaur** based on underground sources including construction od R.C.C. sump well, R.C.C. over head tank, providing and installation of pumps at under ground sources and sump, providing, laying & jointing of pumpingmain and distribution pipe lines, household tap connections and electric power connections including cost of all material & labour alongwith 90 days successful trial run of entire schemes as per detailed scope of work. as per BOQ.	1,84,31,643/-	1) 184316/- 2) प्रथम आमंत्रण	180 दिवस	28.03.2022 17.30 तक

उक्त कार्य की निविदा क्रेडिट कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग एकाउंट के माध्यम से भुगतान करने पर ऑनलाइन उक्त वेबसाइट पर क्रय की जा सकती है। निविदा से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

नोट - निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन वेबसाइट पर देखा जा सकता है। संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री,

जी-23990/आर-46787/2022 लोक स्वा.यां. खण्ड, मंदसौर, मोबाइल नं. : 7422232190

कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक
लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू., ग्वालियर (म.प्र.)

दूरभाष : 0751-4008851, E-mail : apdpiu.gwalior@gmail.com

निविदा सूचना क्रमांक : 05/2022/सा./एपीडी ग्वालियर, दिनांक : 07.03.2022

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रित की जाती हैं :

क्र.	ऑनलाइन निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	पी.आई.यू. का जिला	ठेके की अनुमानित लागत लाख में	अमानत राशि रुपये	निविदा फार्म का मूल्य रु.	कार्य पूर्ण करने के लिये समय
1.	2022_PWPIU_189166_1	दबोह जिला भिण्ड के सब तहसील कार्यालय हेतु गोदरेज फर्नीचर सप्लाई कार्य। प्रथम आमंत्रण	भिण्ड	3.06 लाख	6120/-	2000/-	01 माह
2.	2022_PWPIU_189138_1	फूप जिला भिण्ड के डिग्री कॉलेज भवन निर्माण कार्य का शेष निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण	भिण्ड	303.14 लाख	303140/-	15000/-	12 माह
3.	2022_PWPIU_189052_1	गोहद जिला भिण्ड के अरविन्द कॉलेज में 06 नग अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य। द्वितीय आमंत्रण	भिण्ड	287.75 लाख	287750/-	15000/-	12 माह
4.	2022_PWPIU_188954_1	उप तहसील सुभाष पुरा, पिछोर खोज़ एवं संयुक्त तहसील कार्यालय वैराड़ जिला शिवपुरी में गोदरेज फर्नीचर सप्लाई कार्य। द्वितीय आमंत्रण	शिवपुरी	64.64 लाख	64640/-	10000/-	45 दिन
5.	2022_PWPIU_188979_1	पी.आई.यू. श्योपुर के अंतर्गत परफारमेंस गारन्टी के कार्य/ ठेकेदारों द्वारा छोड़े गये निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	श्योपुर	90.00 लाख	90000/-	10000/-	12 माह

(1) निविदा से संबंधित डॉक्यूमेंट Website **https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
(2) निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन पोर्टल पर ऑनलाइन किये जावेंगे, समाचार पत्रों में पृथक से प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
(3) ऑनलाइन निविदा समिट करने की **अंतिम दिनांक 24.03.2022**
(4) तकनीकी बिड खोलने का दिनांक 26.03.2022

अतिरिक्त परियोजना संचालक

जी-23966/आर-46786/2022 लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू., ग्वालियर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, खण्ड सागर (म.प्र.)

दूरभाष : 07582-224269, Email : eephe_sagar@yahoo.co.in

क्रमांक 945/निविदा प्रकोष्ठ/का.यं./लो.स्वा.यां./खण्ड सागर, दिनांक : 14.03.2022

संक्षिप्त निविदा सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से जल जीवन मिशन के अंतर्गत सागर जिले की तालिका में उल्लेखित ग्रामों में शत-प्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से जल प्रदाय हेतु नल जल योजना कार्य की ऑनलाइन निविदा **http://www.mptenders.gov.in दिनांक 29.03.2022 सायं 5.30 बजे तक** आमंत्रित की जाती हैं।

सं. क्र.	निविदा क्रमांक एवं दिनांक	ई-निविदा क्रमांक	ग्राम के नाम	विकास-खण्ड	अनुमानित लागत रुपये (लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य रुपये में
1.	16/08.03.2022	2022_PHED_190247_1	रिछवारा (रिछावर)	सागर	57.38	57380/-	10000/-
2.	17/08.03.2022	2022_PHED_190248_1	राखसी	बण्डा	75.76	75760/-	10000/-
3.	18/08.03.2022	2022_PHED_190249_1	चौका एवं मोहासा	केसली	134.08	134080/-	12500/-
4.	19/08.03.2022	2022_PHED_190251_1	पठार्खद	केसली	76.19	76190/-	10000/-
5.	20/08.03.2022	2022_PHED_190252_1	मनेगांव एवं कुसमी	देवरी	127.76	127760/-	12500/-

निविदा में संशोधन ऑनलाइन ही देखे जा सकेंगे।

कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग

जी-23971/आर-46785/2022 एवं सदस्य सचिव जिला जल एवं स्वच्छता मिशन, जिला सागर

पंचायतों की मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण - 2022 का कार्यक्रम जारी

भोपाल, राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रि-स्तरीय पंचायतों के आगामी निर्वाचन के लिए 1 जनवरी 2022 की संदर्भ तिथि के आधार पर फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2022 का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 25 अप्रैल को किया जाएगा।

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री बी.एस. जामोद ने जानकारी दी है कि फोटोयुक्त प्रारूप मतदाता सूची का ग्राम पंचायत एवं अन्य विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 4 अप्रैल 2022 को किया जाएगा। दावा आपत्ति केन्द्रों पर दावे-आपत्ति 11 अप्रैल तक (अपरान्ह 3 बजे तक) लिये जायेंगे। दावे-आपत्तियों का निराकरण 16 अप्रैल तक किया जायेगा। फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची का ग्राम पंचायत एवं अन्य विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 25 अप्रैल 2022 को होगा।

अपनों को सुरक्षित रखने में क्या मजबूरी, मास्क पहनना और वैक्सीन बहुत जरूरी।

प्रधानमंत्री आवास योजना

पांच लाख से अधिक गृह लक्ष्मियों का 28 मार्च को होगा गृह प्रवेश

भोपाल, किसी भी नागरिक को अपना आवास गृह मिल जाना उसके जीवन में विशेष उल्लास का क्षण होता है। आगामी 28 मार्च को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में साढ़े पांच लाख गृह लक्ष्मियों का गृह प्रवेश हो रहा है। जिलों के कलेक्टर, जन-प्रतिनिधि और हितग्राही परिवार इस अवसर को यादगार बनाने के लिए प्रयास करें। ये निर्देश मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के कलेक्टर्स से कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में चर्चा करते हुए दिये।

श्री चौहान 28 मार्च को सिवनी में इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा आवासहीन नागरिकों के हित में संचालित इस महत्वपूर्ण योजना के क्रियान्वयन पर निरंतर ध्यान दिया जाए। मध्यप्रदेश में योजना के अच्छे क्रियान्वयन के लिए पूर्व में किए गए प्रयासों से जो प्रभाव अन्य राज्यों के समक्ष हुआ है, उसे कायम रखा जाए। श्री चौहान ने सभी जिला, जनपद और ग्राम स्तर पर कार्यक्रम में सांसद, विधायक, सहित जन-प्रतिनिधियों को आमंत्रित करने के निर्देश दिए हैं। प्रत्येक ग्राम पंचायत के हितग्राही योजना का लाभ ले रहे हैं, इस नाते जहां गृह प्रवेश होना है, वहां दीप जलाने और रंगोली से सज्जा का कार्य भी किया जाए। ग्रामों में सरपंच अथवा ग्राम के बुजुर्ग या प्रतिष्ठित को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाए। कार्यक्रम के लाइव प्रसारण की व्यवस्था भी की जाए।

प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री उमाकांत उमराव ने कार्यक्रम के लिए की जा रही तैयारियों का विवरण दिया। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव जनसम्पर्क श्री राघवेंद्र कुमार सिंह और अन्य अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

22 हजार से अधिक पंचायतों में होगा प्रसारण

प्रधानमंत्री आवास योजना में वर्ष 2021-22 में निर्मित 5.50 लाख गृह लक्ष्मियों का गृह प्रवेश का राज्य स्तरीय कार्यक्रम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की वर्चुअल उपस्थिति से गरिमामय होगा। प्रदेश की 18 हजार 298 ग्राम पंचायतों, जिसमें नवीन आवासों का निर्माण हुआ है, गृह प्रवेश कार्यक्रम विभिन्न जन-प्रतिनिधियों की उपस्थिति में उत्साहपूर्वक सम्पन्न होगा। समस्त 22 हजार 710 ग्राम पंचायतों में सीधा प्रसारण किया जाएगा। जिला, जनपद और ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यक्रम होंगे।

गरीबों के लिये आगामी तीन वर्षों में बनेंगे तीस लाख आवास - मुख्यमंत्री

गरीब और वंचित को दिया जा रहा है सबसे पहले विकास का हक

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान रीवा जिले में विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन और लोकार्पण कार्यक्रम में सम्मिलित हुये।

रीवा, हमारी सरकार गरीबों को विकास का हक देने वाली सरकार है। हम हर वर्ग के विकास की चिंता कर रहे हैं। जो विकास की दौड़ में सबसे पीछे छूट गया है, उस गरीब और वंचित को सबसे पहले विकास का हक दिया जा रहा है। विन्ध्य क्षेत्र में बाणसागर बांध की नहरों से खेती में अभूतपूर्व विकास हुआ है। अब रीवा के गेहूं की देश ही नहीं विदेशों में भी मांग है। सिरमौर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा के लिए सर्वेक्षण कराया जाएगा। टमस नदी से उद्वहन सिंचाई योजना का सर्वेक्षण कराया जायेगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने रीवा जिले के सिरमौर में हितग्राही सम्मेलन और विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। मुख्यमंत्री ने 222 करोड़ 79 लाख रुपये के निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। साथ ही 6 करोड़ रुपये से अधिक के हितलाभ हितग्राहियों को वितरित किये। मुख्यमंत्री ने सिरमौर क्षेत्र को विकास की अनेक सौगातें भी दीं।

मुख्यमंत्री ने जवा में एसडीएम कोर्ट खोलने और जवा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का सिविल अस्पताल में उन्नयन की घोषणा की। साथ ही बैकुण्ठपुर में अगले सत्र से महाविद्यालय खोलने, जनपद पंचायत सिरमौर के जीर्ण-शीर्ण भवन के सुधार, नष्टिगवां का नाम दिव्यग्राम करने तथा नष्टिगवां कॉलेज का नाम शहीद विरसा मुंडा, सिरमौर सिविल हॉस्पिटल का नाम डॉ. भीमराव अंबेडकर, आईटीआई कॉलेज का नाम पूर्व सांसद स्व. चन्द्रमणि त्रिपाठी और लालगांव हायर सेकेण्डरी स्कूल का नाम लाल रुकमणि रमण प्रताप सिंह के नाम पर करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने बैकुण्ठपुर में उप तहसील खोलने और सिरमौर आईटीआई का उन्नयन कर 6 नई ट्रेड के साथ भवन निर्माण के लिये राशि देने की भी घोषणा की।

श्री चौहान ने कहा कि रीवा जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना से 84 हजार गरीब परिवारों के आवास बन चुके हैं। योजना के पात्र परिवारों का सर्वेक्षण कराकर उन्हें भी कच्चे मकानों के स्थान पर पक्के आवास की सुविधा दी जायेगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में गरीबों के आवास के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान बजट में किया गया है। अगले तीन सालों में प्रदेश में गरीबों के लिए 30 लाख आवास बनाए जाएंगे। साथ ही मुख्यमंत्री भू-आवास अधिकार योजना में रीवा जिले में एक लाख से अधिक परिवारों को जमीन के पट्टे दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिरमौर में सीएम राइज स्कूल की स्थापना होगी, जिसका भवन 24 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा। इसमें आधुनिक शिक्षा की सभी सुविधाएं होंगी। जिले में 7 लाख से अधिक परिवारों को आयुष्मान कार्ड दिए गए हैं। इनसे गरीबों को सरकारी के साथ प्राइवेट अस्पतालों में भी निःशुल्क उपचार की सुविधा मिल रही है। जिले के पहड़िया में बनाए गए पोषण आहार संयंत्र का संचालन स्व-सहायता समूह की महिलाओं से कराया जाएगा।

श्री चौहान ने आम जनता से मिले आवेदन-पत्रों में सुनवाई करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना की अंतिम किश्त हितग्राही को तत्काल प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने हितग्राही को आवास की किश्त देने में विलंब होने पर समुचित कार्रवाई करने के निर्देश जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को दिये। मुख्यमंत्री ने एक अन्य शिकायती आवेदन में जमीन के अभिलेख में सुधार के लिये राशि मांगे जाने पर बरौं हल्के के तत्कालीन पटवारी को निलंबित करने के निर्देश दिए।

सोरायसिस त्वचा रोग की विशेषज्ञता इकाई में पंजीयन 25 मार्च से होगा

भोपाल, भोपाल के सरकारी होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में त्वचा रोग 'सोरायसिस' के निःशुल्क उपचार के लिए विशेषज्ञता इकाई में नवीन पंजीयन 25 मार्च, 2022 से कराया जा सकेगा।

यह पंजीयन भोपाल के आयुष परिसर, मैनिट हिल्स में संचालित सोरायसिस त्वचा रोग विशेषज्ञता इकाई में प्रतिदिन प्रातः 10 से शाम 5 बजे तक कराया जा सकेगा। पंजीयन और इस संबंध में अन्य जानकारी मोबाइल नम्बर 9630667239 पर प्राप्त की जा सकती है। सोरायसिस त्वचा से संबंधित एक बीमारी है, जिसमें त्वचा पर एक सफेद परत जम जाती है। इसके बाद इसमें त्वचा के झड़ने की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती है। यह रोग सामान्यतः त्वचा के ऊपर और बालों वाले हिस्से में अधिक देखने को मिलता है। इकाई में निःशुल्क उपचार के लिये अग्रिम पंजीयन होना आवश्यक है। रोगियों को इकाई में उपस्थिति के समय समस्त उपचारों की विस्तृत जानकारी साथ में लाये जाने की समझाइश दी गई है।

झाबुआ जिले के गांवों में जल जीवन मिशन से हर घर को मिलेगा पेयजल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान झाबुआ जिले में आयोजित जनजातीय समाज के पारंपरिक लोकोत्सव भगोरिया में स्थानीय जन से मुलाकात करते हुये।

झाबुआ, थांदला के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। एक करोड़ रुपए थांदला के विकास के लिए देंगे। झाबुआ जिले के गांवों में जल जीवन मिशन से पाइप लाइन बिछाकर हर गांव, हर घर में नल कनेक्शन लगवाकर पीने का साफ पानी देंगे। इससे बेटियों-बहनों को हैंडपंप से पानी नहीं भरना पड़ेगा। इसके लिए मिशन में 550 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने झाबुआ जिले के थांदला में आयोजित जनजातीय समाज के पारम्परिक लोक उत्सव भगोरिया में कहीं। उनके साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह चौहान भी थीं। जनजातीय समुदाय की परम्परा का सम्मान करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान सपत्नीक उल्लास के पर्व भगोरिया में वनवासियों की पारंपरिक वेशभूषा में पूरी तरह रंगे नजर आये। मुख्यमंत्री श्री चौहान कृषि उपज मंडी से सिविल हॉस्पिटल तक भगोरिया की गेर में भी शामिल हुए। बड़ी संख्या में ग्रामीण भगोरिया के उल्लास में मांदल ढोल बजाते हुए थिरके। मुख्यमंत्री श्री चौहान का जगह-जगह स्वागत किया गया।

थांदला में सीएम राइज स्कूल खुलेगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना के कारण पिछले दो साल ढंग से भगोरिया पर्व नहीं मना पाए। इस साल खूब भगोरिया मनाओ, होली मनाओ, गेर निकालो। अब कोरोना पूरी तरह से कंट्रोल में है। उन्होंने कहा कि आपके बीच आपका मामा भगोरिया उत्सव मनाने आया है।

मध्यप्रदेश सरकार आपकी जिंदगी में खुशियां लाने के लिए ही है। श्री चौहान ने कहा कि थांदला आगे बढ़े, झाबुआ आगे बढ़े, यहां के नागरिकों की सारी कठिनाई और कष्ट दूर हों, इसके लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। थांदला में सीएम राइज स्कूल खोला जायेगा। नर्मदा नदी का पानी अलीराजपुर जिले तक आ गया है। जल्द ही नर्मदा के पानी को झाबुआ जिले में भी लाया जायेगा। मुख्यमंत्री ने उपस्थित ग्रामीणजन को भगोरिया एवं होली पर्व की शुभकामनाएं भी दीं।

ईट स्मार्ट सिटी चैलेंज

प्रतियोगिता में देश के टॉप 11 में मध्यप्रदेश के 4 शहरों का चयन

भोपाल, एफएसएसएआई की 'ईट स्मार्ट सिटी चैलेंज' प्रतियोगिता में देश के टॉप 11 में प्रदेश के 4 शहर इंदौर, उज्जैन, सागर और जबलपुर चयनित हुए हैं। प्रतियोगिता में देश के 180 और प्रदेश के 9 जिलों ने भाग लिया। इन शहरों को एफएसएसएआई द्वारा पुरस्कृत किया गया है।

स्वास्थ्य आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने इस बारे में बताया कि खाद्य सुरक्षा परितंत्र को मजबूत करने और आम नागरिकों में गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों के उपभोग की संस्कृति को विकसित करने के लिये 'ईट समार्ट सिटी चैलेंज' प्रतियोगिता हुई। इसमें खाद्य सुरक्षा से जुड़ी विविध गतिविधियों में रेग्यूलेटरी नमूना संग्रहण, खाद्य लायसेंसों एवं पंजीयन में बढ़ोतरी, सार्वजनिक स्थलों पर खाद्य सुरक्षा को प्रोत्साहित करना, सोशल मीडिया से आम नागरिकों को खाद्य सुरक्षा की जानकारी देना, क्लीन स्ट्रीट फूड हब, क्लीन वेजीटेबल मार्केट, भोग, ईट राइट स्कूल, ईट राइट कैम्पस, हाईजीन रेटिंग, आदि शामिल रही।

प्रदेश में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्यप्रद एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिये खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के विरुद्ध 'मिलावट से मुक्ति' अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के विरुद्ध 42 एनएसए, 486 एफआईआर दर्ज की गई है। खाद्य पदार्थों के 25 हजार से अधिक जांच सैम्पल लिए गए हैं। मिलावट करने वालों के विरुद्ध लगभग 3 हजार से अधिक प्रकरण न्यायालयों में दर्ज किये गये हैं। अभियान में अब तक 19 करोड़ से अधिक की सामग्री जप्त की गई और 182 प्रतिष्ठान सील किये गये हैं। मिलावटी खाद्य पदार्थों के न्यायालयों द्वारा निराकृत 2500 प्रकरण में अधिरोपित अर्थ-दण्ड में 3 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली की जा चुकी है।

देश में प्रथम सर्टिफिकेशन प्राप्त करने वाले प्रदेश के संस्थानों में ईट राइट कैम्पस प्राप्त करने वाला प्रथम एयरपोर्ट-राजा भोज एयरपोर्ट भोपाल है। 'भोग' प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाला प्रथम मंदिर - महाकाल मंदिर, उज्जैन और 'भोग' प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाली प्रथम मस्जिद/दरगाह-दरगाह-ए-हकीमी, बुरहानपुर है। ईट राइट स्कूल प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाला प्रथम स्कूल- सन्मति हायर सेकेण्डरी स्कूल, इंदौर, ईट राइट कैम्पस प्राप्त करने वाला प्रथम इनकम टैक्स ऑफिस-भोपाल एवं ईट राइट कैम्पस प्राप्त करने वाला प्रथम मूक बधिर संस्थान - शासकीय मूक बधिर विद्यालय रीवा है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

पर्यटन और धार्मिक महत्व के स्थानों के लिए शुरू की जाएगी हेलीकॉप्टर सेवा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान इंदौर-गोंदिया-हैदराबाद उड़ान सेवा के शुभारंभ कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश पर सौगातों की बौछार हो रही है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने मध्यप्रदेश को 2200 करोड़ रुपये की नई सड़कें स्वीकृत की हैं। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने प्रदेश को इंदौर-गोंदिया-हैदराबाद फ्लाइट की सौगात दी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प के अनुरूप देश में उड़ान योजना का क्रियान्वयन हो रहा है। देश के आम नागरिक का हवाई यात्रा का सपना साकार हो रहा है। देश के कई छोटे और मझौले शहरों को हवाई यात्रा से जोड़ा जा रहा है। यह मध्यप्रदेश के लिए भी सुखद है। प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलने के साथ एयर कनेक्टिविटी बढ़ने से पर्यटन और धार्मिक महत्व के स्थलों पर आवागमन बढ़ेगा।

ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर-गोंदिया-हैदराबाद फ्लाइट के शुभारंभ कार्यक्रम को भोपाल स्थित निवास कार्यालय से वर्चुअली संबोधित करते हुए कहीं। इंदौर में कार्यक्रम में केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, विधायक श्री रमेश मेंदोला, विधायक श्रीमती मालिनी लक्ष्मण गौड़ सहित जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वैभवशाली, गौरवशाली, शक्तिशाली, सम्पन्न और समृद्ध भारत का निर्माण हो रहा है। मध्यप्रदेश में केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री सिंधिया ने भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर को अनेक सौगातें दी हैं। इंदौर से अहमदाबाद, गोवा, पुणे के लिए उड़ानें आरंभ हुई हैं। साथ ही भोपाल से पुणे, जबलपुर तथा ग्वालियर से अहमदाबाद, पुणे, मुम्बई और जबलपुर से मुम्बई, दिल्ली, हैदराबाद के लिए उड़ानें शुरू की गई हैं। प्रदेश एविएशन के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है। ग्वालियर एयरपोर्ट का विस्तार सुनिश्चित हो गया है। इंदौर एयरपोर्ट के विस्तार की कार्यवाही भी जारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विपरीत और कठिन परिस्थितियों में रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच भारत के सभी नागरिकों को प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रयासों से सुरक्षित निकालने में विमान सेवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया रोमानिया जाकर देश के हजारों नागरिकों को सुरक्षित निकालकर लाए हैं।

श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश के छोटे शहरों को हवाई यात्रा से जोड़ने के कार्य को गति दी जा रही है। पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों को हवाई सेवाओं तथा हेलीकॉप्टर सेवा से जोड़ने पर विचार किया जा रहा है।

खजुराहो से पन्ना टाइगर रिजर्व, जबलपुर से कान्हा, खजुराहो से ओरछा, ग्वालियर से शिवपुरी और मुरैना के ऐतिहासिक स्थलों, इंदौर से महेश्वर आदि के लिए हेलीकॉप्टर सेवा आरंभ की जाएगी। प्रदेश में पर्यटन और धार्मिक महत्व के स्थानों को भी हवाई यात्रा से जोड़ा जाएगा। प्रदेश में निवेश के लिए एयर कनेक्टिविटी भी आवश्यक है। इंदौर प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी है, यहाँ से अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें आरंभ करने के लिए प्रयास जारी रहेगा। मुख्यमंत्री ने इंदौर-गोंदिया-हैदराबाद फ्लाइट शुरू करने के लिए फ्लाई बिग एयरलाइंस को शुभकामनाएं दीं।

देश की 13 नदियों के कायाकल्प की परियोजना में नर्मदा का चयन

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने केंद्रीय कैबिनेट द्वारा वानिकी संबंधी पहल के माध्यम से 13 नदियों के कायाकल्प पर जारी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी मां नर्मदा को शामिल करने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय कैबिनेट का हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि वानिकी के माध्यम से ठोस पहल करते हुए देश की 13 प्रमुख नदियों के कायाकल्प की योजना आगामी 25 वर्ष को अमृत काल के रूप में बनाने के प्रधानमंत्री श्री मोदी के समग्र दृष्टिकोण के अनुरूप है। यह गत वर्ष हुए सीओपी-26 वैश्विक जलवायु सम्मेलन में भारत की पंचामृत की प्रतिबद्धता के अनुरूप भी है।

यह परियोजना नदियों के संरक्षण और उनके पुनरुद्धार की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। पर्यावरण को बचाने की दिशा में ठोस कार्य से देश की प्रगति को भी मजबूत करने का कार्य होगा। प्रधानमंत्री ने दूरदर्शी दृष्टिकोण से इस योजना की कल्पना की है। पर्यावरण से जुड़े विषयों पर विश्व के अनेक राष्ट्रों तक उनके दर्शन की बात पहुंच चुकी है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलनों में भी सफलतापूर्वक संदेश पहुंचाया है।

श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पूरे संसार के कल्याण की बात को ग्लोबल गुड, पी-3 एप्रोच, मिशन लाइफ आदि के माध्यम से पर्यावरण हितैषी मंत्र के रूप में सामने रखा है। पंचामृत के लिए प्रतिबद्धता देश को सशक्त करेगी। मध्यप्रदेश उनके इस मंत्र को धरती पर उतारने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। आजादी का अमृत महोत्सव भारत के लिए स्वर्ण काल है। मध्यप्रदेश स्वच्छता और पर्यावरण के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर दिखाएगा।

मध्यप्रदेश में वर्ष 2024 तक शत-प्रतिशत घरों को मिलेगा नल से जल

भोपाल, जल जीवन मिशन से 2024 तक प्रदेश की सम्पूर्ण ग्रामीण आवादी को नल से जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मिशन के कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाएगा। इसके लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों का पूर्ण सहयोग लिया जाए। ये बातें लोक निर्माण मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने भोपाल स्थित मंत्रालय में सम्पन्न हुई मंत्री समूह की बैठक में उक्त बातें कहीं।

जल जीवन मिशन में ग्रामीण आवादी में पेयजल व्यवस्था के लिए अब तक 30 हजार 668 करोड़ रुपये से अधिक लागत की जल-प्रदाय योजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इनमें एकल ग्राम नल-जल, समूह जल-प्रदाय रेट्रोफिटिंग योजनाएं शामिल हैं। प्रदेश में मिशन का प्रभावी क्रियान्वयन ग्रामीण परिवारों के लिए काफी लाभदायी सावित रहा है। शत-प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन से जल उपलब्ध करवाने के निर्धारित लक्ष्य को वर्ष 2024 तक पूरा किया जाना है, जिससे गांव में बसे प्रत्येक परिवार को घर पर ही नल से जल उपलब्ध करवाया जा सके। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और जल निगम द्वारा मिशन से अभी तक प्रदेश 4126 ग्रामों के शत-प्रतिशत परिवारों को नल से जल उपलब्ध करवाया गया है। मिशन के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाना है कि कोई भी ग्रामीण परिवार पेयजल के लिए परेशान नहीं हो और सभी को घर में ही नल के माध्यम से जल मिले। मिशन में अब तक 47 लाख 67 हजार से अधिक परिवारों को नल कनेक्शन से जल उपलब्ध करवाया जा चुका है।

मध्यप्रदेश में 'द कश्मीर फाइल्स' फिल्म हुई कर मुक्त

भोपाल, राज्य शासन ने हिन्दी फीचर फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' के कथानक एवं अन्य विशेष समाज उपयोगी गुणों के दृष्टिगत इसे मध्यप्रदेश में प्रदर्शन के लिए राज्य माल और सेवा कर से छूट प्रदान की है।

वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा जारी आदेश में यह छूट 14 मार्च से 13 सितम्बर तक के लिए होगी। श्री विवेक रंजन अग्निहोत्री द्वारा निर्देशित इस फिल्म पर दी गई छूट में प्रतिपूर्ति का लाभ लेने के लिए संबंधित सिनेमाघरों/मल्टीप्लेक्स द्वारा राज्य माल सेवा कर (एसजीएसटी) की राशि को घटाकर दर्शकों को इस फिल्म के टिकट का विक्रय किया जायेगा। फिल्म के प्रदर्शन के लिए संबंधित सिनेमाघरों/मल्टीप्लेक्स के प्रचलित सामान्य प्रवेश शुल्क में वृद्धि नहीं की जा सकेगी।

अशासकीय स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों की फीस प्रतिपूर्ति प्रक्रिया शुरू

भोपाल, शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों की फीस प्रतिपूर्ति हेतु राज्य शिक्षा केंद्र के द्वारा कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। जिसके तहत सत्र 2020-21 एवं सत्र 2021-22 की फीस प्रतिपूर्ति प्रपोजल तैयार किये जाने हेतु आरटीई पोर्टल पर उपलब्ध मॉड्यूल, दिनांक 16 मार्च 2022 से प्रारंभ होकर 16 अप्रैल 2022 तक क्रियाशील रहेगा।

उल्लेखनीय है कि, निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियम, 2011 के नियम 12(1)(ब) अर्न्तगत गैर अनुदान मान्यता प्राप्त प्रायवेट स्कूलों में वंचित समूह एवं कमजोर वर्ग के बच्चों को कक्षा 1 या प्री-स्कूल की प्रथम प्रवेशित कक्षा में न्यूनतम 25 प्रतिशत सीटों पर ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से आवंटन उपरांत निःशुल्क प्रवेश दिया जाता है। प्रवेशित बच्चों की फीस प्रतिपूर्ति राज्य शासन द्वारा सीधे स्कूल को की जाती है। यह प्रतिपूर्ति, प्रति विद्यार्थी निर्धारित व्यय अथवा स्कूल द्वारा ली जाने वाली वास्तविक शुल्क में से जो भी न्यूनतम हो के अनुसार देय होती है। जिसके संबंध में बच्चों के आधार सत्यापन तथा संबधित स्कूल के नोडल अधिकारी के वास्तविक सत्यापन उपरांत जिले से परीक्षण कर सक्षम अधिकारी के स्वीकृति आवश्यक होती है।

इस संबंध में संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र धनराजू एस ने बताया कि, राज्य शिक्षा केंद्र के द्वारा गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों द्वारा सत्र 2020-21 एवं सत्र 2021-22 की फीस प्रतिपूर्ति प्रपोजल तैयार किये जाने के लिये आरटीई पोर्टल www.rteportal.mp.gov.in पर एक माड्यूल तैयार किया गया है। जो कि दिनांक 16 मार्च, 2022 से प्रारंभ होकर 16 अप्रैल, 2022 तक क्रियाशील रहेगा। अशासकीय स्कूल द्वारा इस मॉड्यूल में अपने स्कूल के यूजर एवं पासवर्ड से लॉगिन कर शुल्क प्रतिपूर्ति एवं भुगतान प्रबंधन आप्शन को चुन कर फीस प्रतिपूर्ति प्रपोजल तैयार किया जा सकता है।

शासकीय विश्वविद्यालयों को सर्व-सुविधायुक्त बनाने शासन कृत-संकल्पित

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल के बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के नवनिर्मित सेमिनार हॉल का लोकार्पण करते हुये।

भोपाल, शिक्षा का गुणवत्तापूर्ण उन्नयन हमारा संकल्प है। विभाग द्वारा प्राथमिकता से नई शिक्षा नीति को लागू किया गया है। हमारी कोशिश है कि सभी शासकीय विश्वविद्यालय निजी विश्वविद्यालयों की भांति आधुनिक और सर्व-सुविधायुक्त हों। इसके लिए बजट की कोई कमी नहीं आने दी जायेगी। ये बातें उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में नवनिर्मित सेमीनार हॉल, लाइब्रेरी हॉल और रिमोट सेंसिंग लैब का लोकार्पण करते हुए कहीं।

डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के 6 शिक्षण विभाग, भौतिकी, भू-विज्ञान, समाज शास्त्र, मनोविज्ञान, तुलनात्मक भाषा एवं वाणिज्य को सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स के रूप में विश्व बैंक द्वारा 11 करोड़ रुपये का अनुदान स्वीकृत किया गया है। विश्वविद्यालय को रूसा द्वारा 20 करोड़ रुपये अनुदान स्वीकृत किया गया है। इसमें 15 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हो चुकी है। शेष 5 करोड़ रुपये भी जल्द ही दिए जाएंगे। डॉ. यादव ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम अलग-अलग विषयों पर एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करेगा।

कुलपति प्रो. आर.जे. राव ने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का दो दिवसीय कार्यक्रम किया जा रहा है। इस दौरान विषय-विशेषज्ञों द्वारा अलग-अलग विषयों पर चर्चा होगी। डॉ. राव ने विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया।

डॉ. मोहन यादव उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन का लोकार्पण किया और संस्थान के वार्षिकोत्सव 'तरंग' में सम्मिलित हुए। डॉ. यादव ने कहा कि नाम के अनुरूप यह संस्थान हमेशा उत्कृष्ट ही होना चाहिए इसमें कोई कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने संस्थान के लिए स्वयं की दो बस और अगले सत्र में सेमीनार हॉल की स्वीकृति की घोषणा की। डॉ. यादव ने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि संस्थान द्वारा नई शिक्षा नीति के तहत पहली सेमिस्टर परीक्षाएं संपन्न कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नए नवाचार हो रहे हैं। कार्यक्रम में विधायक श्री रामेश्वर शर्मा भी उपस्थित थे।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

एनएच सड़क निर्माण कार्यों के लिए ढाई हजार करोड़ की मंजूरी

गुणवत्तापूर्ण मार्गों के निर्माण से यातायात होगा सुगम

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सड़क निर्माण कार्यों के लिए मध्यप्रदेश को ढाई हजार करोड़ रुपये की मंजूरी के लिए केन्द्र सरकार का आभार माना है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व एवं केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी के मार्गदर्शन में देश में सड़कों का जाल विछाया जा रहा है। मध्यप्रदेश को भी इसका लाभ मिल रहा है। मध्यप्रदेश को मिली राष्ट्रीय राजमार्गों एवं अन्य मार्गों की सौगात के लिए मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री और केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी का हृदय से आभार माना है।

श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश के इंदौर और खरगोन में एनएच-347BG के इंदौर-एदलाबाद खंड (203 किलोमीटर) को 4 लेन बनाने के लिए 1162 करोड़ 80 लाख रुपये और उज्जैन-बदनावर खंड (69 किलोमीटर) के लिए 1352 करोड़ 56 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। दोनों मार्गों की कुल लंबाई 272 किलोमीटर होगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय राजमार्गों एवं अन्य मार्गों के रूप में यह बहुत बड़ी सौगात है।

गुणवत्तापूर्ण मार्गों के निर्माण और उन्नयन से यातायात की सुगमता के साथ ही मालवा क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों में भी वृद्धि होगी।

लोक अदालत में बिजली के नौ हजार 397 प्रकरणों का निराकरण

बिजली उपभोक्ताओं को 5 करोड़ 23 लाख रुपये की राहत प्रदान

भोपाल, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में हुई नेशनल लोक अदालत में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 एवं 126 के तहत बनाए गए बिजली की अनियमितताओं के कुल 9 हजार 397 प्रकरणों में समझौता करने पर बिजली उपभोक्ताओं को 5 करोड़ 23 लाख रुपये से अधिक की राहत प्रदान करते हुए कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं से 13 करोड़ 95 लाख रुपये से अधिक राजस्व वसूल किया गया है।

नेशनल लोक अदालत में निराकृत हुए कुल 9 हजार 397 प्रकरणों में से न्यायालयों में लंबित 1 हजार 764 प्रकरणों में समझौता कर संबंधित उपभोक्ताओं ने 20 प्रतिशत छूट के साथ लंबित मुकदमों की कार्यवाही से निजात पाई। लोक अदालत में 7 हजार 633 ऐसे प्रकरणों में भी समझौता किया गया जो न्यायालय में पंजीबद्ध नहीं हुए थे। इन प्रकरणों को प्रिलिटिगेशन प्रक्रिया के तहत निराकृत कराकर उपभोक्ताओं को 30 प्रतिशत छूट के साथ न्यायालयीन कार्रवाई से मुक्ति प्रदान की गई।

उल्लेखनीय है कि लोक अदालत में निराकृत हुए धारा 126 एवं 135 के सभी प्रकरणों में संपूर्ण ब्याज राशि में शत-प्रतिशत छूट दी गई।

लोक अदालत में निम्न दाब श्रेणी के समस्त घरेलू उपभोक्ताओं, समस्त कृषि उपभोक्ताओं, 5 किलोवॉट तक के गैर घरेलू तथा 10 एचपी तक भार वाले औद्योगिक बिजली उपभोक्ताओं को समझौता करने पर छूट की पात्रता थी।

मसालों के निर्यात में विशेष स्थान बनाएगा मध्यप्रदेश-मुख्यमंत्री

मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन आवश्यक

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान मसाला फसलों के उत्पादन और प्रसंस्करण के लिये आयोजित कार्यशाला को वर्चुअली संबोधित करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश की विकास दर, वर्तमान मूल्यों पर देश में सबसे अधिक रही है। यह 19.7 प्रतिशत है। इसमें सबसे अधिक योगदान कृषि का है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी परम्परागत फसलों के साथ अधिक लाभ वाली फसलें लेने के लिए किसानों को निरंतर प्रोत्साहित कर रहे हैं। बुरहानपुर ने मसाला फसलों के उत्पादन में विशेष स्थान बनाया है, यहां हल्दी, अदरक, धनिया और प्याज का बड़ी मात्रा में उत्पादन हो रहा है। केला, गन्ना और कपास में भी बुरहानपुर अग्रणी है। फसलों के विविधीकरण से किसान का आर्थिक सशक्तिकरण संभव होगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बुरहानपुर में मसाला फसलों के उत्पादन, प्र-संस्करण और प्राकृतिक खेती के प्रोत्साहन के लिए आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला को भोपाल स्थित निवास कार्यालय से वर्चुअली संबोधित करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की गई है। इसमें सिंचाई सुविधाओं के विस्तार का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सिंचाई का रकबा बढ़ने से उत्पादन बहुत अधिक बढ़ा है। मध्यप्रदेश, गेहूं के उत्पादन में देश में प्रथम है। बुरहानपुर जिला नगदी फसल लेने वाला जिला माना जाता है। यहां फल, फूल और औषधियों की खेती को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

श्री चौहान ने कहा कि मसालों के उत्पादन में देश का विश्व में सदियों से नाम रहा है। दुनिया के कई देशों में भारत से मसाले जाते रहे हैं, इसमें दक्षिण के राज्य आगे रहे हैं। अब जिस गति से मध्यप्रदेश में मसालों की खेती हो रही है, उससे निश्चित ही बुरहानपुर सहित प्रदेश भी मसालों के निर्यात में अपना विशेष स्थान बनाएगा। इसके लिए उन्नत तकनीक का उपयोग कर उत्पादन के साथ पैकेजिंग, क्वालिटी कंट्रोल, ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर ध्यान देना आवश्यक है। किसानों के साथ शासकीय एजेंसी और कृषि विशेषज्ञों को परस्पर समन्वय से कार्य करना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देना समय की आवश्यकता है। खेती में कीटनाशक और फर्टिलाइजर के बढ़ते उपयोग से मानव स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। पशुपालन और खेती को समन्वित कर प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित किया जा सकता है। पारम्परिक रूप से बनने वाली गोबर की खाद और गौ-मूत्र से बनने वाले कीटनाशक का उपयोग फसलों के लिए सुरक्षित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे विश्वास है कि मसालों की खेती के साथ प्राकृतिक खेती में भी बुरहानपुर अपना विशेष स्थान स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जल जीवन मिशन में हर घर में नल से जल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 30 अप्रैल को बुरहानपुर जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में पानी पंचायत का आयोजन किया जाएगा। जिले के प्रत्येक गांव में जल महोत्सव भी होगा।

उपभोक्ता अधिकारों का उपयोग कर बनें जागरूक नागरिक : खाद्य मंत्री

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह विश्व उपभोक्ता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुये।

भोपाल, विश्व उपभोक्ता दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ता के रूप में नागरिकों को प्राप्त अधिकारों के प्रति जागरूक करना भी है। उपभोक्ता दुकानदार को भुगतान करने के बाद स्वयं को कमजोर और असहाय न समझें। उपभोक्ता अपनी शिकायत जिला स्तर से सुप्रीम कोर्ट तक कर सकते हैं। ये बातें खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री विसाहूलाल सिंह ने भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में विश्व उपभोक्ता दिवस पर आयोजित जिला कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं।

खाद्य मंत्री ने कहा कि खरीदी गई वस्तु की गुणवत्ता, मात्रा, क्षमता एवं मूल्य संबंधी शिकायतों के बारे में उपभोक्ता को जानकारी का अधिकार है। उपभोक्ता सेवा संबंधी शिकायतों के लिये 50 लाख रुपये तक जिला उपभोक्ता आयोग, 50 लाख से 2 करोड़ रुपये तक राज्य उपभोक्ता आयोग एवं 2 करोड़ रुपये से अधिक के मामलों में राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा जिला उपभोक्ता आयोग के आदेश की अपील राज्य उपभोक्ता आयोग में और राज्य उपभोक्ता आयोग के आदेश की अपील राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग में कर सकते हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग के आदेश की अपील के लिये सुप्रीम कोर्ट जाने के लिये भी स्वतंत्र हैं। श्री सिंह ने कहा कि उपभोक्ता ऑनलाइन शिकायत भी दर्ज करा सकते हैं। शिकायत की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी की जा सकेगी। इसमें उपभोक्ता घर बैठे ई-दाखिल पोर्टल पर परिवाद फाइल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 22 जिला मुख्यालयों में 25 पूर्णकालिक एवं 26 अंशकालिक जिला उपभोक्ता आयोग कार्यरत हैं।

अध्यक्ष खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम श्री प्रद्युम्न सिंह लोधी ने कहा कि हम लोग छोटे से लाभ के लिए क्रय की गई वस्तु का बिल प्राप्त नहीं करते हैं। दुकानदार भी टैक्स बचाने का प्रलोभन देता है। उत्पाद की शिकायत की स्थिति में बिल न होने से उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज नहीं करा पाते। उन्होंने कहा कि क्रय की गई वस्तु का पक्का बिल प्राप्त करना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से क्रय की गई हर सामग्री का बिल लेने की अपील की। जिससे दुकानदार भी टैक्स देकर राष्ट्र की आय में अपना सहयोग दें।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

प्रदेश में
खंडवा, धार, खरगौन,
बुरहानपुर, झाबुआ, बड़वानी
तथा अलीराजपुर जिलों में
एजेंसी नियुक्त करना है।

संपर्क करें
9425625746, 9424442725

प्रमुख आकर्षण

- कैरियर की खबरें
- सम-सामायिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

इमैनुएल मैक्रों

फ्रांस के राष्ट्रपति फिर लड़ेंगे चुनाव

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने औपचारिक रूप से

घोषणा की है कि वह अप्रैल 2022 में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में दूसरे कार्यकाल के लिए लड़ेंगे। फ्रांस की मीडिया वेबसाइट्स में प्रकाशित पत्र में मैक्रों ने कहा कि वे 10 और 24 अप्रैल को दो चरणों में होने वाला चुनाव लड़ना चाहते हैं। अभी फ्रांस में हुए सर्वे में उनको राष्ट्रपति पद की दौड़ में सबसे आगे बताया गया है।

विटोमिर मैरीकिक

पानी के अंदर 351 फीट चलकर रिकॉर्ड बनाया

क्रोएशिया के फ्रीडाइवर विटोमिर मैरीकिक ने पानी के

अंदर चलकर नया रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने सांस रोककर एक पुल के अंदर 351 फीट और आधा इंच की दूरी पैदल चलते हुए तय की। इसमें उन्हें तीन मिनट छह सेकेंड का समय लगा। इस उपलब्धि के लिए उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। पहले यह रिकॉर्ड क्रोएशिया के ही बोरिस मिलोसिक के नाम था। उन्होंने पानी के अंदर सांस रोककर 314 फीट और 11.5 इंच की दूरी तय की थी।

वासु सोजित्रा

अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंचा भारतवंशी

उत्तरी अमेरिका की सबसे ऊँची चोटी डेनाली (माउंट

मैकिनले) को सिर्फ एक पैर की मदद से फतह करने वाले भारतीय मूल के 30 वार्षिक वासु सोजित्रा ने नया रिकॉर्ड बना डाला है। 20,310 फीट की ऊंचाई को छूने वाले पहले दिव्यांग पर्वतारोही बन गए हैं। नौ वर्ष की उम्र में सेप्टिसीमिया के कारण उन्हें दाहिना पैर गंवाना पड़ा था। 2014 में वासु ने बैसाखी की मदद से व्योमिंग ग्रैंड टोटन (13775 फीट ऊंचाई) को फतह किया। बीते साल उन्होंने माउंट मोरन (12610 फीट ऊंचाई) पहली डिसेबल्ड स्की डीसेंट को पूरा किया था।

इंडोनेशिया

माउंट मेरापी में विस्फोट

इंडोनेशिया में माउंट मेरापी ज्वालामुखी फटने से आस-

पास के गांवों और शहरों में राख की चदर फैली पड़ी है। राष्ट्रीय आपदा शमन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने एक बयान में कहा कि घनी आबादी वाले जावा द्वीप पर ज्वालामुखी में से कम से कम 7 बार लावा निकला है। इंडोनेशिया की भूगर्भ शास्त्र और ज्वालामुखी विज्ञान अनुसंधान एजेंसी ने निवासियों को घटनास्थल से सात किलोमीटर दूर रहने की सलाह दी है। ज्ञात रहे कि माउंट मेरापी इंडोनेशिया में सक्रिय 120 से अधिक ज्वालामुखियों में से सबसे अधिक सक्रिय ज्वालामुखी है।

ब्राजील

पॉइजन बिल के विरोध में उतरे लोग

ब्राजील के ब्रासीलिया में संसद के सामने कथित पॉइजन

बिल के विरोध में हजारों की संख्या में लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। एक्ट फॉर द अर्थ मूवमेंट के तहत जुटे प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वह कानून कीटनाशकों के उपयोग पर प्रतिबंधों को ढीला करेगा। जिससे अमेजन के वनों को भी नुकसान होगा। ज्ञात रहे कि पिछले साल अमेजन के जंगलों में लगी आग के लंबे समय तक फैलते रहने की वजह से हजारों हेक्टेयर का क्षेत्र तबाह हो गया था। आग के धुंए और गुबार से प्रदूषण के कारण आसपास के रहवासी इलाकों का सामान्य जनजीवन भी खतरे में पड़ गया था।

ट्विटर

नया 'डार्क वेब' वर्जन लॉन्च हुआ

माइक्रो ब्लॉगिंग वेबसाइट ट्विटर ने टॉर वर्जन ट्विटर

लॉन्च किया। इसे बोलचाल की भाषा में ट्विटर का डार्क वेब वर्जन भी कह सकते हैं। क्योंकि डॉर्क वेब भी ऐक्सेस डॉट के जरिए किया जा सकता है। यह वर्जन डॉट ऑनियन सर्विस बेस्ड होगा, जो प्राइवेसी प्रोटेक्शन देगा और लोगों को सेंसरशिप से बचायेगा।

क्रॉस कंट्री रेस 'वासालोप्पेट'

दुनिया की सबसे पुरानी स्की रेस सम्पन्न

दुनिया की सबसे पुरानी क्रॉस कंट्री रेस 'वासालोप्पेट' में

इस बार 15 हजार 800 स्कीयर्स ने हिस्सा लिया। स्वीडन के छोटे से गांव सालेन से शुरू हुई 90 किलोमीटर की यह रेस मोरा पर खत्म हुई। सबसे पहली बार यह रेस 1922 में हुई थी। तब इसमें 119 स्कीयर्स ने हिस्सा लिया था। यह सबसे पुरानी रेस होने के साथ-साथ पार्टिसिपेशन के मामले में दुनिया की सबसे बड़ी क्रॉस कंट्री रेस है। यह रेस 15वीं सदी में स्वीडन के किंग रहे गुस्ताव एरिक्सन की यात्रा से प्रेरित है। हर साल मार्च में होने वाली इस रेस में 19 साल से ज्यादा उम्र के स्कीयर्स हिस्सा ले सकते हैं। रेस में स्कीयर्स 124 कैटेगरी में हिस्सा लेते हैं।

के. सरवनन

पेशे से ऑटो ड्राइवर बने महापौर

पिछले 20 सालों से ऑटो ड्राइवर के. सरवनन

तमिलनाडु के कुंभकोणम नगर निगम के पहले महापौर बन गए हैं। 42 वर्षीय सरवनन ने पिछले दिनों हुए महापौर पद के चुनाव में जीत हासिल की थी। उन्हें राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी का भी समर्थन मिला। इस नगर निगम का इसी वर्ष गठन किया गया है। समाजसेवी सरवनन सभी वर्गों में लोकप्रिय हैं।

मालदीव

गहरे समुद्र में मिली सतरंगी मछली

मालदीव के समुद्र में अनोखी सतरंगी मछली मिली है।

गुलाबी रंग वाली इस मछली का वैज्ञानिक नाम सिरिलब्रस फिनिफेंमा है। यह समूह में 40 से 70 मीटर नीचे मिली है। मालदीव का राष्ट्रीय पुष्प गुलाब है। मछली के गुलाबी रंग के चलते स्थानीय भाषा में फिनिफेंमा कहा गया है। पानी के भीतर यह सतरंगी प्रकाश में सुनहरी आभा का आभास देती है।

मैरीलैंड जू

चिड़िया घर के अधिकारी तोते को सिखा रहे हैं पेंटिंग

अमेरिका के मैरीलैंड जू में एक अफ्रीकी तोते को पेंटिंग करना सिखाया जा रहा है। अधिकारियों ने पेंटिंग सीखते तोते का वीडियो भी जारी किया है। इसे खूब

पसंद किया जा रहा है। तोता अपनी चोंच में रंग में भीगा स्पंज उठाकर कागज पर पेंटिंग करता है। इस काम को सीखने के लिए इनाम के रूप में उसे कुछ खाने को दिया जाता है। अधिकारियों के अनुसार ईको नाम का यह तोता पक्षियों का पिकासो बन सकता है।

एलिजाबेथ द्वितीय

अब विंडसर कैसल में रहेंगी

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने अपने स्थाई

आवास के तौर पर लंदन के बकिंघम पैलेस के बजाय बर्कशायर स्थित विंडसर कैसल को चुना है। महारानी वर्ष 2020 में कोरोना की पहली लहर के बाद विंडसर कैसल में क्वारंटाइन होने के लिए गई थीं। ज्ञात रहे कि बकिंघम पैलेस वर्ष 1837 से ही ब्रिटिश शाही घराने का आधिकारिक आवास रहा है। यह पहली बार जब राजघराने की मुखिया महारानी ने विंडसर कैसल को चुना है।

जहरा जोया

टाइम की वीमेन ऑफ द ईयर नामित

ब्रिटेन में रह रही अफगानी जर्नलिस्ट जहरा जोया को

टाइम मैगजीन ने वीमेन ऑफ द ईयर की सूची में शामिल किया है। पिछले साल जब अफगानिस्तान पर तालिबान ने कब्जा किया तो ब्रिटेन की सरकार ने 29 वर्षीय जहरा को सपरिवार अपने देश में शरण दी थी। फिलहाल जहरा ब्रिटेन में ही रह कर अपना काम कर रही हैं। अफगानिस्तान में तालिबानी शासन में बच्चियों को स्कूल की पाबंदी होने पर जहरा लड़कों की वेशभूषा में तैयार होकर विद्यालय पहुंच जाती थीं।

इंग्लैंड

चार सौ सत्तर साल पुराने किले का वैभव लौटा

इंग्लैंड के न्यूहैम्पशायर में स्थित 477 साल पुराने हर्स्ट

कैसल (किले) का वैभव अब लौट आया है। यह किला ब्रिटेन की ऐतिहासिक धरोहरों में शामिल है यहां सैकड़ों साल पुरानी 26 तोपें लगी हुई हैं। समय-समय पर यहां से ब्रिटिश सेनाओं को युद्ध के मोर्चे पर भेजा जाता था। कुछ समय पूर्व इस किले की एक दीवार का बड़ा हिस्सा ढह गया था। वर्ल्ड मॉन्यूमेंट फंड की ओर से इसके जीर्णोद्धार के बाद इसका वैभव लौटा है। 1956 में ब्रिटिश राज परिवार ने सैन्य गतिविधियों के लिए इसे बंद कर शाही स्मारक घोषित कर दिया गया था।

ली केकियांग

चीन के प्रधानमंत्री इस वर्ष पद छोड़ देंगे

चीन के प्रधानमंत्री ली केकियांग ने कहा कि वह इस

साल पद छोड़ देंगे। एक दशक से ली चीन की अर्थव्यवस्था का प्रबंधन कर रहे हैं। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना के संस्थापक माओत्से तुंग के बाद सबसे शक्तिशाली चीन के नेता के रूप में ली दूसरे नं. पर हैं। 66 वर्षीय ली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद कहा कि वे प्रधानमंत्री के रूप में अपने अंतिम वर्ष को यादगार बनाना चाहते हैं। अपनी आखिरी प्रेस कॉन्फ्रेंस के अंत में ली केकियांग बिना कोई विदाई संदेश छोड़े सभी को धन्यवाद देने के साथ चले गए।

अंटार्कटिका

बर्फीले समुद्र में मिला 107 साल पुराना जहाज

अंटार्कटिका के बर्फीले समुद्र में 107 साल पहले डूबे खोजी जहाज एचएमएस एंड्योरेंस को खोज निकाला गया है। फॉकलैंड्स मैरी टाइम हेरिटेज ट्रस्ट और हिस्ट्री

हिट ने मिलकर इसकी खोज की है। खोजी दल ने इस जहाज की वीडियो रिकॉर्डिंग की है। जानकारी के मुताबिक यह जहाज ध्रुवीय खोजकर्ता अर्नेस्ट शेकलटन का था। इसकी लंबाई 144 फुट है। यह 1915 में फॉकलैंड द्वीप समूह के दक्षिण में अंटार्कटिका के उत्तरी तट के पास वेडेल सागर में डूब गया था। यह टीम को 9842 फुट की गहराई में मिला।

लूनर टेरेन व्हीकल

चंद्रमा पर दौड़ेंगे

आने वाले कुछ वर्षों में फ्लेक्स लूनर रोवर चंद्रमा पर

दौड़ते नजर आएंगे। अमेरिका के पूर्वी कैलिफोर्निया और नवादा के बीच स्थित ड्यूमान्ट ड्यून्स हेथ वैली नेशनल पार्क में इस पर परीक्षण चल रहा है। इसकी खासियत है कि रोवर को चंद्रमा पर अंतरिक्षयात्रियों द्वारा सीधे संचलित किया जा सकेगा। साथ ही पृथ्वी पर नासा के इंजीनियर भी इसकी कमांड संभाल सकेंगे। इसमें दो अंतरिक्ष यात्री बैठकर कहीं भी आ जा सकेंगे। इसका निर्माण कैलिफोर्निया की स्टार्टअप एस्ट्रोलैब कर रही है।

जापान में

सुनामी के ग्यारह साल हुए पूरे

जापान में वर्ष 2011 में आए प्रलयकारी भूकंप और

सुनामी को 11 वर्ष पूरे हो गए हैं। इस प्राकृतिक आपदा से पीड़ितों को श्रद्धांजलि भी दी गई। इवाते और मियागी के सुनामी प्रभावित उत्तरी प्रांत के लिए निवासी अपने प्रियजनों के लिए प्रार्थना करने के लिए जुटे। इन लोगों के स्वजन इस आपदा का शिकार बने थे। फुकुशिमा प्रांत में आयोजित एक समारोह में प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने सुनामी और भूकंप पीड़ितों के लिए प्रार्थना की।

स्मृति शेष

यूक्रेन के लोकप्रिय अभिनेता पाशा का निधन

रूस और यूक्रेन की जंग के बीच अपने देश

यूक्रेन की रक्षा के लिए युद्धरत हुए लोकप्रिय अभिनेता पाशा ली 33 वर्ष की उम्र में शहीद हो गए। जब से युद्ध शुरू हुआ तब से पाशा अभिनय छोड़ यूक्रेन की सेना में भर्ती हो गए थे। वे यूक्रेन की टेरिटोरियल डिफेंस यूनिट में शामिल हो गए थे। वे छह मार्च को इरपिन में बमबारी के बीच वे शहीद हुए।

अंतर्राष्ट्रीय गजल गायक राजकुमार रिजवी का निधन

अंतर्राष्ट्रीय गजल गायक राजकुमार रिजवी का

मुंबई में निधन हो गया। वे 72 वर्ष के थे। राजस्थान में झुंझनु जिले के मंडावा कस्बे में उनका जन्म हुआ था। 1976 में बनी फिल्म "लैला-मजनूं" के लिए टाइटल सॉन्ग के अलावा उन्होंने कई बॉलीवुड फिल्मों और गजलों को अपनी आवाज दी थी। उन्हें मेंहदी हसन के प्रथम शिष्य के रूप में भी जाना जाता था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

IPS Academy, Institute of Business Management and Research, Sanwer Campus

(Approved by AICTE - New Delhi, DTE, Higher Education - MP & Affiliated to DAVV, Indore)

REQUIRES

(Under College Code 28)

Director/Professor/Associate Professor/ Assistant Professor

- **MBA** - Full Time/Marketing Mgmt./Financial Admn.
- **BBA, BBA** - Foreign Trade
- **B.Com** - All Subjects

Librarian/Counselor (for Ujjain Office)

(Eligibility & Pay scale as per UGC/ AICTE Norms)

Apply within 15 days with complete CV to ipsahr.sanwer@ipsacademy.org

Knowledge Village, Barodiya Khan, Indore Ujjain Road, Sanwer, (MP) M.No. 62626 04161

Director

Adcom

IPS ACADEMY

INSTITUTE OF HOTEL MANAGEMENT

Approved by AICTE-NEW DELHI, DTE, HIGHER EDUCATION-MP & Affiliated to DAVV, Indore

REQUIRES

Principal / Professor
Associate Professor / Assistant Professor
for BHM & BBA-HM (Under College Code 28)

1. **Food and Beverage Service, House-Keeping, Front Office, Food-Production**, Qualification : **B Sc / BHM** CT Graduate with 5 to 10 yrs. working experience in a 4 or 5 Star Hotel or Teaching.
2. **Faculty: MBA**-Finance with 3 to 5 yrs. of teaching experience, (**Subjects**-Basic Accounts, Financial Mgmt; Statistics, Decision Making Skills, Entrepreneurship).
3. **Librarian - B.LIB** (2 yrs of experience, can work on library software).
4. **Office Asst**; **BCA**-Communicate in English (2 to 5 yrs. of experience).
5. **Food & Beverage-LAB. ASST.** (diploma with 2 yrs. of experience).

Eligibility & Pay scale for Position 1, 2 & 3 as per AICTE / UGC NORMS.

Apply within 15 days with complete CV to director.sohm@ipsacademy.org

Campus : Behind Hotel Red Maple, A B Road RAU, INDORE-453331
0731- 4020306, 95758 54161, 96447 11161.....**Director**

Adcom

R-46797/2022

Shri Gujarati Samaj, Indore

1, Nasia Road, Indore Phone : 0731-2706468

SHRI JAYANTILAL HIRACHAND SANGHVI GUJARATI INNOVATIVE COLLEGE OF COMMERCE & SCIENCE

(Affiliated to DAVV, Indore)

Scheme No. 54, Near Bombay Hospital, A.B. Road, Indore
Ph.: 0731-2571155, 2571156, e-mail: sgsiccs@gmail.com

REQUIRES

Professor/Associate Professor/Asst. Prof.

(Under College Code - 28) In the following Subjects

- Commerce
- Chemistry
- Botany
- Bio Technology
- History
- Hindi
- Political Science
- Mathematics
- Sociology

Qualification & Experience : As per UGC norms.

- Management
- Computer

Qualification & Experience : As per AICTE norms.

Salary : As per Shri Gujarati Samaj norms.

Application complete in all respects with full details along with all necessary documents, should reach the College Office within 7 days from the date of publication of this advertisement during 9.30am to 1.30pm. Incomplete application will not be considered.

Pankajbhai Sanghvi — Hon. Gen. Secretary
Atulbhai Sheth — Chairman - E.B. (College)
Rajendrabhai Patel — Chairman - Governing Body
Dr. Saurabh Parikh — Principal

VIGILANCE

R-46796/2022

केन्द्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संस्थान (सिपेट)

सी.एस.टी.एस. भोपाल

(रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार)

जी सेक्टर, गोविन्दपुरा औद्योगिक क्षेत्र, जे.के. रोड, भोपाल 462023 (म.प्र.)

☎ : 0755-4028622/23, ई-मेल : bhopal@cipet.gov.in / cipet.bhopal@gmail.com, वेबसाइट : www.cipet.gov.in

AITCE से मान्यता प्राप्त

सिपेट प्रवेश परीक्षा (CAT) 2022

उत्कृष्ट प्लेसमेन्ट रिकॉर्ड

कम्प्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) के माध्यम से प्रवेश परीक्षा हेतु CAT 2022

ऑनलाइन आवेदन हेतु वेबसाइट : http://cipet2022.onlineregistrationform.org/CIPET/ पर उपलब्ध है।

क्रम सं.	कोर्स	अवधि	प्रवेश पात्रता
1.	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड टेक्नोलॉजी (DPMT)*	3 वर्ष	दसवीं कक्षा पास
2.	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स टेक्नोलॉजी (DPT)*	3 वर्ष	दसवीं कक्षा पास
3.	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग एण्ड टेस्टिंग (PGD-PPT)	2 वर्ष	बी.एस.सी. (3 वर्ष की डिग्री)
4.	पोस्ट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड डिजाइन विद कैड/कैम (PD-PMD with CAD/CAM)	1½ वर्ष	डिप्लोमा इन मैकेनिकल/प्लास्टिक्स/पॉलीमर/टूल/टूल एण्ड डाई मेकिंग/प्रोडक्शन/मेक्ट्रॉनिक्स/ऑटोमोबाइल/पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीयल/इंस्ट्रूमेंटेशन इंजी. टेक्नोलॉजी डिप्लोमा या डीपीएमटी/डीपीटी या समकक्ष

* पाठ्यक्रम भोपाल एवं ग्वालियर केन्द्र में उपलब्ध है।

महत्वपूर्ण तिथियां		
	CAT ऑनलाइन आवेदन -	उपलब्ध
	CAT आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि -	05 जून 2022
	CAT की तिथि -	19 जून 2022
	पाठ्यक्रम प्रारंभ होने की तिथि -	16 अगस्त 2022

उम्र की सीमा नहीं। छात्रवृत्ति (शासन के नियमानुसार)

★ प्रवेश योग्यता परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवार भी उपरोक्त सभी पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन करने के पात्र हैं।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - 9140961424, 7869955238, 7820005021, ग्वालियर - 9478355969, 9893344859

SHARAD

R-46798/2022

अध्यक्ष काउंसलिंग समिति एवं आयुक्त तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

चतुर्थ तल, सतपुड़ा भवन, भोपाल- 462004

लेटरल एन्ट्री के माध्यम से आई.टी.आई. उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का डिप्लोमा पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष में प्रवेश हेतु ऑनलाइन ऑफ कैम्पस काउंसिलिंग कार्यक्रम, सत्र 2021-22

LT-Diploma

संशोधित समय-सारणी

प्रथम चरण

अर्हकारी परीक्षा की मेरिट पर आधारित

गतिविधियां	पूर्व में जारी दिनांक/समय	संशोधित दिनांक/समय
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन निरस्तीकरण	07.03.2022 से 14.03.2022	यथावत
रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration)	15.03.2022 से 16.03.2022	
इच्छित संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना **प्राथमिकताक्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी**	07.03.2022 से 20.03.2022 रात्रि 11:45 बजे तक	
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता	21.03.2022 सायं 5:00 बजे	
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/ आवंटित संस्था में उपस्थिति, आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश।	25.03.2022 से 31.03.2022 सायं 5:00 बजे तक	25.03.2022 से 05.04.2022 सायं 5:00 बजे तक
संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC)		
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन निरस्तीकरण	01.04.2022 से 05.04.2022 सायं 3:00 बजे तक	06.04.2022 से 08.04.2022 सायं 3:00 बजे तक
इच्छुक संस्था में प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये उपस्थित होना।	04.04.2022 से 05.04.2022 सायं 5:00 बजे तक	07.04.2022 से 08.04.2022 सायं 5:00 बजे तक
प्रवेश निरस्तीकरण	04.04.2022 सायं 5:00 बजे तक	07.04.2022 सायं 5:00 बजे तक

संपर्क :- 0755-6720205, 2660441, ईमेल :- dte.helpcenter@mp.gov.in

म.प्र. माध्यम/104064/46799/2022

उपसंचालक, तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, रीवा (म.प्र.)

फोन -9425601523/8871571988

पत्र क्र. 343/तशा./परि.यं./म.प्र.पु.आ.अधो.वि.नि./2022 — रीवा, दिनांक : 16.03.2022

संक्षिप्त नीलामी विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय परियोजना यंत्री, म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम रीवा के अंतर्गत जीर्ण-शीर्ण शासकीय पुराने भवनों की जानमाल की क्षति की संभावना को देखते हुए ध्वस्तीकरण की अनुमति प्राप्त कर इन भवनों का ध्वस्तीकरण निम्न शर्तों के अनुसार किया जाना है। 1. भवन जो जैसी हालत में है, ध्वस्तीकरण कर सामग्री कार्यस्थल से कार्यादिश दिनांक से 7 दिवस के अन्दर उठाना अनिवार्य होगा। 7 दिवस के अंदर सामग्री नहीं उठाई गई तो उच्चतम बोलीकर्ता से 10 प्रतिशत उच्चतम बोली का प्रत्येक दिन के हिसाब से राशि वसूली की जावेगी। 2. बोली की राशि लिफाफा पद्धति से पंजीकृत डाक द्वारा दिनांक-25.03.2022 को सायं 2 बजे तक कार्यालय परियोजना यंत्री मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम रीवा में प्राप्त की जावेगी। जिसके अंदर 2 लिफाफे होंगे। पहला लिफाफा में धरोहर राशि तथा दूसरे लिफाफा में बोली की राशि शब्दों एवं अंकों में उल्लेखित करना होगा। 3. धरोहर राशि जिसका ड्राफ्ट (धरोहर राशि) कार्यालय परियोजना यंत्री मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम रीवा के नाम राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा जारी बोलीकर्ता को जमा करना होगा। ड्राफ्ट निर्धारित राशि का होने पर ही प्राप्त बोली का लिफाफा दिनांक- 25.03.2022 को सायं 4 बजे तक खोला जावेगा। 4. उच्चतम बोली की राशि उच्चतम बोलीकर्ता द्वारा जारी एकजाई रूप से कार्यालय परियोजना यंत्री मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम रीवा के नाम जमा करना अनिवार्य होगा। अन्यथा बोली उसी दिनांक को निरस्त मानी जावेगी और धरोहर राशि राजसात की जावेगी।

क्र.	शासकीय भवन का विवरण	न्यूनतम बोली की राशि	कोटेशन लिफाफा	कोटेशन जमा करने का स्थान	धरोहर राशि	डाक द्वारा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय
1.	शासकीय एक्सीलेंस हायर सेकेण्डरी स्कूल मार्तण्ड क्रमांक -01 रीवा में पुराने भवन के ध्वस्तीकरण का कार्य।	80,000/-	पंजीकृत डाक द्वारा	कार्यालय परियोजना यंत्री मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम रीवा तिलकनगर वार्ड नं. 11 (खुटेही), कार्यालय जनपद पंचायत के पीछे, सिरमौर रोड रीवा (म.प्र.)	10,000/- रुपये	दिनांक- 25.03.2022 अपरान्ह 2 बजे तक

म.प्र. माध्यम/104053/46794/2022 — **परियोजना यंत्री**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)

5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal (M.P.) 462011

NOTICE INVITING TENDER No. 982 (PMGSY-Bridge) (BW)

No./3764/22/D-12/MPRRDA/2022 — Bhopal, Dated : 14.03.2022

Online Tenders for Construction of Bridges with 5 years defect liability & maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in** as detailed below :

- **Name of Work :-** Construction of Bridges under PMGSY including maintenance for Five year after construction
- **SSR Applicable :-** SOR issued by Engineer-in-Chief MPPWD Bhopal for Road and Bridge work effective from 29.08.2017 and amended upto issue date of NIT.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Indore	1	17061072.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission :** The bid document is available online and should be submitted online in **https://www.mptenders.gov.in.** The bidder would be required to register in the website which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchased online from **16.03.2022 (17:30 hrs)** and last date for online bid submission is **04.04.2022 (17:00 hrs).**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P. Madhyam/104027/46790/2022 — **CHIEF GENERAL MANAGER (Tender)**

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति रीवा जिला रीवा (म.प्र.)

क्रमांक/मण्डी/निर्माण/2021-22/2570 रीवा, दिनांक : 04.03.2022

निविदा आमंत्रण सूचना

प्रमुख अभियंता म.प्र. लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त (केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली) पंजीकृत निविदाकारों से प्रतिशत दर आधार पर सिस्टम निविदा क्रमांक 2021_MPSAM_188398_1 के अंतर्गत ऑनलाइन निविदाएं दिनांक 07.03.2022 को समय सुबह 10.30 बजे से ऑनलाइन निविदाएं **दिनांक 28.03.2022 को शाम 05.00 बजे तक** आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म.प्र. शासन के ई-निविदा के पोर्टल **https://mptenders.gov.in** पर प्राप्त होगी एवं उक्त निविदा से संबंधित समस्त जानकारी मण्डी बोर्ड के पोर्टल **www.mpmandiboard.gov.in** पर भी अवलोकनीय होगी।

नोट :- आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर प्रदर्शित की जायेगी।

म.प्र. माध्यम/104012/46788/2022 **सचिव**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-01 जबलपुर
1558 ऋषि कॉटेज, रतन कालोनी, जबलपुर (म.प्र.) 482003
Ph. - 0761-4927201, Email – mpphcjabalpur@gmail.com

म.प्र. पुलिस आ.अधो.वि.नि. संभाग जबलपुर क्र.-01 में पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय जबलपुर स्थित नवीन अतिथि गृह के निर्माण कार्य हेतु निविदा क्र. 22/2021-22 (ऑनलाइन निविदा क्र. 2021_MPPHC_191364) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 30.03.2022 समय 17.00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं सबमिट (प्रस्तुत) किये जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/104049/46793/2022 **परियोजना यंत्री**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, रीवा (म.प्र.)
फोन - 9425601523/8871571988

प्रेस-विज्ञप्ति

संभाग रीवा के अंतर्गत मरम्मत कार्य 14 आवासगृह अमरकंटक जिला अनूपपुर हेतु निविदा क्रमांक 22/2021-22 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHCL/TENDER NO. 2022_MPPHC_190628_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 02.04.2022 समय 17:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : http://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/104014/46789/2022 **परियोजना यंत्री**

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति भीकनगांव जिला-खरगोन (म.प्र.)

क्रमांक/मंडी/निर्मा./2021-22/1692 भीकनगांव, दिनांक 14.03.2022

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

प्रमुख अभियंता म.प्र. लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त (एकीकृत पंजीयन प्रणाली) पंजीकृत निविदाकारों से प्रतिशत दर आधार पर निविदा सिस्टम क्रमांक 2022_MPSAM_190559 एवं निविदा सिस्टम क्रमांक 2022_MPSAM_190565 के अंतर्गत ऑनलाइन निविदाएं दिनांक 04.04.2022 को शाम 5:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म.प्र. शासन के ई-निविदा के पोर्टल **https://mptenders.gov.in** पर प्राप्त होगी एवं उक्त निविदा से संबंधित समस्त जानकारी मण्डी बोर्ड के पोर्टल **www.mpmandiboard.gov.in** पर भी अवलोकनीय होगी।

नोट :- आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर प्रदर्शित की जावेगी।

म.प्र. माध्यम/104030/46791/2022 **सचिव**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, BHOPAL M.P.-462 011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 983
(Deposit Work - Bridge)

No./3834/22/D-12/MPRRDA/2022 **Bhopal, Dated : 15.03.2022**

Online Tenders for Construction of Bridge with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **http://mptenders.gov.in** as detailed below.

- **Name of work : Deposit Work - Bridge**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Sehore	1	61581000.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **16.03.2022 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document for construction & maintenance of rural roads/Bridges Sept. 2017 on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/104041/46792/2022 **(Tender)**

नगरीय निकायों की मतदाता सूची का वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी

भोपाल, राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2022 के द्वितीय चरण के शेष कार्य एवं अंतिम चरण का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री वी.एस. जामोद ने जानकारी दी है कि फोटो प्रारूप मतदाता सूची का नगर पालिका वार्ड एवं अन्य विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 4 अप्रैल 2022 को किया जायेगा। दावा आपत्ति केन्द्रों पर दावे-आपत्ति 11 अप्रैल तक (अपरान्ह 3 बजे तक) लिये जायेंगे।

कार्यालय प्रमख अभियंता जल संसाधन विभाग, भोपाल

ई-मेल : ceproc.encwrd.bpl@nic.in, फोन : 0755-2767635, फैक्स : 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक-886/2021-22/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 09.03.2022**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 12.04.2022 को 17:30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2022_WRD_189689	एस.डी.एम.एफ. के अंतर्गत राजापुर, निवारी कोहनी, बड़ागांव वियर एवं मुटवा तालाब योजना के अंतर्गत वियर, नहरों एवं स्ट्रक्चरों का सुधार एवं निर्माण तथा चयनित रीच में लाईनिंग का कार्य।	पन्ना	178.63
2.	2022_WRD_189690	एस.डी.एम.एफ. के अंतर्गत 10 नं. तालाब गजाखो, कछौवा, पुरा बनवार, पिपरौआ, सिकरौदा, भोंरी, झांकरी, निकोड़ी, वहांगी खुर्द एवं परसें तालाब क्र. 2 का जीर्णोद्धार का कार्य दो वर्ष के लिए प्रबंधन, संचालन एवं रखरखाव सहित।	ग्वालियर	324.28
3.	2022_WRD_189746	एस.डी.एम.एफ. के अंतर्गत सिलपुरी जलाशय के बांध मरम्मत एवं नहर सुदृढ़ीकरण का कार्य।	कटनी	211.19
4.	2022_WRD_189749	एस.डी.एम.एफ. मद अंतर्गत केकडिया तालाब का सुधार कार्य।	बड़वानी	39.23
5.	2022_WRD_189753	एस.डी.एम.एफ. के अंतर्गत सांक नून नहर की आर.डी. 1020 मी. से 9000 मी. तक ट्विन डक्ट का निर्माण कार्य।	ग्वालियर	1941.32
6.	2022_WRD_189755	एस.डी.एम.एफ. के अंतर्गत सांक नून नहर की आर.डी. 9570 मी. से 17100 मी. तक ट्विन डक्ट का निर्माण कार्य।	ग्वालियर	1595.74
7.	2022_WRD_189756	एस.डी.एम.एफ. मद अंतर्गत छपरी जलाशय के बांध मरम्मत एवं नहर सुदृढ़ीकरण का कार्य।	कटनी	156.92
8.	2022_WRD_189760	एस.डी.एम.एफ. मद के अंतर्गत बाणसागर बांध के बाढ़ सुरक्षा कार्य के अंतर्गत ई.डी.ए. के पांच वर्षों तक रख-रखाव एवं मरम्मत कार्य।	शहडोल	917.77
9.	2022_WRD_189763	एस.डी.एम.एफ. मद के अंतर्गत बाणसागर बांध के एप्रोच रोड की मरम्मत, फिनिसिंग का कार्य, मॉडल कन्ट्रोल रूप की मरम्मत एवं झिन्ना उप बांध पर मुख्य टोपिंग का कार्य।	शहडोल	166.34
10.	2022_WRD_189771	पार्वती परियोजना के डूब से प्रभावित हो रहे परिवारों के विस्थापन हेतु आर.आर. साइट (समस्त सुविधाओं सहित) का निर्माण कार्य।	राजगढ़	1076.56
11.	2022_WRD_189774	पार्वती परियेजना के डूब से प्रभावित हो रहे ग्रामों के पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	राजगढ़	266.68
12.	2022_WRD_189776	पवई मध्यम परियोजना की फीडर नहर, दायी एवं बायी मुख्य नहर के सर्विस वैक पर डब्ल्यू.बी.एम. सड़क का निर्माण कार्य।	पन्ना	197.68
13.	2022_WRD_189777	**टर्न की पद्धति पर :** रिछरा सिरोल माइनर (दतिया सिंचाई नहर से निकलने वाली) 1000 हेक्टेर सैच्य क्षेत्र में हॉज पाइप सिंचाई पद्धति ग्रेवटी फ्लो द्वारा निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	दतिया	990.75

जी-23955/46784/2022 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल : ceproc.encwed.bpl@nic.in
फोन : 0755-2767635, फेक्स : 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक-884/2021-22/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 08.03.2022**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक : 06.04.2022 को 17.30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संसोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2022_WRD_189277	बारना परियोजना की दांयी मुख्य नहर की वितरिका क्रमांक 4 की माईनर क्रमांक-2 की सबमाईनर एम.एम. -2, एस.एम.-3 एवं एस.एम.-5 में (मिट्टी एवं पक्के कार्य)।	रायसेन	133.00
2.	2022_WRD_189408	नर्मदापुरम् शहर में नर्मदा नदी के बांये तट पर सर्किट हाउस से कोरीघाट के मध्य में अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त पिचिंग का सुधार कार्य।	नर्मदापुरम्	671.05

जी/23951/46783/2022 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरस्मेंट)**

मध्यप्रदेश में 107 वन धन केन्द्रों की स्थापना, 32 लघु वनोपज का समर्थन मूल्य घोषित

भोपाल, मध्यप्रदेश के जनजातीय बंधुओं की आमदनी बढ़ाने के लिये मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार अनूठी कार्य-योजनाओं पर अमल किया जा रहा है। अराष्ट्रीयकृत लघु-वनोपज का संग्रहण, भंडारण, प्र-संस्करण और विपणन से जुड़े वनवासियों के आर्थिक तथा कौशल उन्नयन के लिये सुविचारित प्रयास किये जा रहे हैं।

वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने बताया कि वनवासियों के हित में 32 लघु-वनोपज प्रजातियों का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित किया गया है। वनोपज की खरीदी के लिए अपनी दुकान के नाम से 179 खरीदी केन्द्र तथा लघु वनोपज के 47 गोदामों का निर्माण किया गया है। प्रधानमंत्री वन-धन विकास योजना वनवासी समाज के लिये वरदान सिद्ध हो रही है। वन मंत्री ने बताया कि इस योजना के प्रथम चरण में प्रदेश की 19 जिला यूनियनों में 107 वन-धन केन्द्र क्लस्टर की स्थापना की गई है। प्रत्येक क्लस्टर में 15 स्व-सहायता समूह हैं। प्रत्येक स्व-सहायता समूह में 20 हितग्राही शामिल रहेंगे। इन केन्द्रों पर स्थानीय स्तर पर उपलब्ध वनोपज, कृषि एवं उद्यानिकी उपज का प्राथमिक प्र-संस्करण, पैकेजिंग तथा विपणन आदि कार्य हितग्राहियों द्वारा किये जाएंगे।

लघु वनोपज प्रसंस्करण एवं अनुसंधान केन्द्र द्वारा विन्ध्य हर्बल्स ब्रान्ड के नाम से लगभग 350 प्रकार की औषधियों का निर्माण तथा विक्रय किया जा रहा है। इसके अलावा वर्तमान में प्रदेश के विभिन्न जिलों में 27 संजीवनी आयुर्वेदिक केन्द्रों की स्थापना की गई है। इन केन्द्रों पर आयुर्वेद चिकित्सकों द्वारा परामर्श दिया जा रहा है। भोपाल, औबेदुल्लागंज, देवास, जबलपुर, बड़वानी, खंडवा, ओंकारेश्वर, बुरहानपुर, खरगोन, रीवा, पश्चिम सीधी, सतना, उत्तर बालाघाट, पश्चिम छिंदवाड़ा, पूर्व छिंदवाड़ा, टीकमगढ़, उत्तर पन्ना, दक्षिण सिवनी, होशंगाबाद, उत्तर बैतूल, ग्वालियर, दक्षिण सागर, इंदौर, नई दिल्ली, डिंडोरी, छतरपुर और अनूपपुर में संजीवनी आयुर्वेदिक केन्द्र चल रहे हैं।

सर्वाधिक वन धन केन्द्र 21 सतना में खोले गये हैं। अलीराजपुर में 2, उत्तर बालाघाट में 4, दक्षिण बालाघाट में 6, पूर्व छिंदवाड़ा में 2, पश्चिम छिंदवाड़ा में 2, डिंडोरी में 8, होशंगाबाद में 3, पूर्व मंडला में 6 पश्चिम मंडला में 6, उत्तर पन्ना में 5, दक्षिण पन्ना में 1, उत्तर सिवनी में 6, दक्षिण सिवनी में 6, उत्तर शहडोल में 8, श्योपुर में 2, सीधी में 7, सिंगरौली में 7 और उमरिया में 5 वन धन केन्द्र संचालित हैं। राष्ट्रीयकृत लघु-वनोपज के शुद्ध लाभ की 15 प्रतिशत राशि से औषधीय एवं लघु वनोपज प्रजातियों के पौधा-रोपण, संवर्धन एवं क्षेत्र विकास के कार्य प्राथमिकता से किये जाते हैं। साथ ही लघु वनोपज के संवहनीय दोहन, प्राथमिक प्र-संस्करण, भंडारण एवं विपणन पर जिला यूनियनों में कुशल संस्थानों द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किये जाते हैं। अलीराजपुर में 2, उत्तर बालाघाट में 4, दक्षिण बालाघाट में 6, पूर्व छिंदवाड़ा में 2, पश्चिम छिंदवाड़ा में 2, डिंडोरी में 8, होशंगाबाद में 3, पूर्व मंडला में 6 पश्चिम मंडला में 6, उत्तर पन्ना में 5, दक्षिण पन्ना में 1, उत्तर सिवनी में 6, दक्षिण सिवनी में 6, उत्तर शहडोल में 8, श्यापुर में 2, सीधी में 7, सिंगरौली में 7 और उमरिया में 5 वन-धन केन्द्र संचालित हैं।

कृषि क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम दुनिया में मिसाल बनेगी हमारी 'ड्रोन क्रांति'

कुछ वर्षों पहले जब 'ड्रोन' का नाम लिया जाता था तो लगता था कि यह (मानव रहित हवाई वाहन या UAV) सेना से जुड़ी हुई कोई चीज है, जिसे दुश्मनों से मुकाबला करने में उपयोग किया जाता है। किंतु समय के साथ इसके उपयोग बदल रहे हैं। ड्रोन के इस्तेमाल के इस बदलते स्वरूप से आज भारत में अनेक क्षेत्रों में नई ड्रोन क्रांति शुरू हो रही है, उन क्षेत्रों में से सबसे प्रमुख है कृषि क्षेत्र। चूंकि भारत कृषि प्रधान देश है इसलिए कृषि क्षेत्र में ड्रोन क्रांति की खास अहमियत है। हाल ही में 26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस के बाद बीटिंग रिट्रीट समारोह के दौरान 1000 ड्रोनों का शानदार प्रदर्शन पूरे देश ने देखा। इतना ही नहीं, आज स्वामित्व योजना के तहत गांव में ड्रोन के जरिए जमीन व घरों का हिसाब-किताब तैयार हो रहा है, ड्रोन के जरिए दवाओं की सप्लाई हो रही है और तो और जटिल व सुदूर इलाकों में वैक्सीन भी पहुंचाई जा रही है। देश में कई जगहों पर खेतों में दवाओं का छिड़काव भी ड्रोन से शुरू हो गया है, कृषि क्षेत्र में ड्रोन के बढ़ते उपयोग को देखते हुए इसे एक नई क्रांति या ड्रोन क्रांति कहा जा सकता है जिसकी शुरुआत देश में शानदार तरीके से हो चुकी है।

क्यों जरूरी हैं ड्रोन

ड्रोन अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों में भरपूर लाभ प्रदान कर सकते हैं। इनमें कृषि, खनन, बुनियादी ढांचा, निगरानी, आपातकालीन प्रतिक्रिया, परिवहन, भू-स्थानिक मानचित्रण, रक्षा और कानून प्रवर्तन शामिल हैं। ड्रोन अपनी पहुंच, बहुमुखी प्रतिभा और उपयोग में आसानी के कारण विशेष रूप से भारत के दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में रोज़गार और आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण सृजनकर्ता हो सकते हैं। नवाचार, सूचना प्रौद्योगिकी, मितव्ययी अभियांत्रिकी और इसकी विशाल घरेलू मांग की पारंपरिक क्षमता को देखते हुए, भारत में 2030 तक वैश्विक ड्रोन हब बनने की क्षमता है। आत्मनिर्भर भारत के अपने सामूहिक दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 24 सितंबर 2021 को ड्रोन संचालन के लिए भारत के हवाई क्षेत्र का मानचित्र जारी किया था। यह मानचित्र डीजीसीए के डिजिटल स्काई प्लेटफॉर्म https://digitalsky.dgca.gov.in /home पर उपलब्ध है।

कृषि क्षेत्र में ड्रोन : टिड्डियों से बचाव, दवाओं का छिड़काव

ड्रोन क्रांति की दिशा में अपने कदम बढ़ाते हुए देश में 'राष्ट्रीय ड्रोन नीति' को अधिसूचित कर दिया गया है वहीं 'ड्रोन नियम 2021' के जरिए देश में लोगों तथा कंपनियों के लिए अब ड्रोन के स्वामित्व एवं संचालन को काफी आसान बना दिया गया है। इसकी अनुमतियों के लिए अपेक्षित शुल्क को भी नाममात्र के स्तर तक घटा दिया गया है। देश में कृषि क्षेत्र में ड्रोन के उपयोग की शुरुआत हो चुकी है। यह 21वीं सदी की आधुनिक कृषि व्यवस्था की दिशा में एक नया अध्याय है। ये शुरुआत न केवल ड्रोन सेक्टर के विकास में मील का पत्थर साबित होगी बल्कि इसमें संभावनाओं का एक अनंत आकाश भी खुलेगा जिसका सीधा फायदा देश के किसानों को मिलेगा। इससे आने वाले दिनों में भारत के किसानों का जीवन खुशहाल होगा।

बीते साल देश के विभिन्न राज्यों में टिड्डियों के प्रकोप को रोकने के लिए पहली बार ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। ऐसी परिस्थिति में भविष्य में जरूरत पड़ने पर इनका इस्तेमाल फिर से किया जा सकता है। देश में केंद्र व राज्यों की नीतियां हमेशा कृषि व कृषक को प्राथमिकता में रखकर तैयार की जाती हैं। कृषि क्षेत्र की प्रगति में किसानों व वैज्ञानिकों का योगदान बढ़-चढ़कर रहता है। हाई कैपेसिटी ड्रोन की मदद से किसान ताजी सब्जियां, फल, फूल बाजार में भेज सकते हैं। मछली पालन से जुड़े लोग तालाब, नदी या समुद्र से सीधे ताजी मछलियां बाजार भेज सकते हैं। कम समय

में मिनिमम डैमेज के साथ मछुआरों व किसानों का सामान बाजार पहुंचेगा तो किसानों और मछुआरों की आय भी बढ़ेगी। ऐसी अनेक संभावनाएं हमारे सामने दस्तक दे रही हैं। देश में कई और कंपनियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। देश में कई स्टार्टअप्स द्वारा ड्रोन प्लांटिंग सिस्टम भी विकसित किए गए हैं, जो ड्रोन को पॉड्स, उनके बीजों को शूट करने और मिट्टी में महत्वपूर्ण पोषक तत्वों को स्प्रे करने की सुविधा देते हैं। इस प्रकार, यह तकनीक लागत को कम करने के अलावा फसल प्रबंधन की निरंतरता और दक्षता को बढ़ाती है।

ड्रोन का इस्तेमाल कृषि के कई क्षेत्रों में किया जा सकता है, जैसे फसल के दबाव की निगरानी, पौधों की वृद्धि, पैदावार की भविष्यवाणी, खरपतवार नाशक, उर्वरक और पानी जैसी सामग्रियों का वितरण करना। यही नहीं, किसी भी वनस्पति या फसल के स्वास्थ्य का आकलन करने के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। खरपतवार, संक्रमण और कीटों से प्रभावित क्षेत्र व इस आकलन के आधार पर, इन संक्रमणों से लड़ने के लिए आवश्यक रसायनों का सटीक मात्रा में इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे किसान की कुल लागत में काफी कमी की जा सकती है।

किसानों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जैसे मजदूरों की अनुपलब्धता या अधिक लागत, रसायनों (उर्वरक, कीटनाशक, आदि) के संपर्क में आने से स्वास्थ्य समस्याएं, उन्हें खेत में लगाते समय, कीड़ों या जानवरों द्वारा काटने आदि। इस नजरिए से ड्रोन हरित प्रौद्योगिकी होने के लाभों के साथ इन परेशानियों से बचने में किसानों की मदद कर सकते हैं।

युवाओं पर भरोसा, नई सोच से आगे बढ़ेगी ड्रोन क्रांति

इस बार के बजट में हुई घोषणाओं से लेकर अन्य नीतिगत फैसलों में देश ने खुलकर टेक्नोलॉजी और इनोवेशन को प्राथमिकता दी है। इसके परिणाम आज हमारे सामने हैं। वर्तमान में ही हम देख रहे हैं कि ड्रोन का कितना विविध इस्तेमाल होने लगा है। भारत में ड्रोन स्टार्टअप का एक नया इको सिस्टम तैयार हो रहा है। अभी देश में 200 से ज्यादा ड्रोन स्टार्टअप काम कर रहे हैं। बहुत जल्द ही इनकी संख्या हजारों में पहुंच जाएगी। इससे ड्रोन निर्माण के क्षेत्र में भी रोज़गार के लाखों नए अवसर खुल जाएंगे। आने वाले समय में भारत का बढ़ता सामर्थ्य पूरी दुनिया को ड्रोन के क्षेत्र में नया नेतृत्व देगा। देश के लिए यह समय आजादी के अमृत काल का समय है। यह समय युवा भारत का समय है और भारत के युवाओं का समय है। पिछले कुछ समय में देश में जो रिफॉर्म्स हुए हैं युवाओं और प्राइवेट सेक्टर ने उसे एक नई ताकत प्रदान की है। ड्रोन को लेकर भारत ने आशंकाओं में समय नहीं गंवाया बल्कि देश ने युवा टैलेंट में भरोसा किया और नई सोच के साथ आगे बढ़े। राष्ट्रीय ड्रोन नीति आने के बाद अब देश में ड्रोन निर्माता कंपनियां भी सहयोग के लिए आगे आ रही हैं। इन्हीं में से एक है गरुड़ एयरोस्पेस, इसने अगले दो वर्षों में 1 लाख मेड इन इंडिया ड्रोन बनाने का लक्ष्य रखा है। इससे अनेकों युवाओं को नए रोज़गार और नए अवसर मिलेंगे।

मध्यप्रदेश को मिले पांच ड्रोन स्कूल, हर साल तैयार होंगे 2500 युवा ड्रोन पायलट

पिछले साल के आखिरी महीने यानी दिसंबर 2021 में ग्वालियर में आयोजित हुए ड्रोन मेले में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा था कि ड्रोन एक ऐसी क्रांतिकारी तकनीक है जिसका उपयोग जन-कल्याण एवं सुशासन में किया जा सकता है, उन्होंने यह भी कहा था कि ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल कर मध्यप्रदेश को अग्रणी राज्य बनायेंगे। वहीं केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने घोषणा की थी कि मध्यप्रदेश में पांच ड्रोन स्कूल ग्वालियर, भोपाल, इंदौर, जबलपुर और सतना में खुलेंगे। इन स्कूलों के जरिए ड्रोन तकनीक का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे युवाओं को रोज़गार मिलेगा। उन्होंने ग्वालियर के एमआईटीएस में ड्रोन एक्सीलेंसी सेंटर खोलने की बात भी कही थी। हाल ही में ग्वालियर में प्रदेश के पहले ड्रोन स्कूल का उद्घाटन किया गया है, इस दौरान बताया गया कि मात्र 90 दिन के भीतर सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद ग्वालियर में पहला ड्रोन स्कूल शुरू हो गया। इस ड्रोन स्कूल में हर माह 40 से 50 बच्चों को ड्रोन तकनीक में प्रशिक्षित किया जायेगा। इस प्रकार साल भर में लगभग 500 युवा ड्रोन पायलट के रूप में तैयार होंगे। ड्रोन पायलट का प्रशिक्षण प्राप्त युवा हर माह औसतन 30 हजार रुपये की आय आसानी से अर्जित कर पायेंगे। मध्यप्रदेश के पांचों ड्रोन स्कूल शुरू होने पर साल भर में लगभग ढाई हजार ड्रोन पायलट तैयार होंगे।

- रश्मि रंजन

(लेखिका, समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान - खेल

1. अंतर्राष्ट्रीय ओलिंपिक समिति का गठन किस वर्ष किया गया था?
(अ) वर्ष 1890 (ब) वर्ष 1894
(स) वर्ष 1904 (द) वर्ष 1910

2. अल्वारो मोराटो किस देश के दिग्गज फुटबॉलर हैं?
(अ) स्पेन (ब) अर्जेंटीना
(स) इंग्लैंड (द) इटली

3. वाका क्रिकेट ग्राउंड ऑस्ट्रेलिया के किस शहर में स्थित है?
(अ) सिडनी (ब) पर्थ
(स) होबार्ट (द) एडिलेड

4. इनमें से किस भारतीय खिलाड़ी ने टोक्यो ओलिंपिक-2020 में पदक नहीं जीता है?
(अ) बजरंग पूनिया
(ब) लवलीना बोरगोहेन
(स) कमलप्रीत कौर
(द) पी.वी. सिंधू

5. किस देश ने सबसे ज्यादा बार डेविस कप जीतने का रिकॉर्ड स्थापित किया है?
(अ) अमेरिका (ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) रूस (द) क्रोएशिया

6. वर्ष 2002 में किस शहर में एशियाई खेल आयोजित किए गए थे?
(अ) बैंकॉक (ब) इंचियोन
(स) दोहा (द) बुसान

7. राइडर कप किस खेल की एक प्रतिष्ठित प्रतियोगिता है?
(अ) गोल्फ (ब) घुड़सवारी
(स) शतरंज (द) टेबल टेनिस

8. वीएआर तकनीक का उपयोग किस खेल में होता है?
(अ) क्रिकेट (ब) फुटबॉल
(स) कुश्ती (द) बैडमिंटन

9. ऑस्ट्रेलिया ने वर्ष 1987 में किस खिलाड़ी की कप्तानी में क्रिकेट विश्वकप जीता था?
(अ) एलेन बॉर्डर (ब) डेविड बून
(स) स्टीव वॉ (द) ज्यॉफ मार्श

10. कैरोलिना मारिन ने किस वर्ष बैडमिंटन वर्ल्ड चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक नहीं जीता है?
(अ) वर्ष 2014 (ब) वर्ष 2015
(स) वर्ष 2017 (द) वर्ष 2018

11. इनमें से किस गेंदबाज के नाम आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड है?
(अ) डेल स्टेन
(ब) वसीम अकरम
(स) काइल मिल्स
(द) मुथैया मुरलीधरन

12. जर्मनी ने विंटर ओलिंपिक-2022 में कितने स्वर्ण पदक जीते हैं?
(अ) 8 (ब) 10
(स) 10 (द) 12

13. वर्ष 2016 में किस देश ने यूएफा यूरो कप का खिताब जीता था?
(अ) पुर्तगाल (ब) इटली
(स) फ्रांस (द) बेल्जियम

14. खेल रत्न अवॉर्ड जीतने वाले पहले खिलाड़ी हैं?
(अ) सचिन तेंदुलकर
(ब) विश्वनाथन आनंद
(स) धनराज पिल्लई
(द) लिएंडर पेस

15. एस्टाबेन ओकेन ने वर्ष 2021 में कौन-सी फॉर्मूला-वन रेस जीती थी।
(अ) हंगरियन ग्रांप्री
(ब) आबुधाबी ग्रांप्री
(स) स्पेनिश ग्रांप्री
(द) कतर ग्रांप्री

16. करीम बेंजेमा किस देश के दिग्गज फुटबॉलर हैं?
(अ) कतर (ब) मैक्सिको
(स) इंग्लैंड (द) फ्रांस

17. आईपीएल के 2022 सत्र में कितनी टीमें हिस्सा लेंगी?
(अ) आठ (ब) नौ
(स) दस (द) बारह

18. अदिति अशोक किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं?
(अ) टेनिस (ब) गोल्फ
(स) तीरंदाजी (द) एथेलेटिक्स

19. कॉमनवेल्थ गेम्स को पहले किस नाम से जाना जाता था?
(अ) ब्रिटिश एंपायर गेम्स
(ब) रॉयल ब्रिटिश गेम्स
(स) एंपायर्स चैम्पियनशिप
(द) इनमें से कोई नहीं

20. शेन वॉर्न ने टेस्ट क्रिकेट में कितने विकेट लिए हैं?
(अ) 519 (ब) 559
(स) 608 (द) 708

21. टोक्यो ओलिंपिक-2020 में किस तैराक ने सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक जीते हैं?
(अ) सेलेब ड्रेसेल
(ब) एमा मैक्केओन
(स) एरियेन टिटमस
(द) इनमें से कोई नहीं

22. ऑनलाइन चेस ओलिंपियाड-2020 में भारत किस देश के साथ संयुक्त विजेता बना था?
(अ) कजाकिस्तान
(ब) रूस (स) सर्बिया
(द) ऑस्ट्रिया

23. इनमें से किस खेल के परिसर को रेंज कहा जाता है?
(अ) निशानेबाजी
(ब) मुक्केबाजी
(स) हॉकी
(द) टेनिस

24. वर्ष 2021 में फ्रेंच ओपन में महिला एकल वर्ग में चैम्पियन बनी थीं?
(अ) एलिना रिबेकिना
(ब) इगा स्वितेक
(स) एश्ले बार्टी
(द) बारबोरा क्रेजिकोवा

25. रियो ओलंपिक-2016 में टेनिस में पुरुष एकल वर्ग में स्वर्ण पदक विजेता बने थे?
(अ) एलेक्जेंडर ज्वेरेव
(ब) राफेल नडाल
(स) एंडी मरे
(द) डेनिल मेदवेदेव

उत्तर

1. (ब), 2. (अ), 3. (ब), 4. (स), 5. (अ), 6. (द), 7. (अ), 8. (ब), 9. (अ), 10. स), 11 (स), 12. (द), 13. (अ), 14. (ब), 15. (अ), 16. (द), 17. (स), 18. (ब), 19. (अ), 20. (द), 21. (अ), 22. (ब), 23. (अ), 24. (द), 25. (स)।

- पुष्पेंद्र कुमार सविता

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

सफलता का अहम सूत्र है ज्ञान और समझ : प्रखर गुप्ता

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेन्ट ऑफ इंडिया (आई.सी.ए.आई.) की सीए फाइनल परीक्षा में इन्दौर के प्रखर गुप्ता ऑल इंडिया बाइसवीं रैंक प्राप्त कर प्रदेश और शहर में पहले नम्बर पर रहे। प्रस्तुत है रोज़गार और निर्माण के इस अंक में उनसे बातचीत के कुछ अंश -

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेन्ट ऑफ इंडिया (आई.सी.ए.आई) की सीए फाइनल परीक्षा में इन्दौर के प्रखर गुप्ता ऑल इंडिया में बाइसवीं रैंक प्राप्त कर प्रदेश और शहर में पहले नम्बर पर रहे। उनकी इस सफलता के लिए अपनाये गये तौर तरीकों को जानकर एक सुप्रसिद्ध शायर मुख्तसर उज्जैनी की यह दो पंक्तियां याद आ गईं-

'कोई तिलस्म नहीं,
ताकत-ए-हुनर है यह।
कामयाबी का यह -
सबसे मुफीद रस्ता है।।

इसी हुनरमंदी से सराबोर प्रखर से जब हमने बातचीत की तो उन्होंने हमें अपनी सफलता के बारे में विस्तार से बताया।

सवाल- इस वर्ष चार्टर्ड अकाउंटेन्ट की परीक्षा में आपने देश में बाइसवां स्थान और प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया बहुत-बहुत बधाई। क्या आपको इस सफलता की उम्मीद थी?

जवाब- बधाई के लिए धन्यवाद। मैंने इस परीक्षा के लिए जो तैयारी की थी उसके अनुरूप मुझे इससे बड़ी सफलता की उम्मीद थी फिर भी मैं इस परिणाम से निराश नहीं हूं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी हमेशा बड़ी सावधानी के साथ करनी होती है और उसमें ज़रा-सी भी चूक आपकी रैंकिंग को बड़े पैमाने पर प्रभावित कर सकती है। इस बार भी मैंने अपनी ओर से ऊँची से ऊँची रैंक की कोशिश की थी मगर कहीं कुछ कमी से पहले दस वाली रैंकिंग में शुमार नहीं हो पाया। हमारे टीचर्स तो हमें इस बारे में हमेशा यह कहते हैं कि जो कुछ हासिल हो उससे संतुष्ट होने में ही समझदारी है। रही बात हासिल से बढ़कर कुछ पाने की तो उसकी कोशिश जारी रखनी चाहिए और इसी से मैंने इस सफलता को इसी स्वरूप में स्वीकार किया।

सवाल- हमने सुना आप इस सफलता को न्यूमरोलॉजी से जोड़कर देख रहे हैं?

जवाब- ऐसा नहीं है यह सब तो संयोगवश हुआ कि मैंने इसी वर्ष यानी वर्ष 2022 में अपनी उम्र के बाइसवें साल में प्रवेश किया और सीए फाइनल की रैंकिंग भी बाइसवीं रही। मीडिया ने इस संयोग को न्यूमरोलॉजी से जोड़ दिया। मैंने तो केवल इतना भर कहा था कि वर्ष 2022 में बाइसवें साल में मेरे बाइसवें स्थान पर रहने से लगता है मेरे लिए बाइस का अंक शुभ है और यह बात चर्चा में आ गई।

सवाल- आपने प्रतियोगी परीक्षाओं में सुनिश्चित सफलता के कुछ सूत्र युवाओं को दिये हैं? क्या उसके बारे में आप कुछ बतायेंगे?

जवाब- जी हाँ, मैंने अपने अनुभव के आधार पर यह पाया कि उच्च शिक्षा में स्नातक स्तर तक की परीक्षाओं में तो आप परीक्षा की विषयवस्तु को रटकर परीक्षा में सफलता पा सकते हैं, मगर प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ ऐसा नहीं है। इन परीक्षाओं में अच्छे प्रदर्शन के लिए तीन स्तर पर गम्भीर कोशिश करनी होती है। सबसे पहले तो प्रतियोगी परीक्षा के पाठ्यक्रम को समझो। समझ अर्थात् 'अण्डरस्टैंडिंग' सबसे पहली जरूरत है, क्योंकि जब तक हम पाठ्यक्रम को समझेंगे नहीं सफलता

की दिशा में आगे नहीं बढ़ पायेंगे। दूसरा स्तर है ज्ञान प्राप्त करो। ज्ञान अर्थात् 'नॉलेज' दूसरी जरूरत है क्योंकि इसके बिना हम प्रतियोगी परीक्षा में अच्छे परिणाम की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण स्तर है इस ज्ञान का उपयोग करो। उपयोग करना अर्थात् 'एप्लाय' करना। ज्ञान को सही तौर पर एप्लाय करने से आप किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में अच्छे अंक पा सकते हैं। रटने से तौबा करना अत्यन्त जरूरी है।

सवाल- आप अपनी इस सफलता का श्रेय किसे देना चाहेंगे? आपने परीक्षा की तैयारी कैसे की थी?

जवाब- प्रतियोगी परीक्षा में सफलता का सबसे बड़ा और सबसे पहला श्रेय मैं अपने मम्मी-पापा और अपने परिवार को देना चाहूँगा, क्योंकि वे हमेशा मुझे इसके लिए प्रेरित करते रहे। मेरे पापा श्री विष्णु गुप्ता स्वयं एक प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेन्ट हैं और मैंने हमेशा उन्हें अपना आदर्श माना। मेरे टीचर्स और कोचिंग वाले सर ने भी मुझे हमेशा यह कहा कि तुम इस परीक्षा को अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हो सकते हो। मैं मित्रों और पाठ्य सामग्री प्रदान करने वाले सभी सहयोगियों को भी इस सफलता का श्रेय देना चाहूंगा। परीक्षा की तैयारी का जहाँ तक सवाल है मैं इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेन्ट ऑफ इंडिया के स्टडी मटेरियल को सबसे अच्छा मानता हूं और मैंने परीक्षा की तैयारी इसी मटेरियल से की थी।

सवाल- अखबारों में आपके बारे में लिखा है कि आप पढ़ाई के साथ-साथ 'रीक्रिएशन' के लिए वायलिन भी बजा लेते हैं?

जवाब- जी हाँ, वायलिन बजाना मेरा शौक है और मैं पढ़ाई के बीच अक्सर फिर से तरोताजा होने के लिए वायलिन बजा लेता हूँ। मुझे बचपन से ही वायलिन बजाने का शौक था और मैंने वायलिन वादन की तालीम भी ली है। मैंने वायलिन वादन में राष्ट्रीय वाद्य वादन स्पर्धा में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व भी किया है और कुछ स्पर्धा में मुझे पुरस्कार भी मिले हैं। मैंने अपने घर में ही स्टूडियो बना लिया है और अब सी.ए. करने के बाद मैं अपने इस शौक को भी पर्याप्त समय दूंगा और एक दो महीनों में ही मैं कुछ सिंगर्स के साथ सिंगल्स भी लाऊंगा।

सवाल- इस बड़ी उपलब्धि के बाद अब आपकी भविष्य की क्या योजना है?

जवाब- मैं अपने ज्ञान को विस्तार देने के लिए मैनेजमेंट कंसल्टेन्सी के क्षेत्र में कुछ नवाचार करना चाहूँगा। मैं खुशकिस्मत हूं कि मेरे पापा एक प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेन्ट हैं जो फाइनेन्स कंसल्टेंसी में एक जाने-माने नाम है। जब तक मुझे मैनेजमेंट कंसल्टेन्सी में कोई उपयुक्त अवसर नहीं मिलता है मैं उनके साथ ही सी.ए. की प्रैक्टिस करूंगा।

सवाल- आप 'रोज़गार और निर्माण' के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों को क्या संदेश देना चाहेंगे?

जवाब- मैं ऐसे तमाम साथियों को यही कहना चाहूँगा कि वे प्रतियोगी परीक्षा की तैयारियां पूरी एकाग्रता से करें और एक बात खुद से बार-बार कहें कि - 'मैं इस परीक्षा में अच्छे मार्क्स के साथ सिलेक्ट हो सकता हूं' आपका यह संकल्प, आपका यह विश्वास आपको नई एनर्जी से भर देगा। मैं एक बार फिर यह दोहराना चाहूँगा कि प्रतियोगी परीक्षा में यदि आप अण्डरस्टैंडिंग, नॉलेज और एप्लाय का त्रिस्तरीय सूत्र अपनाएंगे तो सफलता सुनिश्चित होगी।

- अस्मिता दुबे
(साक्षात्कारकर्ता, एम.बी.ए. की छात्रा हैं और शैक्षिक विषयों की अध्येता और स्वतंत्र लेखक हैं।)

मध्यप्रदेश की जनजातियां - सामान्य परिचय

मध्यप्रदेश जनजाति बाहुल्य प्रदेश है। प्रदेश में 43 जनजातियां पाई जाती हैं। धार, झाबुआ और अलीराजपुर भील जनजाति बाहुल्य जिले हैं। मण्डला, डिंडौरी, शहडोल और अनूपपुर बैगा विशेष पिछड़ी जनजाति बाहुल्य जिले हैं। सीधी, सिंगरौली, सतना, रीवा और उमरिया जिले में कोल जनजाति पाई जाती है। छिन्दवाड़ा जिले के तामिया तहसील में विशेषकर पातालकोट में भारिया नामक विशेष पिछड़ी जनजाति पाई जाती है। अशोकनगर, गुना, शिवपुरी, श्योपुर मुरैना और ग्वालियर जिलों में सहरिया विशेष पिछड़ी जनजाति पाई जाती है। इसके अतिरिक्त रतलाम, खण्डवा, खरगोन, बड़वानी, होशंगाबाद, बैतूल, छिन्दवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, सीधी, सिंगरौली, उमरिया, बुरहानपुर जिले में भी जनजाति बहुतायत संख्या में पाई जाती है। गोंड जनजाति एकमात्र ऐसी जनजाति है, जो सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में पाई जाती है। रोज़गार और निर्माण के इस अंक में मध्यप्रदेश की जनजातियों से संबंधित विभिन्न उपयोगी जानकारियां प्रकाशित की जा रही हैं।

उत्सव

गोंड जनजाति के लिंगोदेव, कोरकू जनजाति के महादेव, बैगा जनजाति के बूढ़ादेव, भारिया और सहरिया जनजाति के दूल्हादेव तथा भील जनजाति के कसूमर, खालूनदेव आदि बड़ा देव के ही रूप माने जाते हैं। देवी-देवताओं पर जनजातियों का अटूट विश्वास है। उनकी आस्था अडिग है। कुल देवता, गाम देवता के अलावा जनजाति समुदायों के गोत्र देवता भी होते हैं। गोत्र देवता पेड़-पौधे, पशु-पक्षी अथवा अन्य जीव-जन्तु हो सकते हैं। जिस जनजाति का जो प्रतीकात्मक गोत्र-देव होता है, उसे उस जनजाति के लोग संरक्षित करते और पूजते हैं। आदिवासी मृतकों की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिये उनकी समाधि-स्थल पर काष्ठ अथवा पाषाण का स्तम्भ गाड़ते एवं उसकी पूजा करते हैं।

जनजातियों के पूजा-अनुष्ठान, पर्व, त्योहार तथा मेले, मड़ई, जातरा देवी-देवताओं, गोत्र, अधिष्ठाताओं और पुरखों को पूजने, समर्पण व सम्मान भाव व्यक्त करने, स्मरण करने, विपत्तियों से रक्षा की याचना आदि के अवसर होते हैं।

भील, कोरकू, भारिया और सहरिया जनजाति प्रायः सभी हिन्दू त्योहारों के प्रति आस्थावान हैं। इनके अलावा कुछ उनके परम्परागत त्योहार-गोहरी, गल, गढ़, नवई, जतारा आदि भी होते हैं। कोरकू महादेव के साथ रावण और मेघनाथ की भी पूजा करते हैं। सूर्य-चन्द्रमा उनकी आस्था के केन्द्र हैं। भारिया जनजाति के लोग नारायण देव के साथ-साथ भीमसेन को भी पूजते हैं। देवी के रूपों के प्रति इनकी असीम आस्था है। मड़ई, मंडवा शब्द से बना है। इसका अर्थ मंडप होता है। गोंड जनजाति की मान्यता के अनुसार गुरू दौगुन और चण्डी देवी के विवाह मंडप के प्रतीक के रूप में मड़ई होती है, जिसमें विभिन्न स्थानों के चण्डी दलों को आमंत्रित किया जाता है। पारम्परिक लोक वाद्यों के उत्तेजक संगीत के साथ चण्डी मिलन का दृश्य विलक्षण और रोमांचक होता है। मेले-मड़ई, त्योहार और अनुष्ठान न केवल आदिवासी संस्कृति के संवाहक हैं, बल्कि जनजातीय आस्था के प्रतीक भी हैं।

शिल्पकलाएं

मध्यप्रदेश की जनजाति स्वभावतः कलाप्रिय हैं। दीवारों का चित्रांकन करना प्रायः सभी जनजातियों की महिलाओं को भाता है। गोंड जनजाति की महिलाएं अपने घरों की दीवारों के किनारों की सतहें ऊंची उठाकर उन्हें गेरू, कजली या नील से रंग देती हैं। गोंड जनजाति में दीवारों पर त्रिभुजाकार तथा वृत्ताकार मिट्टी की उभरी रेखाएं बनाकर उन्हें रंगों से सजाने की परम्परा प्राचीन है। ताकों खूटियां और कोठियों को अलंकृत करने से भी गोंड नहीं चूकते। वे इस कला को 'चीन्हा' कहते हैं। दरवाजों के चारों ओर बने चीन्हा के लिये दो तीन रंग प्रयुक्त होते हैं। रस्सी, मचिया, सुतली कृषि के औजार खुमरी, फंदे और धनुष-बाण गोंड स्वयं अपने ढंग से तैयार करते हैं। जिनमें उनका कला बोध परखा जा सकता है।

भारिया जनजाति के व्यक्ति बांस और छींद के पत्तों की कलात्मक सामग्री बनाने में माहिर होते हैं। दरवाजों पर चित्र उकेरना परपंरागत कला है। पेड़ों की छालों से रस्सी बनाने में भी भारिया जनजाति के व्यक्ति निपुण होते हैं। इसी प्रकार कलाभिरुचि संपन्न सहरिया जनजाति अनाज भंडारण के लिये मिट्टी की कोठी पेई बहुत सुन्दर बनाते हैं। पीली मिट्टी छुही या चूने से पुती इनके घरों की दीवारों पर अंकित चित्रों की शोभा अलग ही होती है। आंगन में मॉड़ने भी ये आकर्षक बनाते हैं।

भील जनजाति आंगन में अल्पनाएं मॉड़ते हैं। इनके भित्ति चित्र भी अपनी विशेषताओं से आकर्षित करते है। इस संदर्भ में पिथौरा-पर्व उल्लेखनीय हैं। इस पर्व पर बनाये जाने वाले चित्र भील जनजाति की पिथौरा शैली के रूप में प्रतिष्ठित हो चुके हैं। गुदने में भी इसका प्रभाव देखा जा सकता है। कोरकू भी दीवारों को चित्रित करते हैं। प्रवेश द्वार का विशेष चित्रांकन किया जाता है, जिसे गुदनी कहते हैं। गुदनी सफेद खड़िया या हिरमची लाल मिट्टी से बनाई जाती है। ठाठनी गुदनी बनाने में सिद्धहस्त मानी जाती हैं। वे गुदनी चित्रित करते समय सूपड़े में गोबर की देव मूर्ति रख कर पारम्परिक गीत गाती हैं। गुदनी मांगलिक प्रतीक मानी जाती है।

घर-गृहस्थी

मध्यप्रदेश के विभिन्न जनजाति समुदायों के आवास की अपनी-अपनी शैली है। यह शैली समुदाय विशेष की जातीय परम्परा, भौगोलिक परिस्थिति, सुरक्षा दृष्टि, लोगों की आपसी समझ, सूझ-बूझ और सामंजस्य पर अधिक निर्भर करती है। मकानों की विशिष्ट बनावट और सजावट में आदिवासियों का नैसर्गिक कला-बोध भी सहायक होता है, हालांकि आदिवासियों के आवास गृह प्रायः कच्चे होते हैं, लेकिन वे अपनी कलाभिरुचि और लगन से उन्हें स्वच्छ तथा सुंदर बनाये रखते हैं।

गोंड जनजाति के मकान मिट्टी, पुआल, लकड़ी, बांस, खाई, खपरैल तथा ताड़ पत्तों के उपयोग से निर्मित होते हैं। एक मकान 30-35 फुट लम्बा और 10-12 फुट चौड़ा होता है। घर के बीचों-बीच तीन ओर से घिरा आंगन होता है। आंगन के एक ओर लकड़ियों से घेरकर गौशाला बनाई जाती है। घर का मुख्य द्वार (फरिका) विशेष सज्जित होता है। उसे समृद्धि का सूचक माना जाता है। हर घर में एक अतिथि-कक्ष होता है, जिसे बंगला कहा जाता है। गोंड जनजाति की महिलाएं अपने घरों को नौहडोरा (भित्ति चित्र) से अलंकृत करती हैं। मकान के पीछे बाड़ी अनिवार्य मानी जाती है।

कोरकू जनजाति के व्यक्ति भी मकान तो प्रायः कच्चे ही बनाते हैं, लेकिन उनकी बसाहट विशिष्ट प्रकार की होती है। वे मकानों की दो समानांतर कतारों को एक आड़ी श्रृंखला से जोड़ देते हैं। समानांतर कतारों के बीच का फासला लगभग 40 फुट होता है। कोरकू जनजाति का विश्वास है कि इस प्रकार की विशेष बसाहट के कारण जहां परस्पर निकटता बढ़ती है, वहीं सुरक्षा की दृष्टि से भी यह शैली कारगर होती है। सहरिया आदिवासी मकानों की श्रृंखला को उल्टा 'यू' आकार देते हैं, जो एक-दूसरे से जुड़े होते हैं इस श्रृंखला को 'सहराना' कहते हैं। हर सहराना के बीच सामूहिक बैठक स्थल होता है। भील जनजाति के गांव फलियों में बंटे होते हैं। ये अपने कच्चे मकान की दीवारों और फर्श को गोबर से लीपते हैं, जबकि गोंड, बैगा, भारिया और सहरिया जनजाति के लोग दीवारों को पीली अथवा सफेद मिट्टी से पोतकर उन पर चित्रांकन करते हैं। कोरकू दीवालों की पुताई लाल मिट्टी से भी करते हैं।

मध्यप्रदेश की प्रायः सभी आदिम जनजातियों की गृहस्थी में खाट, चटाई, माचिया, अनाज कूटने की ढेकी, मूसल, चक्की (जांता), कुल्हाड़ी कृषि के औजार तथा अनाज भंडारण की कोठी आदि विभिन्न नामों से मिलते हैं। पीतल, कांसे, लोहे, एल्युमिनियम के बर्तन भी अब मिट्टी के बर्तनों का स्थान लेने लगे हैं। आखेट के लिये तीर-धनुष, मछली पकड़ने की कुमनी, ढुट्टी आदि का उपयोग भी प्रायः सभी आदिवासी करते हैं।

- लालजीराम मीना
(लेखक, आदिवासी अनुसंधान विशेषज्ञ हैं)

बढ़ रहे हैं नर्सिंग में कॅरियर के मौके

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुये आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

कोरोना संक्रमण के कारण नर्सिंग सेक्टर की डिमांड काफी बढ़ गयी है। अब कोविड-19 के बाद जिस तरह स्वास्थ्य क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट में स्वास्थ क्षेत्र के लिए अभूतपूर्व आवंटन किए जा रहे हैं, नए अस्पतालों और नए मेडिकल कॉलेजों के लिए बड़े आवंटन किए गए हैं, उससे नर्सिंग सेक्टर में कॅरियर के मौके बढ़ने की संभावनाएं दिखाई दे रही हैं।

तेजी से बढ़ रहा है नर्सिंग सेक्टर

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार भारत में करीब 15.6 लाख नर्स और 7.72 लाख सहायक नर्स हैं। जबकि देश में नर्सिंग सेक्टर की नई जरूरतों के मुताबिक इससे दोगुने नर्सिंग स्टाफ की जरूरत है। भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र में काम करने वाले लोगों में नर्सों की हिस्सेदारी सबसे अधिक 47 फीसदी होना नर्सों की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। भारत में महिला नर्सों की हिस्सेदारी करीब 88 फीसदी और पुरुष नर्सों की हिस्सेदारी करीब 12 फीसदी है। देश और दुनिया में नर्सों की कितनी मांग बढ़ रही है, इसका अनुमान स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स नर्सिंग रिपोर्ट से लगा सकते हैं। इसके अनुसार वर्ष 2030 तक विश्वभर में 57 लाख नर्सों की नई मांग बढ़ेगी।

नर्सिंग सेक्टर में कॅरियर की शैक्षणिक जरूरतें

नर्सिंग में कॅरियर बनाने के लिए फिजिक्स, केमेस्ट्री और बायोलॉजी (पीसीबी) विषयों से बारहवीं पास होना पहली जरूरत है। नर्सिंग क्षेत्र में डिग्री, डिप्लोमा और

सर्टिफिकेट के कई तरह के कोर्स कराए जाते हैं। बी.एससी. (नर्सिंग) कोर्स का विशेष आकर्षण है। यह पाठ्यक्रम चार वर्ष की अवधि का है। जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (जीएनएम) के लिए भी न्यूनतम योग्यता बारहवीं है। यह तीन वर्ष की अवधि का कोर्स है। सहायक नर्स मिडवाइफ/हेल्थ वर्कर (एएनएम) का डिप्लोमा कोर्स दो वर्ष की अवधि का है। इसी तरह कुछ संस्थानों द्वारा नर्सिंग सहायक (जनरल ड्यूटी असिस्टेंट) का शॉर्ट टर्म कोर्स भी कराया जाता है, जिसे बारहवीं के बाद किया जा सकता है। नर्सिंग क्षेत्र में बेहतर संभावनाओं के लिए कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, क्रिटिकल केयर आदि सुपर स्पेशलिटी में विशेष शिक्षण-प्रशिक्षण भी प्राप्त किया जा सकता है। जो युवा नर्सिंग के क्षेत्र में अध्यापन को अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं, वे बी.एससी. (नर्सिंग) करने के उपरांत एम.एससी. (नर्सिंग) कर सकते हैं, जो दो वर्ष का पाठ्यक्रम होता है।

वस्तुतः नर्सों की कार्यक्षमता के मुताबिक उनकी भूमिकाएं कई प्रकार की होती हैं। हॉस्पिटल, नर्सिंग होम आदि में नर्सिंग का काम करने वाले को जनरल नर्स कहा जाता है। इनके मुख्य कार्य में डॉक्टर के काम में सहयोग, मरीजों की देखभाल, प्रशासनिक जिम्मेदारियां आदि शामिल होती हैं। मिडवाइफ श्रेणी में वे नर्स आती हैं, जिनकी विशेषज्ञता गर्भवती महिलाओं का ख्याल रखना और बच्चों के जन्म के दौरान सहायता मुहैया करना है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराने वाले नर्सिंग से जुड़े युवा हेल्थ वर्कर कहलाते हैं।

नर्सिंग सेक्टर में कॅरियर की विशेष स्किल्स

नर्स का कार्य मानव सेवा की भावना से ओत-प्रोत कार्य है। नर्स का कार्य सुनने में जितना सहज एवं आसान लगता है, वास्तव में यह उतना ही उत्तरादायित्वपूर्ण कार्य है। नर्स का स्वभाव दयालु होना चाहिए, विषम परिस्थितियों में काम करने की क्षमता होनी चाहिए, सहनशक्ति और किसी भी ब्रेक के बिना लंबे घंटों तक काम करने की क्षमता होनी चाहिए। नर्स में धैर्य का गुण होना चाहिए, अच्छा संचार कौशल होना चाहिए, नर्स को अनुशासन एवं कार्य पर पूर्ण ध्यान केंद्रित करने के गुणों से युक्त होना चाहिए। एक कुशल नर्स रोगियों की भावनाओं तथा मनोविज्ञान को अच्छी तरह समझकर उनकी उचित देखभाल कर सकती है। नर्सिंग सेक्टर में अच्छा कॅरियर बनाने के लिए कम्प्यूटर दक्षता और मनोविज्ञान की समझ भी लाभप्रद है।

नर्सिंग सेक्टर में कॅरियर के मौके

निःसंदेह नर्सिंग सेक्टर अपार संभावनाओं वाला कॅरियर क्षेत्र है। कोरोना संक्रमण और स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के चलते देश के कोने-कोने में जिस तरह से सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए व्यापक संसाधन जुटा रही है, लगातार नये-नये अस्पताल खुल रहे हैं, नर्सिंग होम्स तथा क्लीनिक्स खुल रहे हैं, उसी गति से नर्सिंग सेक्टर में कॅरियर के मौके भी बढ़ रहे हैं। नर्सों के लिए बड़ी संख्या में नौकरी के मौके सरकारी और निजी अस्पतालों में हैं। अनाथाश्रम, वृद्धाश्रम, आरोग्य निवास एवं रक्षा सेवाओं, इन्डियन रेडक्रॉस सोसाइटी आदि में भी रोज़गार के विविध अवसर हैं। यूएस, कनाडा, इंग्लैण्ड तथा मिडिल ईस्ट सहित दुनिया के विभिन्न देशों में नर्सों के लिए अच्छे वेतन व सुविधाओं के साथ कॅरियर के प्रचुर मौके उपलब्ध हैं।

निःसंदेह कोरोनाकाल के बीच नर्सों की बढ़ती हुई मांग के बाद अब जिस तरह से सरकार स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत कर रही है, उससे नर्सिंग सेक्टर और अधिक तेजी से बढ़ता हुआ कॅरियर विकल्प बन गया है। जो युवा नर्सिंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहते हैं, उन्हें चाहिए कि वे देश के कोने-कोने में स्थित विभिन्न नर्सिंग कॉलेजों में से अपनी उपयुक्तता के अनुरूप किसी गुणवत्तापूर्ण शिक्षण-प्रशिक्षण देने वाले कॉलेज का चयन करके अपने अनुकूल नर्सिंग कोर्स को सुनिश्चित करके नर्सिंग सेक्टर में कॅरियर की सुनहरी राह पर आगे बढ़ें ।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक, कॅरियर मार्गदर्शन के लिये लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध है धार जिला

मध्यप्रदेश के दक्षिण-पश्चिमी भाग में स्थित धार जिले का प्रशासनिक मुख्यालय धार है। यह इंदौर संभाग का एक भाग है। धार जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्र 8153 वर्ग किलोमीटर है और इस प्रकार यह मध्यप्रदेश के कुछ सबसे बड़े जिलों में से एक है। जिले का आकार अनियमित पंचभुज कोण के समान है। इसके उत्तर में रतलाम, उज्जैन जिले तथा पूर्व और उत्तर पूर्व में इंदौर जिला और पश्चिम में झाबुआ जिला है। यह जिला तीन भू-आकृतिक भागों में फैला हुआ है। ये हैं उत्तर में मालवा का पठार, मध्य क्षेत्र में विंध्याचल पर्वत माला और दक्षिण सीमा के साथ-साथ फैली नर्मदा घाटी, तथापि दक्षिण-पश्चिमी भाग में पहाड़ियों के कारण घाटी पुनः अवरुद्ध हो गयी है। धार जिले का पर्यटन की दृष्टि से विशेष महत्व है, जिले में कई ऐतिहासिक महत्व के स्थल मौजूद हैं। धार नगर अपने आप में अति प्राचीन है। यहां भोजशाला, धार का किला, राजाओं की छत्री, राजवाड़ा, धारेश्वर मंदिर, कालिका मंदिर, आनन्देश्वर मंदिर, लाट मस्जिद आदि अनेक दर्शनीय स्थल स्थित हैं।

इतिहास

धार जिला ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान रखता है। पहले यह धारा नगरी के नाम से जाना जाता था। 1857 की स्वतंत्रता की लड़ाई में भी धार महत्वपूर्ण केंद्र था। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने धार के किले पर अपना कब्जा कर लिया था। जिले में स्थित बाग भी राष्ट्रीय महत्व का स्थान है। बाग नदी के किनारे स्थित गुफाएं ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण हैं। यहां पर 5वीं और 6वीं शताब्दी की चित्रकला भी देखी जा सकती है। यहां की बौद्धकला भारत ही नहीं एशिया में भी प्रसिद्ध है। परमारों ने नवीं शताब्दी से तेरहवीं शताब्दी तक मालवा के समीपवर्ती इस विशाल क्षेत्रफल पर 400 वर्षों तक राज किया। परमारों में सबसे अधिक प्रसिद्ध भोजदेव प्राचीन भारत के एक यशस्वी राजा थे। उनका नाम न केवल सैनिक रूप में, बल्कि एक निर्माता, एक विद्वान तथा एक लेखक के रूप में भारत के इतिहास में दर्ज है। उन्होंने अपनी राजधानी उज्जैन से धार स्थानांतरित कर दी थी, जहां उन्होंने संस्कृत के अध्ययन के लिये एक विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। इसे भोजशाला कहा जाता है। उन्होंने धार का पुनर्निर्माण किया तथा भोपाल के पास भोजपुर की स्थापना की। साथ ही भोजपुर स्थित भव्य मंदिर सहित अनेक शिव मंदिरों का निर्माण किया। सन् 1305 ई. में धार तथा माण्डू पर अधिकार करते ही सम्पूर्ण मालवा अलाउद्दीन खिलजी के हाथों में आ गया। धार मुहम्मद द्वितीय के शासन काल तक दिल्ली के सुल्तानों के अधीन रहा। उस समय दिलावर खान घुरी मालवा का सूबेदार था। 1401 ई. में उसने शासन की बागडोर संभाली तथा स्वतंत्र मालवा राज्य की स्थापना की और उसने धार को अपनी राजधानी बनाया। आगे चलकर अकबर के प्रशासनिक संगठन में धार, मालवा सूबा के अंतर्गत माण्डू उस सरकार का मुख्य नगर था। जब 1832 में बाजीराव पेशवा ने मालवा को सिंधिया, होलकर तथा तीन पवार सरदारों में बांट दिया, तब धार आनन्द राव पवार को दे दिया गया। 1857 की महान क्रांति के बाद, तीन वर्षों की संक्षिप्त अवधि को छोड़कर 1948 तक इस क्षेत्र पर धार के शासकों का शासन बना रहा।

यह जिला कृषि उपज के उत्पादन और व्यवसाय का प्रमुख केंद्र है। ज्वार-बाजरा, मक्का, दालें और कपास यहां की प्रमुख फसलें हैं। माही, नर्मदा व चंबल नदी का पानी यहां की खेती को उन्नत बनाता है। उच्च गुणवत्ता का सोयाबीन भी धार जिले में उत्पादित किया जाता है। इसके अलावा पर्यटन से मिलने वाला राजस्व भी इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाता है। धार जिले का पीथमपुर क्षेत्र बहुत तेजी से एक औद्योगिक विकास केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। यहां वाहनों की प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा अपनी यूनिट लगाई गई हैं, जहां हर तरह के वाहनों का उत्पादन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त यहां सीमेंट, विद्युत उपकरण, लोहे के तार, फूड प्रिजरवेशन, दवाएं, रसायन, धागा आदि भी बनाया जाता है। इन उद्योगों से जिले की अर्थव्यवस्था को मजबूती और हजारों लोगों को रोज़गार मिलता है।

अन्य प्रमुख तथ्य

- पश्चिमी मध्यप्रदेश के मालवा क्षेत्र में स्थित यह जिला बेरन पहाड़ियों से घिरा है। धार का प्राचीन नाम धारा नगरी था।
- धार के पवार वंश की ऐतिहासिक छत्रियों को राज्य शासन ने पुरातात्विक महत्व की दृष्टि से राज्य संरक्षित स्मारक घोषित किया है।
- जिले के बाग में 1818 में खोजी गई बौद्ध कालीन गुफाएं अतिप्राचीन होकर जिले के समृद्ध इतिहास का प्रमाण हैं। ये गुफाएं अजंता और एलोरा की गुफाओं से काफी समानता रखती हैं।
- चौदहवीं शताब्दी के आसपास सुल्तान मुहम्मद विन तुगलक द्वारा लाल बलुआ पत्थरों से निर्मित कराया गया धार का किला आज भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाये हुये है।
- धार बाजीराव पेशवा द्वितीय की जन्मस्थली भी रही है।
- जिले के बाग नामक स्थान में जीवाश्म अभ्यारण्य की स्थापना की गयी है, जिसमें प्राचीन वृक्षों एवं डायनासोर के जीवाश्म संग्रहित किये गये हैं। इसके अतिरिक्त निसरपुर जनपद पंचायत के ग्राम कोटेश्वर में नर्मदा किनारे बना मंदिर एवं घाट, सादलपुर का जल महल, अमझेरा का किला व अमका झमका मंदिर, मोहनखेड़ा जैन तीर्थ, भोपावर स्थित शांतिनाथजी का मंदिर, गंगा महादेव, बदनावर का उड़िया मंदिर आदि भी जिले के प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं।
- धार जिले का माण्डव या मांडू एक विश्व विख्यात ऐतिहासिक पर्यटन स्थल है। जहां प्रतिवर्ष हजारों विदेशी पर्यटक आते हैं। यह शहर धार से लगभग 35 किलोमीटर और इंदौर से 100 किलोमीटर दूर स्थित है। माण्डव अपनी सामरिक स्थिति और प्राकृतिक रूप से अभेद्य होने के कारण अपने दिनों में एक महत्वपूर्ण सैन्य चौकी थी। मांडू अपने अद्भुत किले के लिये भी प्रसिद्ध है। यह किला 82 किलोमीटर की परिधि में है और इसे भारत में सबसे बड़ा किला माना जाता है। मांडू में 40 से अधिक स्मारक हैं। चंपा बावड़ी, 15वीं शताब्दी की विशाल जामी मस्जिद, खूबसूरत जहाज महल, हिंडोला महल, बाज महल, रूपमती का मंडल और होशंग शाह का मकबरा वास्तुकला की कुछ अनमोल धरोहरे हैं और पर्यटक इन्हें विशेष रूप से देखना पसंद करते हैं। मांडू में एक विशिष्ट प्रकार की खुरासानी इमली के वृक्ष भी लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचते हैं।
- यहां के फॉसिल पार्क में डायनासोर के अंडे एवं पुरातात्विक अवशेष संग्रहित किये गये हैं।
- माण्डव को सिटी ऑफ जॉय (आनंद की नगरी) कहा जाता है तथा राजा बाज बहादुर और रानी रूपमती की प्रणय स्थली के रूप में भी जाना जाता है।

महत्वपूर्ण तथ्य

(सभी आंकड़े 2011 की जनगणना के अनुसार)

1. जिले का गठन- 1 नवम्बर 1956 (म.प्र. स्थापना के समय)
2. संभाग- इंदौर
3. जिला मुख्यालय-धार
4. क्षेत्रफल- 8,153 वर्ग किलोमीटर
5. जनसंख्या- 21,85, 793
   पुरुष- 11,12,725
   महिला- 10,73,068
6. जनसंख्या घनत्व- 268 वर्ग किलोमीटर
7. साक्षरता- 60.57 प्रतिशत
8. साक्षरता दर, पुरुष- 71.12 प्रतिशत
9. साक्षरता दर, महिला- 49.69 प्रतिशत
10. लिंगानुपात - 961
11. विकासखंड-13, (धार, नालछा, तिरला, सरदारपुर, बदनावर, कुक्षी, डही, बाग, निसरपुर, धरमपुरी, मनावर, गंधवानी और उमरबन)
12. विधानसभा क्षेत्र- 7 (धार, कुक्षी, गंधवानी, धरमपुरी, मनावर, सरदारपुर, बदनावर)
13. ग्राम पंचायत- 761
14. पटवारी हल्का- 1326
15. राजस्व ग्राम- 1625
16. तहसील- 9 (धार, कुक्षी, बदनावर, सरदारपुर, गंधवानी, मनावर, धरमपुरी, डही, पीथमपुर)
17. प्रमुख नदियां- नर्मदा, चंबल और माही
18. भाषा/बोलियां- हिन्दी, मालवी

- रीता मोदी

(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

खेल चर्चा

भारत करेगा शतरंज ओलिंपियाड की मेजबानी

बेंगलुरु, भारत को इस वर्ष आयोजित होने वाले 44वें शतरंज ओलिंपियाड की मेजबानी मिल गई है। अखिल भातीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अध्यक्ष डॉ. संजय कपूर ने बताया कि पहले इस टूर्नामेंट का आयोजन 26 जुलाई से आठ अगस्त तक रूस की राजधानी मॉस्को में होना था, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने रूस से शतरंज ओलिंपियाड सहित सभी प्रतियोगिताएं हटाने और इनकी मेजबानी अन्य देशों को सौंपने का फैसला किया था। इसके बाद शतरंज ओलिंपियाड के लिए नए सिरे से बोली लगाई, जिसमें एआईसीएफ ने इसकी मेजबानी हासिल की। एआईसीएफ इन टूर्नामेंट का आयोजन चेन्नई में करेगा, हालांकि अभी तारीखें घोषित नहीं की गई हैं। शतरंज ओलिंपियाड में 190 देशों की टीमें हिस्सा लेती हैं।

अर्मांड डुप्लेंटिस ने पोल वोल्ट में बनाया विश्व रिकॉर्ड

बेलग्रेड, स्वीडन के दिग्गज खिलाड़ी अर्मांड डुप्लेंटिस ने पोल वॉल्ट में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है। डुप्लेंटिस ने बेलग्रेड इंडोर प्रतियोगिता में 6.19 मीटर की जंप लगाई। यह पोल वॉल्ट में इंडोर कैटेगरी में सबसे ऊंची जंप का नया विश्व रिकॉर्ड है। इससे पहले डुप्लेंटिस ने फरवरी 2020 में ग्लास्गो में 6.18 मीटर का रिकॉर्ड बनाया था। डुप्लेंटिस के नाम पोल वॉल्ट में आउटडोर कैटेगरी में भी सबसे ऊंची जंप (6.15) का भी विश्व रिकॉर्ड दर्ज है। डुप्लेंटिस ने पिछले वर्ष टोक्यो ओलिंपिक में 6.02 मीटर जंप लगाकर स्वर्ण पदक जीता था।

रोमन फरजर ने चौथी बार जीती क्रॉस कंट्री स्की मैराथन

सेंट मॉरिट्ज, स्विट्जरलैंड के दिग्गज स्कीयर रोमन फरजर ने एंगेडिन स्की क्रॉस कंट्री मैराथन का खिताब अपने नाम किया है। फरजर ने चौथी बार यह मैराथन जीती है। फरजर ने अपने हमवतन स्कीयर डारियो कोलोना को हराकर जीत दर्ज की। फरजर ने यह मैराथन एक घंटा 35 मिनट 59.5 सेकेंड में पूरी की। ये डारियो कोलोना के प्रोफेशनल कॅरियर की आखिरी क्रॉस कंट्री मैराथन रेस थी। महिला वर्ग में क्रॉस कंट्री मैराथन का खिताब स्विट्जरलैंड की केलिन नादजा ने जीता। नादिया ने फ्रांस की कोपार्ड लिलियर सेलिने को हराया।

एटीपी ने एलेक्जेंडर ज्वेरेव पर लगाया प्रतिबंध

एकापुल्को, विश्व टेनिस की शीर्ष संस्था एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल (एटीपी) ने जर्मनी के युवा टेनिस स्टार एलेक्जेंडर ज्वेरेव को आठ सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया है। ज्वेरेव पर यह प्रतिबंध मैक्सिकन ओपन (एकापुल्का एटीपी 500) टूर्नामेंट के दौरान अंपायर से दुर्व्यवहार करने के कारण लगाया गया है। ज्वेरेव ने मैक्सिकन ओपन में पुरुष युगल वर्क का मैच गंवाने के बाद अंपायर को अपशब्द कहे तथा अंपायर की कुर्सी पर कई बार रैकेट मारा। एटीपी ने ज्वेरेव के व्यवहार को शर्मनाक बताया। एटीपी ने ज्वेरेव पर 25 हजार डॉलर का जुर्माना भी लगाया और कहा कि ज्वेरेव आठ सप्ताह तक किसी भी टेनिस स्पर्धा में भाग नहीं ले सकेंगे। उल्लेखनीय है कि ज्वेरेव वर्ष 2020 में यूएस ओपन के उपविजेता तथा टोक्यो ओलिंपिक में पुरुष एकल वर्ग के स्वर्ण पदक विजेता रहे हैं।

भारत ने श्रीलंका को टेस्ट सीरीज में 2-0 से किया क्लीन स्वीप

बेंगलुरु, भारतीय क्रिकेट टीम का क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में जीत का सिलसिला बरकरार है। भारतीय टीम ने ट्वेंटी-20 सीरीज के बाद टेस्ट सीरीज में भी श्रीलंका को क्लीन स्वीप किया है। भारत ने बेंगलुरु में खेले गए टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में श्रीलंका को 238 रन से हराया। इससे पहले भारत ने सीरीज का पहला मैच पारी और 222 रन से जीता था।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने डे-नाइट टेस्ट मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। भारतीय सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल मैच के दूसरे ओवर में नोबॉल पर रन आउट हो गए। वहीं रोहित शर्मा (15) भी जल्द पवेलियन लौट गए। हनुमा विहारी (31) और विराट कोहली (23) ने पारी को आगे बढ़ाया। स्पिन गेंदबाजी की मुफीद पिच पर श्रीलंकाई स्पिनरों ने बेहतरीन गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को थामे रखा। हालांकि एक छोर पर श्रेयस अय्यर टिके रहे। अय्यर ने शानदार 92 रनों की पारी खेली। वहीं दूसरे छोर पर लगातार विकेट गिरने से भारतीय टीम पहली पारी में 252 रन ही बना सकी।

श्रीलंका के बल्लेबाजों ने पहली पारी में बेहद खराब प्रदर्शन किया। टीम के तीन बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा छू सके। श्रीलंका के लिए एंजेलो मैथ्यूज ने 43, निरोशन डिकवेला ने 21 तथा धनंजय डिसिल्वा ने 10 रन बनाए। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी ने स्पिन ट्रैक पर जबरदस्त गेंदबाजी का प्रदर्शन किया। बुमराह ने 5 तथा शमी ने 2 विकेट लिए। श्रीलंकाई टीम पहली पारी में 109 रन ही बना सकी।

- **भारत ने घरेलू मैदान पर लगातार 15वीं बार टेस्ट सीरीज जीती है।**
- **भारत दिसंबर 2012 के बाद घरेलू मैदान पर एक भी टेस्ट सीरीज नहीं हारा है।**
- **भारत ने अब तक चार में से तीन डे-नाइट टेस्ट मैच जीते हैं।**
- **डे-नाइट टेस्ट मैच की दोनों पारियों में अर्धशतक बनाने वाले श्रेयस पहले भारतीय बल्लेबाज बने हैं।**
- **मैच में ऋषभ पंत ने 28 गेंदों में अर्धशतक जमाया। ऋषभ टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए है।**
- **ऋषभ टेस्ट क्रिकेट में मैन ऑफ द सीरीज बनने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर भी बन गए हैं।**
- **रविचंद्रन अश्विन टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में आठवें स्थान पर आ गए हैं।**
- **अश्विन ने 442 विकेट लेकर डेल स्टेन (439) को पीछे छोड़ा।**
- **अश्विन आईसीसी टेस्ट चैम्पियनशिप में 100 विकेट लेने वाले विश्व के पहले गेंदबाज बने।**

पहली पारी में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल करने के बाद भारतीय बल्लेबाजों ने दूसरी पारी में शानदार बल्लेबाजी की। टीम को रोहित और मयंक ने बढ़िया शुरुआत दिलाई। मयंक ने 22 तथा रोहित ने 46 रन बनाए। इनके बाद ऋषभ पंत (50) और श्रेयस अय्यर (67) ने तेजी से रन बनाए। भारतीय टीम ने 9 विकेट पर 303 रन बनाकर पारी घोषित की। जीत के लिए मिले 447 रनों के लक्ष्य के सामने श्रीलंका की टीम ने थिरिमाने का विकेट जल्द गंवाने के बाद टिकने का माद्दा दिखाया। दिमुथ करूणारत्ने (107) और कुशल मेंडिस (54) ने दूसरे विकेट के लिए 97 रन जोड़े, लेकिन मेंडिस के आउट होने के बाद श्रीलंकाई बल्लेबाजी क्रम धराशाई हो गया। श्रीलंका की टीम 208 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

झूलन ने महिला विश्वकप में लिए सबसे ज्यादा विकेट

हैमिल्टन, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने आईसीसी महिला क्रिकेट विश्वकप में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। झूलन महिला क्रिकेट विश्वकप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई हैं। झूलन ने यह उपलब्धि विश्वकप में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए मुकाबले के दौरान हासिल की। झूलन ने महिला विश्वकप में अब तक 31 से अधिक मैचों में 40 से ज्यादा विकेट लिए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की लिन फुलस्टोन के नाम था। फुलस्टोन ने 20 मैचों में 39 विकेट झटके थे। झूलन के नाम महिला एक दिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा (250) विकेट लेने का भी रिकॉर्ड दर्ज है। झूलन ने कहा है कि ये उनके कॅरियर का आखिरी वनडे विश्वकप है।

निखत और लवलीना को मिला एशियन गेम्स का टिकट

नई दिल्ली, भारत की युवा मुक्केबाज निखत जरीन और लवलीना बोरगोहेन ने इस वर्ष चीन के हांगझोऊ में आयोजित होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम में अपना स्थान पक्का कर लिया है। इन दोनों मुक्केबाजों ने एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में अपने-अपने वर्ग में जीत दर्ज की। लवलीना ने 69 किलोग्राम भारवर्ग के फाइनल में पूजा को तथा जरीन ने 51 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीत चुकी मंजू रानी को हराया। निखत ने हाल ही में स्ट्रैंजा मेमोरियल टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता था। वहीं लवलीना ने टोक्यो ओलिंपिक में देश के लिए कांस्य पदक जीता है। निखत जरीन और लवलीना बोरगोहेन ने विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के लिए भी क्वालिफाई किया है।

आईपीएल-2022 में लागू होंगे नए नियम

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि आईपीएल 2022 नए नियमों के साथ खेला जाएगा। अब आईपीएल में डीआरएस से लेकर कैच आउट और रन आउट के नियम भी बदल गए हैं। वहीं कोरोना के खतरे को ध्यान में रखते हुए टूर्नामेंट के शेड्यूल में भी बदलाव की संभावना रखी गई है। अगर कोरोना के कारण कोई टीम पूरे 11 खिलाड़ी (जिसमें कम से कम सात भारतीय होने जरूरी हैं) मैदान में नहीं उतार पाती है तो वह मैच फिर से आयोजित कराया जाएगा।

आईपीएल में पहले कुल मिलाकर मैच में दोनों टीमों के पास चार डीआरएस होते थे। एक टीम के पास दो डीआरएस होते थे, जिनमें से एक बल्लेबाजी और एक गेंदबाजी के दौरान इस्तेमाल किया जा सकता था। अब मैच में कुल 8 डीआरएस होंगे।

बीसीसीआई ने तय किया है कि आईपीएल 2022 में एमसीसी के नए नियम भी लागू किए जाएंगे। अब किसी बल्लेबाज के कैच आउट होने पर नए बल्लेबाज को ही अगली गेंद खेलनी होगी। अब आईपीएल में भी मांकड़िंग को रन आउट की श्रेणी में माना जाएगा।

अगर नॉन स्ट्राइक में खड़ा कोई बल्लेबाज गेंद फेंकी जाने से पहले क्रीज छोड़ देता है और गेंदबाज गिल्लियां बिखेर देता है तो उसे रन आउट माना जाएगा। अगर प्लेऑफ या फाइनल मैच टाई हो जाता है और सुपर ओवर नहीं हो पाता है तो अंकतालिका में ऊपर रहने वाली टीम को विजेता घोषित किया जाएगा।

रोनाल्डो ने सबसे ज्यादा गोल करने का बनाया रिकॉर्ड

मैनचेस्टर, पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने फुटबॉल इतिहास में सबसे अधिक गोल करने के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। रोनाल्डो ने यह रिकॉर्ड अपने 806वें गोल के बाद तोड़ा है। रोनाल्डो ने यह उपलब्धि इंग्लिश प्रीमियर लीग में मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए खेलते हुए टॉटनहम के खिलाफ मैच में हासिल की। रोनाल्डो के गोलों की संख्या अब 807 हो गई है। पहले यह रिकॉर्ड चेक रिपब्लिक के महान खिलाड़ी जोसेफ बाइकन के नाम था। रोनाल्डो इंटरनेशनल मैचों में सबसे ज्यादा गोल का रिकॉर्ड पिछले साल ही अपने नाम कर चुके हैं। मैच का पहला गोल 25 यार्ड से रोनाल्डो ने ही एक तेज तर्रार रॉकेट किक से किया था। इसके कुछ मिनट बाद रोनाल्डो ने अपना 806वां गोल करते ही उन्होंने यह शानदार रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

रोनाल्डो के इस प्रदर्शन की मदद से मैनचेस्टर यूनाइटेड ने यह मैच 3-2 से जीता। रोनाल्डो ने पिछले साल जनवरी में ही ब्राजील के महान फुटबॉलर पेले का रिकॉर्ड तोड़ दिया था। उस वक्त पेले के ऑफिशियल अकाउंट पर 757 गोल दिखाये गये थे। रोनाल्डो के आगे निकलते ही पेले के रिकॉर्ड में भी बदलाव हो गया था।

श्रेयस अय्यर

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुने गए

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने फरवरी माह के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार का ऐलान किया। भारत के युवा बल्लेबाज श्रेयस अय्यर पुरुष वर्ग में प्लेयर ऑफ द मंथ चुने गए।

श्रेयस के अलावा प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए संयुक्त अरब अमीरात के वृत्य अरविंद और नेपाल के दीपेन्द्र सिंह को भी नामांकित किया गया था। श्रेयस ने अपने प्रदर्शन की बदौलत इन दोनों खिलाड़ियों को पछाड़कर यह प्रतिष्ठित पुरस्कार हासिल किया।

श्रेयस ने फरवरी महीने में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे तथा श्रीलंका के खिलाफ ट्वेंटी-20 सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के तीसरे मैच में श्रेयस को सूर्यकुमार यादव की जगह भारतीय टीम में जगह मिली। श्रेयस ने इस मैच में 80 रनों की बेहतरीन पारी खेल भारत को जीत दिलाई। इसके

बाद श्रेयस को विराट कोहली की गैरमौजूदगी में श्रीलंका के खिलाफ ट्वेंटी-20 सीरीज में तीसरे क्रम पर खेलने को मिला। श्रेयस ने सीरीज के तीनों मैचों में अर्धशतक बनाए और मैन ऑफ द सीरीज चुने गए।

महिला वर्ग में एमिलिया केर बनीं विजेता

महिला वर्ग में आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर एमिलिया केर को चुना गया। केर ने फरवरी माह में भारत के खिलाफ खेली गई वनडे सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 5 मैचों में 353 रन बनाए और 7 विकेट लिए थे। केर ने इस सीरीज में तीन अर्धशतक भी बनाए। फरवरी माह में प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए एमेलिया केर के अलावा भारत की मिताली राज और दीप्ति शर्मा को भी नामांकित किया गया था।

- **श्रेयस अय्यर प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार जीतने वाले चौथे भारतीय क्रिकेटर हैं।**
- **श्रेयस से पहले ऋषभ पंत, रविचंद्रन अश्विन और भुवनेश्वर कुमार भी यह खिताब हासिल कर चुके हैं।**
- **श्रेयस ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने पर्दापण टेस्ट मैच में बनाया था अर्द्धशतक।**
- **एमिलिया केर प्लेयर ऑफ द मंथ बनने वाली न्यूजीलैंड की पहली महिला क्रिकेटर हैं।**

आईसीसी ने महिला क्रिकेट के लिए शुरू किया नया अभियान

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए महिला क्रिकेट का 100 प्रतिशत क्रिकेट वर्ष अभियान शुरू किया है। आईसीसी ने कहा कि महिला क्रिकेट का 100 प्रतिशत क्रिकेट वर्ष अभियान क्रिकेट में बदलाव लाने और खेल के विकास में तेजी लाने के लिए चलाया गया है। इस अभियान का उद्देश्य क्रिकेट के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना है।

आईसीसी के इस अभियान को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान और बल्लेबाज मिताली राज ने भी समर्थन दिया है। मिताली ने कहा कि इस अभियान के जरिए मैं इस अद्भुत खेल को अपनाने के लिए अधिक से अधिक युवा लड़कियों को प्रशिक्षित करूंगी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : यूगल से साभार)

सामयिकी

सड़क निर्माण के क्षेत्र में बना रिकॉर्ड

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने सड़क निर्माण के लिए 100 घंटे में बिटुमिनस मिक्स की अधिकतम मात्रा तैयार करने का रिकॉर्ड बनाने के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किए हैं। इसके साथ ही रिकॉर्ड के ताज में एक और रत्न जुड़ गया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने ट्वीट्स की एक श्रृंखला में बताया कि 100 घंटे में सबसे लंबे लचीले फुटपाथ (डीबीएम कोर्स) सड़क निर्माण का काम पीएनसी इंफ्राटेक लिमिटेड को दिया गया था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पीएनसी इंफ्राटेक लिमिटेड ने गुजरात राज्य के पंचमहल जिले (सीएच 780+920 से सीएच-803+420, डिजाइन सीएच-328+500 से सीएच-351+000) में भारतमाला परियोजना के तहत दिल्ली-बडोदरा ग्रीनफील्ड एलाइनमेंट (एनएच-148एन) खंड पर भमिया गांव के पास एनएच-47 के साथ जंक्शन से शुरू होकर बलेतिया गांव में एसएच-175 के साथ जंक्शन पर समाप्त होने वाले 8-लेन एक्सेस-नियंत्रित एक्सप्रेसवे के निर्माण में यह अविश्वसनीय उपलब्धि हासिल की है।

गुजरात में प्रधानमंत्री

11वें खेल महाकुंभ का उद्घाटन

सफलता का एक ही मंत्र है - दीर्घकालिक योजना और निरंतर प्रतिबद्धता

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद में 11वें खेल महाकुंभ का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ खेल महाकुंभ नहीं बल्कि गुजरात की युवा शक्ति का महाकुंभ भी है। गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में इस गेम्स की शुरुआत करने वाले प्रधानमंत्री ने कहा, '12 साल पहले मैंने जो बीज बोया था, वह आज एक भव्य वटवृक्ष बन गया है।' 2010 में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में 16 खेलों और 13 लाख प्रतिभागियों के साथ शुरू हुए खेल महाकुंभ में आज 36 खेल और 26 पैरा स्पोर्ट्स शामिल हैं। 11वें खेल महाकुंभ के लिए 45 लाख से ज्यादा खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। प्रधानमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं के नेतृत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, 'स्टार्टअप इंडिया से लेकर आज स्टैंडअप इंडिया तक। मेक इन इंडिया से लेकर आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल तक, नए भारत के हर अभियान की जिम्मेदारी भारत के युवाओं ने खुद आगे बढ़कर उठाई है। हमारे युवाओं ने भारत के सामर्थ्य को साबित करके दिखाया है।' प्रधानमंत्री ने युवाओं को सलाह दी कि सफलता के लिए कभी कोई शॉर्ट कट मत खोजिएगा। शॉर्ट कट का रास्ता थोड़े समय के लिए होता है। उन्होंने कहा, 'सफलता का केवल एक ही मंत्र है - दीर्घकालिक योजना और निरंतर प्रतिबद्धता। न तो एक जीत कभी हमारा आखिरी पड़ाव हो सकती है, न एक हार।' खेलों में सफलता के लिए 360 डिग्री दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए भारत समग्र दृष्टिकोण के साथ काम कर रहा है।' खेलो इंडिया कार्यक्रम इसी सोच का एक अच्छा उदाहरण है। उन्होंने कहा, 'हमने देश की प्रतिभाओं को पहचानना, उन्हें हर जरूरी सहयोग देना शुरू किया। प्रतिभा होने के बावजूद हमारे युवा ट्रेनिंग के अभाव में पीछे रह जाते थे। आज बेहतर से बेहतर ट्रेनिंग सुविधाएं खिलाड़ियों को दी जा रही हैं।' पिछले 7-8 वर्षों में खेल के बजट में 70 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। खिलाड़ियों के साथ-साथ कोचों के लिए भी प्रोत्साहन में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। मणिपुर और मेरठ में खेल विश्वविद्यालय स्थापित किए गए हैं और कई संस्थानों में खेल पाठ्यक्रम शुरू हो रहे हैं।

राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय राष्ट्र को समर्पित

सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए तनाव मुक्त प्रशिक्षण समय की आवश्यकता है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय का भवन राष्ट्र को समर्पित किया और अपना पहला दीक्षांत भाषण दिया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र भाई पटेल उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की पुलिसिंग के लिए बातचीत और अन्य सॉफ्ट स्किल्स जैसे कौशल की आवश्यकता होती है जो लोकतांत्रिक परिदृश्य में कार्य करने के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने पुलिस और सुरक्षाकर्मियों की छवि बदलने की जरूरत पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने पुलिसकर्मियों के लिए नौकरी के तनाव से निपटने में संयुक्त परिवार के घटते समर्थन के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने बलों में योग विशेषज्ञों सहित तनाव से निपटने के लिए विशेषज्ञों और विश्राम की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'देश के सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए तनाव मुक्त प्रशिक्षण गतिविधियां समय की आवश्यकता है।' उन्होंने सुरक्षा और पुलिसिंग कार्य में प्रौद्योगिकी के महत्व के बारे में बताया।

उन्होंने कहा कि गांधीनगर क्षेत्र में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, रक्षा विश्वविद्यालय और फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय हैं। उन्होंने इन संबंधित क्षेत्रों में समग्र शिक्षा कायम करने को लेकर नियमित संयुक्त संगोष्ठियों के माध्यम से इन संस्थानों के बीच तालमेल की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, 'इसे पुलिस यूनिवर्सिटी मानने की गलती कभी न करें। यह एक रक्षा विश्वविद्यालय है जो देश की सुरक्षा का पूरा ख्याल रखता है। बता दें कि राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) की स्थापना पुलिस, अपराध संबंधी न्याय और सुधारात्मक प्रशासन के विभिन्न अंगों में उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षित मानव शक्ति की आवश्यकता को पूरा करने के लिए की गई थी। सरकार ने रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय को अपग्रेड करके राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय नाम से एक राष्ट्रीय पुलिस विश्वविद्यालय की स्थापना की, जिसे 2010 में गुजरात सरकार द्वारा स्थापित किया गया था। यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है। अक्टूबर, 2020 से इसका संचालन शुरू किया गया है।

[यूक्रेन युद्ध]

रूस ने दी परमाणु हमले की धमकी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन युद्ध के बीच नाटो देशों को परमाणु बम की 'धमकी' देने के बाद अब अमेरिकी

- **पुतिन ने यूक्रेन युद्ध के बीच नाटो देशों को परमाणु बम की 'धमकी' दी।**
- **अमेरिकी वायुसेना भी परमाणु बम पर एक्शन में आ गई है।**

वायुसेना भी एक्शन में आ गई है। अमेरिकी वायुसेना का प्लेन हवा में देखा गया है। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक परमाणु बम के हमले को भी झेल जाने में सक्षम 'महाविनाश का प्लेन' 28 फरवरी को अमेरिका के नेब्रास्का में कुछ समय के लिए हवा में प्रशिक्षण उड़ान पर निकला था। इससे ठीक पहले पुतिन ने अपनी परमाणु सेना को हाई अलर्ट पर कर दिया था।

अमेरिका ने एक बोइंग 747 विमान को बदलकर उसे बोइंग E-4B 'नाइटवॉच' नाम दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस विमान ने नेब्रास्का में स्थित अमेरिका वायुसेना के ठिकाने से उड़ान भरी और करीब 4.5 घंटे तक शिकागो के आकाश में रहा। इसके बाद यह विमान लौट आया। खबर में कहा गया है कि इस उड़ान के दौरान उसके साथ कई जल्दी चेतावनी देने वाले विमान भी उड़ रहे थे ताकि बैलेस्टिक मिसाइलों को ट्रैक किया जा सके। अमेरिका कम से कम एक E-4B को हमेशा अलर्ट रखता है, ताकि हमेशा प्रशिक्षण और तैयारी मिशन को अंजाम दिया जा सके।

प्रतिबंधों ने बढ़ाई रूस की चीन पर निर्भरता

रूस ने कहा कि पश्चिमी प्रतिवंधों के कारण उसके सोने और विदेशी मुद्रा भंडार का करीब आधा हिस्सा फ्रीज हो चुका है।

- **अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए चीन से मदद की उम्मीद।**
- **पिछले साल रूस ने चीन को 79.3 अरब डॉलर का किया था निर्यात।**

ऐसे में वह अपनी अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए चीन से मदद की उम्मीद कर रहा है।

रूस के वित्त मंत्री एंटोन सिलुआनोव ने एक साक्षात्कार में कहा, 'हमारा सोना व विदेशी मुद्रा भंडार का एक हिस्सा चीनी मुद्रा युआन के रूप में है। हमें पता है कि हमारे साथ व्यापार सीमित करने के लिए पश्चिमी देश चीन पर दबाव बना रहे हैं। इससे

निश्चित तौर पर विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग सीमित करने का दबाव बढ़ गया है। लेकिन लगता है कि चीन के साथ हमारी साझेदारी आपसी सहयोग बरकरार रखने में मदद करेगी। हम साझेदारी को न सिर्फ बरकरार रखेंगे, बल्कि इस समय जबकि पश्चिमी बाजार हमारे लिए बंद हैं, आपसी संबंधों को और मजबूत करेंगे।'

गौरतलब है कि रूस के कुल विदेशी मुद्रा भंडार करीब 640 अरब डॉलर में से करीब 300 अरब डॉलर फ्रीज किए जा चुके हैं। मानवाधिकार समेत अन्य मुद्दों पर पश्चिमी दबाव का सामना कर रहे दोनों देशों ने हाल के समय में आपसी संबंध मजबूत किए हैं। रूस, यूरोपीय संघ के बाद चीन को सबसे ज्यादा निर्यात करता है। वर्ष 2021 में रूस ने चीन को 79.3 अरब डालर का निर्यात किया था, जिसमें 56 प्रतिशत तेल व गैस का था।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने कहा कि वाशिंगटन ने चीन को ऐसा करने से चेताया है। सुलिवन ने कहा, 'हम सीधे और निजी तौर पर चीन को बता चुके हैं कि अगर उसने युद्ध में अथवा अन्य तरीकों से रूस का साथ दिया तो इसके गंभीर परिणाम होंगे।'

ब्रह्मोस मिसाइल के नए संस्करण को किया जा रहा है विकसित

भारत की सामरिक ताकत बढ़ रही है। अब कुछ ही समय में 800 किलोमीटर तक दुश्मनों के ठिकानों को निशाना बनाया

- **इस समय सुखोई एमकेआई-30 लड़ाकू विमान से छोड़े जाने के बाद यह मिसाइल 300 किलोमीटर तक लक्ष्य को निशाना बनाने में सक्षम है।**
- **इस बीच हवा से हवा में मार करने वाले नए संस्करण को भी विकसित किया जा रहा है।**

जा सकेगा। दरअसल भारत सुपरसोनिक (ध्वनि की गति से तेज) ब्रह्मोस मिसाइल के हवा से मार करने वाले संस्करण को विकसित कर रहा है। यह मिसाइल 800 किलोमीटर दूर से दुश्मनों पर कहर बरपाएगी।

ब्रह्मोस मिसाइल की मारक क्षमता को उन्नत किया जा रहा है। भारत ने हाल ही में सामरिक मिसाइल की मारक क्षमता को बढ़ाया है। एक साफ्टवेयर में अपग्रेडेशन के साथ यह मिसाइल 500 किलोमीटर दूर के लक्ष्य को निशाना बना सकती है। भारतीय वायुसेना ने लगभग 40 सुखोई लड़ाकू विमानों को ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों के अनुकूल बनाया है जो दुश्मन के ठिकानों को तबाह करने में सक्षम होंगे।

[भारत]

यूक्रेन से अपना दूतावास अस्थाई रूप से पोलैंड ले जाएगा

भारत ने अपने दूतावास को अस्थाई तौर पर यूक्रेन से पोलैंड स्थानांतरित करने का फैसला लिया है। यह निर्णय पिछले कुछ दिनों में यूक्रेन की राजधानी कीव और अन्य प्रमुख शहरों में रूसी हमले तेज होने के मद्देनजर लिया गया है।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यूक्रेन के पश्चिमी हिस्सों में हमले समेत देश में बेहद तेजी से बिगड़ते सुरक्षा हालात को देखते हुए यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास को अस्थाई रूप से पोलैंड स्थानांतरित करने का फैसला किया गया है। मंत्रालय ने कहा, आने वाले समय के घटनाक्रम को देखते हुए दोबारा हालात की समीक्षा की जाएगी। हालांकि, पिछले कुछ दिनों से बड़ी संख्या में भारतीय दूतावास के अधिकारी लवीव स्थित कैंप कार्यालय से ही काम कर रहे थे।

यूक्रेन को दी गई सहायता सामग्री

भारत में रूसी दूतावास ने कहा है कि यूक्रेन में 1,935 टन की मानवीय मदद सौंपी जा चुकी है। कीव, खारकोव, जापोरोझये और चेर्निगोव क्षेत्र के साथ ही डोनेत्स्क और लुगांस्क पीपुल्स रिपब्लिक में अनेक गतिविधियों के दौरान मानवीय सहायता कार्गो सौंपे गए हैं।

ईरानी सेना ने इराक में दागीं 12 बैलिस्टिक मिसाइलें

ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने इराक के इरबिल में अमेरिकी दूतावास पर हुए मिसाइल हमले की जिम्मेदारी ली है।

- **इराक में मिसाइल हमले की ईरानी सेना ने ली जिम्मेदारी।**
- **इरबिल में अमेरिकी दूतावास के पास गिरी मिसाइलें, गाड़ियों को पहुंचा नुकसान। ईरानी सेना ने कहा - हमने इजरायली ठिकानों को बनाया था निशाना।**

रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने इरबिल पर एक दर्जन मिसाइलें दागने का दावा किया है। ईरान के सरकारी मीडिया ने बताया है कि यह हमला इरबिल में इजरायली स्ट्रैटजिक सेंटरों के खिलाफ किया गया था। वहीं, उत्तरी कुर्द क्षेत्रीय राजधानी इरबिल के गवर्नर ओमद खोशनावी ने कहा है कि इन मिसाइलों ने अमेरिकी दूतावास और इरबिल में एक कुर्दिश न्यूज चैनल के ऑफिस को निशाना बनाया।

ईरान की सरकारी तसनीम न्यूज एजेंसी ने कहा है कि रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने

इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि हमले में इजरायल के रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाया गया है।

अमेरिका ने इस मिसाइल हमले को लेकर ईरान की कड़ी आलोचना की है। ऐसे में ईरानी सेना के कबूलनामे के बाद दोनों देशों में तनाव बढ़ने की आशंका है। माना जा रहा है कि अमेरिका ईरान पर नए प्रतिबंधों का ऐलान कर सकता है। हालांकि, अमेरिका के इस कदम से परमाणु समझौते को लेकर चल रही बातचीत पर असर पड़ने की आशंका है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

कोरोना को मारने के तीन हथियार, हाथ धुलायी, मास्क और वैक्सीन का वार।

नये मेहमान के आने की आहट पर, करें स्वागत की तैयारी

- गर्भ धारण होने पर शीघ्र पंजीयन करवायें।
- ए.एन.सी. में आवश्यक जांचें सही समय पर करवायें - ऊँचाई, वजन, ब्लडप्रेशर, हीमोग्लोबिन, पेशाब की जाँच, HIV
- टिटनेस का टीका लगवायें।
- फोलिक एसिड/केल्शियम एवं आयरन फोलिक एसिड (आई.एफ.ए.) की गोलियों का नियमित सेवन करें।
- जांचों में जटिलता पाये जाने पर समुचित उपचार करवायें।
- प्रसव स्वास्थ्य संस्था में ही करवायें, जननी सुरक्षा योजना तथा मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा प्रसूति सहायता योजना का लाभ पायें।
- योजना का लाभ लेने के लिये गर्भवती महिला अपना एवं पति का बैंक खाता नम्बर एवं समग्र आईडी साथ लेकर आये।

अस्पताल जाने एवं वापस घर आने हेतु नि:शुल्क जननी एक्सप्रेस उपलब्ध/108 वाहन उपलब्ध है

यह सुविधायें सभी शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों/ ग्राम आरोग्य केन्द्रों पर नि:शुल्क उपलब्ध हैं।

NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश

D104083/R-46795/2022

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक राघवेन्द्र कुमार सिंह, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।